जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 45 संख्याः 337 प्रभात बीकानेर, शुक्रवार 28 जून, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

अठारहवीं लोकसभा का एजेण्डा निर्धारित हुआ सदन के पहले ही दिन

आमने-सामने टकराव की रणनीति बना ली है, सरकार व विपक्ष ने

- हालांकि, परम्परा के अनुसार, राष्ट्रपति द्वारा दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में प्रस्तुत अभिभाषण पर बहस करके धन्यवाद प्रस्ताव पारित करना पहली प्राथमिकता होती है। पर, इस बार विपक्ष स्थगन प्रस्ताव लाना चाहता है, और आम जनता की सबसे बड़ी चिंता, ''नीट'' परीक्षा में पेपर लीक का मसला उठाना चाहता है।
- विपक्ष, तकनीकी दृष्टि बड़ी होशियारी से अभिभाषण का बायकॉट नहीं कर रहा है, बल्कि जनता को सबसे ज्यादा चुभने वाले मुद्दे पर सदन में बहस चाहता है।
- विपक्ष का कहना है कि, नीट पर बहस की उनकी मांग नहीं मानी गई तो वो सदन की कार्यवाही नहीं चलने देंगे। विपक्ष, अपनी इस रणनीति से लोकसभा का एजेण्डा सैट करना चाहता है।
- विपक्ष, सोमवार को संसद परिसर में लगी महात्मा गांधी की प्रतिमा पर धरने पर भी बैठेगा।
- धरना सरकार द्वारा, ई.डी., सी.बी.आई. आदि जाँच एजेन्सियों का विपक्ष के नेताओं के खिलाफ खुला उपयोग करने के विरोध में आयोजित किया गया है। दिल्ली के मु.मंत्री केजरीवाल, झारखंड के मु.मंत्री हेमन्त सोरेन तथा, प.बंगाल के तीन कैबिनेट मंत्रियों की गिरफ्तारी सरकार की इस प्रतिशोध की रणनीति का उदाहरण है।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जून। मोदी सरकार और विपक्षी इण्डिया गठबंधन के बीच टकराव 18वीं लोकसभा की सबसे उल्लेखनीय बात है।

संसद के दोनों सदनों के लिए एजेण्डा है, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव, लेकिन विपक्ष एक स्थगन प्रस्ताव रखकर मांग करेगा कि, नीट के अति महत्वपूर्ण और वर्तमान मुद्दे पर तुरंत बहस होनी चाहिए, जिसने देश को हिलाकर रख दिया है और लाखों छात्रों के भविष्य को खतरे में डाल दिया है।

कल शुक्रवार है, जब राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा होनी है।

विपक्ष यह स्पष्ट करेगा कि, वो राष्ट्रपति के अभिभाषण का बायकॉट नहीं कर रहा है, लेकिन, वो सोमवार को इस पर बहस करना चाहता है।

माना जा रहा है कि, यदि नीट पर बहस की अनुमति नहीं दी गई तो विपक्ष सदन में भारी हंगामा कर सकता है। विपक्ष दोनों सदनों में स्थगन की स्थिति पैदा कर देगा और सदन का कामकाज नहीं होने देगा।

आज शाम मल्लिकार्जुन खड़गे के निवास पर हुई विपक्षी इण्डिया गठबंधन की बैठक में विपक्षी नेताओं ने तय किया कि, संसद में नीट का मुद्दा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

स्पष्ट है कि, विपक्ष अपना एजैण्डा सैट करना चाहता है और इस बात को अधिक बड़ा पॉइन्ट बनाना चाहता है कि, जो मुद्दे आम आदमी को प्रभावित करते हैं उन्हें प्राथमिकता के आधार पर उठाया जाना चाहिए।

यह सब भविष्य के कथानक को कन्ट्रोल और मॉनिटर करने का भी प्रयास है।

लेकिन बात यहीं खत्म नहीं होती। सोमवार को विपक्षी दल संसद भवन परिसर में महात्मा गाँधी की प्रतिमा के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोटा में एक और कोचिंग छात्र ने आत्महत्या की

कोटा, 27 जून (निसं)। कोचिंग सिटी में एक छात्र ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

यह कोचिंग छात्र मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी की तैयारी करने के लिए झारखंड से कोटा आकर दादाबाड़ी थाना इलाके में रह रहा था और 12वीं की पढ़ाई के साथ मेडिकल एंट्रेंस की तैयारी भी निजी कोचिंग संस्थान से कर रहा था। सुबह जब छात्र ने परिजनों का फोन नहीं उठाया तो परिजनों ने हॉस्टल मालिक को फोन किया। हॉस्टल मालिक द्वारा भी खटखटाने पर जब दरवाजा नहीं खुला तो पुलिस को सूचना दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने

- झारखंड का 17वर्षीय ऋषित अग्रवाल 12वीं के साथ नीट-यू.जी. की भी तैयारी कर रहा था।

छात्र के शव को फंदे से उतार कर एम.बी.एस. अस्पताल की मोर्चरी में शिफ्ट करवाया।

दादाबाड़ी थाना अधिकारी नरेश मीणा ने बताया कि, 17 वर्ष का ऋषित अग्रवाल झारखण्ड के देवघर का निवासी था। एफ.एस.एल. टीम ने भी कमरे की जांच पड़ताल की है। इसके संबंध में उसके परिजनों को भी सूचना दे दी गई है। परिजन झारखण्ड से कोटा के लिए रवाना हो गए हैं।

थाना अधिकारी ने बताया कि, प्रथम दृष्टया किसी तरह का कोई सुसाइड नोट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्पीकर ओम बिड़ला के बाद राष्ट्रपति मुर्मू ने भी ''एमरजैन्सी'' को भारत के प्रजातंत्र व संविधान का सबसे काला अध्याय बताया

अपने अभिभाषण में राष्ट्रपति ने कहा, भारत के संविधान व प्रजातंत्र पर देश के अन्दर एवं बाहर से लगातार हमले हो रहे हैं

- जैसा कि विदित ही है, राष्ट्रपति का अभिभाषण, सरकार तैयार करती है तथा यह सरकार की सोच व मन्तव्य का सूचक होता है।
- राष्ट्रपति ने विपक्ष की प्रतिस्पर्धा करने की सोच पर टिप्पणी की और कहा, प्रतिस्पर्धात्मक सोच के कारण, देश में प्रजातंत्र कमज़ोर पड़ता है।
- ''पिछले कई दशकों से अस्थिर सरकारों का दौर सा आया था देश में, और इस कारण से आर्थिक व समाजिक सुधार व अन्य आवश्यक निर्णय नहीं लिये जा सके थे।
- पर, अब जनता ने अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हुए, अस्थिर सरकारों की स्थिति पर रोक लगा दी है।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जून। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तीसरी बार एन.डी.ए. की सरकार बनने के बाद नई लोकसभा को दिए गए अपने पहले संबोधन में 25 जून 1975 को आपातकाल लगाए जाने को लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय बताया तथा कहा कि यह संविधान पर प्रत्यक्ष हमला था। यह स्पष्ट संकेत है कि सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा ने प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस के साथ टकराव का रास्ता चुना है, बजाय देश के सम्मख मौजूद चुनौतियों पर आम राय बनाने के।

राष्ट्रपति ने कहा कि अब प्रयास किए जा रहे हैं कि संविधान को जनमानस का एक अंग बताया जा रहा है ऐसा लगता है कि यह लोकसभा चुनाव के दौरान और शपथ ग्रहण के दौरान इंडिया गठबंधन द्वारा संविधान का मुद्दा उठाने पर भाजपा को जवाब दे।

राष्ट्रपति का भाषण मौजूदा सरकार द्वारा तैयार किया जाता है और राष्ट्रपति मुर्मू अभिभाषण मोदी सरकार के इरादों की अभिव्यक्ति है। एक दिन पहले लोकसभा स्पीकर ने आपातकाल के खिलाफ दो मिनट का मौन रखवाया था। इससे जाहिर है कि मोदी सरकार ने विपक्ष के प्रति आक्रामक रूख अपनाया है।

राष्ट्रपति ने अपने अभिभाषण में कहा कि, कुछ माह में भारत बतौर गणतंत्र 75 वर्ष पूरे कर लेगा। देश के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका के विदेश मंत्री ने भारत में अल्पसंख्यकों की स्थिति पर चिंता जताई?

विदेश मंत्री ने 2023 की धार्मिक स्वतंत्रता की रिपोर्ट जारी करते हुए तीखी टिप्पणियां कीं, भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों की स्थिति के बारे में

- रिपोर्ट के अनुसार, भारत में साम्प्रदायिक हिंसा मुसलमानों पर, ईसाइयों पर, सिखों पर, दलितों पर, यहूदियों पर, आदिवासियों पर, अनुपात से कही ज्यादा भारी पड़ती है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जून। भारत में धर्मान्तरण विरोधी कानूनों, हेट स्पीच तथा अल्पसंख्यक समुदायों के घरों और पूजा स्थलों के विध्वंस के बढ़ते मामलों पर अमेरिका ने एक बार फिर चिंता जतायी है।

भाजपा नेतृत्व वाली एन.डी.ए. सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के अभी तीन हफ्ते पहले ही सत्ता में लौटी हैं, लेकिन इस दौरान साम्प्रदायिक मोर्चे पर भारत का रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा। इस अवधि में मॉब लिंचिंग, हिंसा और कथित हेट क्राइम्स के कई प्रकरण सामने आए। जैसी कि खबर मिली है, छत्तीसगढ़ में दो अलग-अलग घटनाओं में चार जनों, उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एक और गुजरात में एक जने की अकारण हत्या कर दी गई।

बकरीद पर देश के कई हिस्सों में मुसलमानों को निशाना बनाने और साम्प्रदायिक असंतोष की खबरे थीं।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने वर्ष 2023 की रिलीजस फ्रीडम रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि भारत के ईसाई समुदाय ने बताया था कि भारत में स्थानीय पुलिस समर्पित लोगों की भीड़ ने धर्मान्तरण गतिविधियों का आरोप लगाते हुए उनकी प्रार्थना में व्यवधान उत्पन्न किया अथवा उग्र भीड़ जब उन पर हमला कर रही थी, तब पुलिस मूक दर्शक बने खड़ी रही। बाद में पुलिस ने धर्मान्तरण के आरोपों में पीड़ितों को गिरफ्तार किया। रिपोर्ट में मणिपुर की जातीय हिंसा का भी जिक्र है और उसमें समान नागरिक आचार संहिता, धर्मान्तरण को प्रतिबंधित करने वाले कानूनों और नए आपराधिक कानूनों सहित प्रधानमंत्री के लीगल फ्रेमवर्क को लेकर आलोचनात्मक विचार हैं।

मई माह में भी, भारत ने यूएस कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजस फ्रीडम (यूएससीआईआरएफ) की ऐसी ही एक रिपोर्ट को खारिज कर दिया था, इस रिपोर्ट में भाजपा पर ''भेदभावपूर्ण राष्ट्रवादी नीतियां पुन: लागू करने'' का आरोप लगाया था और आरोप लगाया था पार्टी पक्षपाती राजनीतिक एजेन्डा लागू करने वाली है''। यूएससीआईआरएफ ने यह भी आरोप लगाया था कि भारत सरकार ''साम्प्रदायिक हिंसा'' से निपटने में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महिला शिक्षक को प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा लाभ दिया जाए

जयपुर, 27 जून (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने फरवरी, 1992 में नियुक्त हुए महिला शिक्षक को राहत देते हुए शिक्षा विभाग को निर्देश दिए हैं कि, उसके सेवाकाल की गणना प्रथम नियुक्ति तिथि से कर समस्त सेवा परिलाभ दिए जाएं। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश संतोष की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते

- राजस्थान हाई कोर्ट ने फरवरी 1999 में नियुक्त महिला शिक्षक संतोष की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिए।

हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि, याचिकाकर्ता संतोष की नियुक्ति फरवरी, 1992 में हुई थी। इसके बावजूद भी शिक्षा विभाग ने 31 दिसंबर के बाद नियुक्त होने वाले कर्मचारियों को ग्रीष्मावकाश का वेतन नहीं दिए जाने का निर्देश दिया था। जिसके चलते याचिकाकर्ता की सेवा में ब्रेक माना गया और उसे एक जुलाई से सेवा में नियमित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'क्या ओ.एम.आर. शीट के बारे में शिकायत करने के लिए कोई समय सीमा है'

सुप्रीम कोर्ट ने नैशनल टैस्टिंग एजेन्सी को नोटिस जारी कर पूछा

- जस्टिस मनोज मिश्रा और एस.वी.एन. भट्टी की वकेशन बैंच ने एक लर्निंग ऐप ज़ायलम लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड की याचिका पर यह नोटिस दिया है। यह याचिका 8 जुलाई को सुनी जाने वाली याचिकाओं के साथ ही सुनी जाएगी।
- बैंच ने लर्निंग ऐप द्वारा आर्टिकल 32 के तहत याचिका दायर करने पर भी सवाल किया। यह आर्टिकल मौलिक अधिकारों से संबंधित है। बैंच ने पूछा कि, इस मामले में लर्निंग ऐप के कौनसे मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ है।
- एन.टी.ए. द्वारा नीट-यू.जी. परिक्षार्थियों का ओ.एम.आर. शीट अपलोड़ की गई है, पर, कई परिक्षार्थियों को उनकी ओ.एम.आर. शीट नहीं मिली है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जून। सुप्रीम कोर्ट में गुरूवार को एक याचिका पर नैशनल टैस्टिंग एजेन्सी (एन.टी.ए.) से जवाब मांगा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि 5 मई 2024 को जो नीट-यू.जी. 2024 की परीक्षा आयोजित की गई थी उसके लिए प्रयुक्त ओ.एम.आर. शीट में अंकों के गणना असंगत की गई है।

न्यायाधीश मनोज मिश्रा व न्यायाधीश एस.वी.एन. भट्टी की अवकाशकालीन बैंच ने एन.टी.ए. को नोटिस जारी किया और उससे जवाब मांगा है कि नीट-यू.जी. 2024 की परीक्षा से संबंधित ओ.एम.आर. शीट पर दर्ज अंकों की गणना को लेकर शिकायतें देने की एक समय सीमा निर्धारित की जाए। अदालत ने इस याचिका को भी पहले से इस मसले पर लम्बित याचिकाओं के साथ संलग्न कर दिया, जिन पर अब आगामी सुनवाई 8 जुलाई 2024 को होगी।

कोर्ट ने संक्षिप्त आदेश में कहा कि क्या ''हम यह जानना चाहते हैं कि ओ.एम.आर. शीट्स उपलब्ध कराने के लिए कोई निश्चित सीमा निर्धारित की हुई है। फिलहाल हम इसे टैग करेंगे। एन.टी.ए. ने इस पर निर्देश ले।''

मामले की सुनवाई के शुरुआत में ही न्यायाधीश मिश्रा ने याचिकाकर्ता ज़ाइलम लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड-लर्निंग ऐप की तरफ से कोर्ट में उपस्थित वरिष्ठ वकील आर. बसंत से पूछा कि वे आर्टिकल 32, जो मूलभूत अधिकारों की सुरक्षा के लिए है का उपयोग कर शीर्ष अदालत में कैसे पहुँचे। मौलिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी ने ओम बिड़ला से भेंट की

नयी दिल्ली, 27 जून (वार्ता)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को सदन के अध्यक्ष ओम बिरला से भेंट की।

राहुल गांधी के साथ विपक्षी दलों का एक प्रतिनिधिमंडल भी था। गांधी की बिरला से यह भेंट लोकसभा अध्यक्ष के कक्ष में हुई। इस दौरान विपक्ष के कई अन्य सांसद भी मौजूद रहे। इन सांसदों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी- शरद

- नेता प्रतिपक्ष की हैसियत से राहुल गांधी ने ओम बिड़ला से भेंट की, उनके साथ विपक्षी सांसदों का प्रतिनिधिमण्डल भी था।

की सुप्रिया सुले, समाजवादी पार्टी की डिंपल यादव, राष्ट्रीय जनता दल की मीसा भारती, द्रविड मुनेत्र कषगम की कनिमोझी, रिपब्लिकन सोशलिस्ट पार्टी के एन के प्रेमचंद्रन, तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी, और कांग्रेस के गौरव गगोई, के. सुरेश, के. सी. वेणुगोपाल और शशि थरुर तथा अन्य विपक्षी दलों के सदस्य शामिल रहे।

लोकसभा में विपक्ष का नेता बनने के बाद गांधी की बिरला के साथ पहली शिष्टाचार भेंट थी।

आडवाणी को एम्स से छुट्टी मिली

नई दिल्ली, 27 जून। वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवानी को गुरुवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्हें बुधवार रात दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया था। इससे पहले अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि, भाजपा के दिग्गज नेता की हालत स्थिर है और विशेषज्ञों की एक टीम उनकी जांच कर रही है। 96

- 96 वर्षीय पूर्व उप प्रधानमंत्री को बुधवार रात करीब 10.30 बजे दिल्ली एम्स के प्राइवेट वार्ड में भर्ती कराया गया था।

वर्षीय पूर्व उप प्रधानमंत्री को बुधवार रात करीब 10.30 बजे दिल्ली एम्स के पुराने प्राइवेट वार्ड में भर्ती कराया गया।

गौरतलब है कि, आडवानी उम्र संबंधित समस्याओं का सामना कर रहे हैं और आमतौर पर डॉक्टर उनका घर पर ही जांच करते हैं, लेकिन बुधवार रात उन्होंने पेशाब में संक्रमण की शिकायत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हम जो वादा करते हैं उसको पूरा भी करते हैं- मुख्यमंत्री भजनलाल

88 लाख से अधिक पैन्शनरों के बैंक खातों में 1037 करोड़ रूपए से अधिक की राशि सीधी हस्तांतरित, मु.मंत्री ने लाभार्थियों से संवाद किया

- मुख्यमंत्री ने बताया कि, राज्य सरकार ने सामाजिक सुरक्ष पैन्शन योजना को एक हजार रूपए से बढ़ाकर 1150 रूपए कर दिया है तथा इसमें चरणबद्ध तरीके से वृद्धि की जाएगी। संकल्प पत्र का हर वादा पूरा किया जाएगा।
- पैन्शन राशि बढ़ाए जाने पर लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री का आभार जताया।
- कार्यक्रम का आयोजन झुंझुनूं के केशव उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर स्कूल के खेल मैदान में आयोजित हुआ था। मुख्यमंत्री ने बटन दबाकर पैन्शन राशि हस्तांतरित की।

झुंझुनूं, 27 जून (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, सभ्य एवं विकसित समाज सभी वर्गों के विकास के लिए संवेदनशील रहता है। सामाजिक सुरक्षा के रूप में पेंशन जरूरतमंद को आर्थिक संबल देती है, साथ ही उन्हें मुख्य धारा से जोड़े रखती है। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं का दायरा बढ़ाने के साथ ही पेंशन राशि में भी बढ़ोतरी की है। उन्होंने कहा कि, वृद्धजन, एकल नारी, दिव्यांगजनों सहित सभी वर्गों के उत्थान के लिए हमारी सरकार कृतसंकल्पित है तथा इनके सामाजिक सुरक्षा के आवरण को कमजोर नहीं होने देगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरूवार को झुंझुनूं जिला मुख्यालय पर केशव उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर के खेल मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय सामाजिक सुरक्षा पेंशन वृद्धि की राशि हस्तान्तरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बटन दबाकर प्रदेश के 88 लाख से अधिक पेंशनरों के बैंक खातों में 1 हजार 37 करोड़ रुपए से अधिक की राशि हस्तान्तरित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि, हमारी सरकार मुख्यमंत्री वृद्धजन सम्मान पेंशन योजना, मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान पेंशन योजना, मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन सम्मान पेंशन योजना, लघु एवं सीमांत वृद्धजन कृषक सम्मान पेंशन योजना के जरिए जरूरतमंदों को आर्थिक संबल प्रदान कर रही है। इस कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री ने खेल मैदान में अशोक के पौधे का रोपण भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, राज्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

झुंझुनूं में राज्य स्तरीय सामाजिक सुरक्षा पैंशन कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री संतोष अहलावत व पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को गदा भेंट की।

विचार बिन्दु

आपत्ति काल में हमारी अजीब-अजीब लोगों से पहचान हो जाती है, जो अन्यथा संभव नहीं। –शेक्सपीयर

एंटी पेपर लीक कानून लागू, क्या लीक प्रूफ परीक्षा की गारंटी होगी?

पेपर लीक और परीक्षाओं में भारी गड़बड़ी को लेकर देश भर में संकट छाया हुआ है। कई परीक्षायें रद्द हो गई हैं। कई रद्द होने की कगार पर हैं। करोड़ों छात्रों का भविष्य दांव पर है, भविष्य अंधकार मय है। अधिकांश शासन वर्ग के लोग लक्ष्मी के पीछे अंधी दौड़ दौड़ रहे हैं, बौराये हुये हैं। नदियों पर बने पुल बनते समय ही टूट जावें। इन्हें क्या लेना देना? नकली दवायें, नकली खाद्य पदार्थ आदि की खबरें पढ़कर जीने से ही डर लग रहा है। रिश्वत का बोल बाला है। कैसा है मेरा लोकतंत्र यहाँ विष भी नकली बिकता है। भ्रष्टाचार निरोधक विभाग का उच्च कर्मचारी ही भ्रष्टाचार में लिप्त हो तो आप क्या कहेंगे। लोकतंत्र के तीनों पायों पर भी ईमानदारी पर संदेह है। घरों में रद्दी से भी अधिक नोटों की गड्डियां मिली हैं, जिन्हें गिनने पर मशीन की कमर ही टूट जाती है। सरकारें हमने चुनी हैं, सोचा था जनता की सेवा होगी, काम होगा, किन्तु वे तो जनता का ही गला घोट रहे हैं। जनता हर जगह ठगी जा रही है। लीक पेपर से पास होने वाले डॉक्टर से क्या आप सही इलाज की सोच सकते हैं? ऐसा करना क्या किसी लोकतंत्र देश के नागरिक को शोभा देता है? आदमी अपना ईमान ही बेच चुका है। जानवर शायद ज्यादा वफादार है। वर्तमान में पेपर लीक व परीक्षाओं में होने वाली गडबडियों को देखकर यह समझ में आ रहा है कि हम सुधरना ही नहीं चाहते। कानून कितने ही बनें, कुछ नहीं होने वाला है। आप कितनी ही जांच करा लें, जनता का विश्वास तो कहीं खो चुका है। केन्द्र सरकार, लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) अधिनियम 2024 लेकर आई है, क्या उपरोक्त देश की परिस्थितियों में नया कानून कुछ कर पायेगा? जब हम सुधरना ही नहीं चाहते। पूरे देश की स्थिति यही है। आंकडों में कहते हैं, राजस्थान सबसे आगे है। नीट 2021, लाइब्रेरियन भर्ती परीक्षा, वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा, स्वास्थ्य सहायक संविदा भर्ती परीक्षा, पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा, कोर्ट एलडीसी भर्ती परीक्षा आदि आदि गिनते जाओ, अन्तहीन मामला है। कोर्ट में कई मामले लम्बित हैं, जल्दी निर्णित हो जावें, उम्मीद कम ही है। देशभर में शिक्षा व स्वास्थ्य विभाग पेपर लीक के मामले में आगे हैं, वे भी नियोजित रूप में।

नेशनल टेस्टिंग एजेन्सी (NTA) नीट नेट जैसी नेशनल स्तर की 15 भर्ती परीक्षायें करा रही हैं। इनकी कार्य प्रणाली संदेह व सवालों के घेरे में है। नेशनल टेस्टिंग एजेन्सी (एनटीए) ने सीएसआईआर यूजीसी नेट परीक्षा को स्थगित कर दिया है, जिनके कारण गम्भीर सवाल पैदा हो गये हैं।

इस समय सबसे अधिक चर्चा में एनटीए द्वारा कराई जाने वाली नीट की मेडिकल प्रवेश परीक्षा। यूजीसी नेट 18 जून को होनी थी वह 19 जून को रद्द कर दी गई। इसमें 9,08,580 छात्रों ने परीक्षा दी थी। इसमें सफल अभ्यर्थी असिस्टेन्ट प्रोफेसर, जूनियर रिसर्च फेलोशिप के लिये पात्र होते हैं। स्थगित करने का कारण शिक्षा मंत्री ने कहा कि टेलीग्राम पर पर्चा आ गया था। मूल पत्र से मिलाया तो वह सही पाया गया।

विभिन्न परीक्षाओं में कई अनियमिततायें पाई गईं। कई मामलों में सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाया गया। कई केन्द्रों पर अनिवार्य दो सीसीटीवी केमरे काम नहीं कर रहे थे (बंद थे)। कुछ जगह प्रश्न पत्र रखने वाले स्ट्रोंग रूम खुले मिले। कहीं सुरक्षा कर्मचारी नहीं मिले।

राजनीतिक पार्टियों ने एनडीए सरकार व शिक्षा मंत्री को घेरने की योजना बना रखी है किन्तु इससे क्या होगा? सभी पार्टियां एक आवाज में बोलती हैं दोषी को सजा दो। सुप्रीम कोर्ट बहुत तत्परता से समीक्षा कर रही है। गुनाहगारों के चेहरों की नकाब हट रही हैं, सजा होगी ही, किन्तु यह भी समस्या का निदान तो नहीं है। सरकार के पास एक ही इलाज है, नया कडा कानून बनाया जावे ताकि गुनाहगार बच नहीं पायें। संकल्प अच्छा है किन्तु क्या सफलता मिल पायेगी?

उपरोक्त विचारधारा से प्रेरित होकर केन्द्र सरकार एक नया कानून लेकर आई है। इसका नाम है सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधन की रोकथाम) अधिनियम, 2024 इसका उद्देश्य है धोखाधडी पर अंकुश लगाना और सार्वजनिक परीक्षाओं की शुचिता को अक्षुण्ण बनाये रखना। अतः यह अधिनियम सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों के प्रयोग को रोकेगा तथा इससे संबंधित या इससे आनुबंगिक विषयों का उपबंध करेगा। इसका कार्य क्षेत्र काफी व्यापक रखा गया है। इस विधेयक के तहत् कोई जमानत नहीं होगी, कोई समझौता नहीं होगा और अपराध संज्ञेय होगा। इस कानून को संसद ने 6 फरवरी 2024 को पारित किया है और 9 फरवरी 2024 को राज्य सभा ने पारित किया है। केन्द्र सरकार की अधिसूचना जो भारत के गजट में प्रकाशित हुई है यह कानून के अनुसार 21 जून, 2024 से लागू हो चुका है। इसके द्वारा सरकार परीक्षाओं में धोखाधडी व गडबडियों को रोकने का संकल्प है। इस केस द्वारा गुनाहगारों को Unfair Means के आधार पर 3 साल से 5 साल की सजा और 10 लाख रूपये का जुर्माना इग्हा लगाये जाने की व्यवस्था है।

> **कैसा है मेरा लोकतंत्र, यहाँ विष भी नकली बिकता है। भ्रष्टाचार निरोधक विभाग का उच्च कर्मचारी ही भ्रष्टाचार में लिप्त हो तो आप क्या कहेंगे। लोकतंत्र के तीनों पायों पर भी ईमानदारी पर संदेह है। घरों में रद्दी से भी अधिक नोटों की गड्डियां मिली हैं, जिन्हें गिनने पर मशीन की कमर ही टूट जाती है।**

इस अधिनियम का उद्देश्य सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों को रोकना और दण्डित करना है। अनुचित गतिविधियों में प्रश्न पत्र लीक करना, उत्तर पुस्तिकाओं में छेड़छाड करना, बैठने की व्यवस्था में हेराफेरी करना, पैसे के लाभ के लिये धोखाधडी करने के लिये फर्जी वेब साईट बनाना और फर्जी परीक्षा आयोजित करना आदि हैं।

परीक्षा संचालन के संबंध में कोई संगठित अपराध करते पाया जावे तो उसे 10 वर्ष की कैद व कम से कम एक करोड़ रूपये का जुर्माना भरना होगा। यह भी प्रावधान रखा है कि जब तक नई भारतीय दण्ड संहिता लागू रहेगी।

धारा 2(k) में "Public Examination" सार्वजनिक परीक्षा को परिभाषित किया गया है। इसके अनुसार अनुसूची में दी गई पब्लिक एग्जामिनेशन ऑथोरिटी द्वारा संचालित होने वाली परीक्षायें आवेंगी।

इस अधिनियम 2024 में यह भी व्यवस्था है कि यदि जांच के दौरान यह पता चलता है कि अपराध में सरकारी कर्मचारी शामिल है या उसकी सहमति से अपराध हुआ है तो उसे न्यूनतम 3 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष की सजा हो सकती है साथ ही एक करोड़ रूपये का जुर्माना भी देय होगा।

वर्तमान में जो केसेज पेपर लीक के हैं, उन पर यह कानून लागू नहीं होगा, क्योंकि आपराधिक कानून Prospective रूप से ही लागू होता है।

सार्वजनिक परीक्षा से तात्पर्य है जिनका उल्लेख विधेयक की अनुसूची में दिया है, जैसे संघ लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग, रेलवे भर्ती बोर्ड, राष्ट्रीय परीक्षण सजेन्सी, बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान और भर्ती के लिये केन्द्र सरकार के विभाग और सम्बद्ध कार्यालय।

सार्वजनिक परीक्षाओं से संबंधित अपराध में शामिल हैं प्रश्न पत्र या उत्तर कुंजी तक अनाधिकृत पहुंच या लीक। सार्वजनिक परीक्षा में उम्मीदवार की सहायता करना कम्प्यूटर नेटवर्क या संसाधनों से छेड़छाड़ करना, मेरिट सूची या रैंक को शॉर्ट लिस्ट करना, नकली परीक्षा आयोजित करना नकली एडमिट कार्ड या ऑफर लेटर जारी करना।

नीट सूची परीक्षा में अनियमितताओं को लेकर और गड़बडियों को देखते हुये, प्रतिदिन नये नये खुलासे हो रहे हैं। इसके तार बिहार के बाद महाराष्ट्र से भी जुडते दिखाई दे रहे हैं। सीबीआई ने इन अनियमितताओं और गड़बडियों को लेकर, शिक्षा मंत्रालय से मिली जानकारी के आधार पर कुछ अज्ञात व्यक्तियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करा दी है और जांच भी प्रारम्भ हो चुकी है। यह एफआईआर आईपीसी की धारा 120बी व धारा 420 व अन्य धाराओं के तहत् है, क्योंकि नया कानून 21 जून 2024 से लागू हुआ है। मामले में गिरफ्तारी भी हुई हैं। 4 व्यक्तियों तीन टीचर हैं, जिनके विरूद्ध एफआईआर हैं। कई लोगों के नाम आ चुके हैं, जिन्होंने मुख्य भूमिकायें अदा की हैं। धांधली के तार पाँच राज्यों में फैले हुये मिले हैं। मुख्य लोगों में कुछ फरार हैं। मनीष की तलाश है। आशुतोष, संजीव मुखिया, प्रभात रंजन, यतिन यादव व सिकन्दर यादवेन्दु आदि मुख्य भूमिकाओं में हैं। कहा जाता है कि 20 परीक्षार्थी होटल में ठहराये गये थे। मनीष को छत पर पेपर जलाते हुये देखा गया है। गिरफ्तारियां भी हुई हैं।

सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित व्यवहार और प्रश्न पत्र) लीक से निपटने के लिये नया कानून अनुसूचित किया गया है, इसका उद्देश्य सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों को रोकना और दण्डित करना है। पेपर लीक कैसे हो सकता है? कितने लोगों की इस काम में आवश्यकता है। पेपर की कापी कहां से मिलेगी। पैसों का लेनदेन कैसे होगा। पेपर असली है इसकी गारंटी कौन देगा। प्रश्नों के जवाब कौन एक्सपर्ट तैयार करायेगा। परीक्षार्थियों की तलाश कैसे होगी आदि-आदि कई प्रश्न हैं। एनटीए ने परीक्षा में गड़बड़ी में बिहार के 17 व गुजरात के 30 छात्राओं की परीक्षा में बाहर किये जाने का नोटिस दिया है। जिनका उत्तर इस नये कानून में खोजना कठिन लगता है। पेपर लीक मामले में एक नहीं अनेक लोगों की भूमिकायें हैं। इसमें परीक्षार्थी स्वयं और उनके मां-बाप भी हैं। नया कानून आधा अधूरा लगता है। इसमें अनेक संशोधनों की आवश्यकता है अथवा पेपर लीक के केसों के निर्णयों के बाद उन केसों के अनुभवों के आधार पर नया कानून लाया जाना चाहिये। पेपर लीक के मामलों में स्पेशियल कोर्ट के मजिस्ट्रेट भी प्रशिक्षित हों, जिनके पास अपना स्वतंत्र स्टाफ हो और इन्वेस्टिगेटिंग टीम हो तथा केसों का निर्णय अधिक से अधिक 3 माह में होना चाहिये। ध्यान रहे न्याय को सस्ता, सुलभ व त्वरित होना ही चाहिये। संविधान में अनुच्छेद 21 की जो व्याख्या एजाब्लेम की की है वह चरितार्थ होनी चाहिये।

एनआईए का गठन इसलिये किया था ताकि प्रवेश परीक्षाओं को दोषमुक्त हो सके। अतः इसके स्थान पर अन्य एजेन्सी गठित की जावे।

सत्यमेव जयते!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

दो पाटन के बीच स्वदेशी सोच

अविनाश जोशी

स्वदेशी सोच आधुनिक भारतीय समाज के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसका मतलब है अपनी देशीय उत्पादों को प्राथमिकता देना, उन्हें समर्थन देना और स्वदेशी उत्पादों की उपयोगिता बढ़ाना। स्वदेशी सोच विशेष रूप से अर्थव्यवस्था, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण है। यह देश की आत्मनिर्भरता और समृद्धि के लिए एक महत्वपूर्ण अभियान है।

भारतीय वस्तुओ के प्रति अनुराग एवम विदेशी वस्तुओ का बहिष्कार यही तो हमारा मुख्य धर्म होना चाहिए। आज की पीढ़ी को यह सब बताना होगा हमे स्वदेशी उद्योगों, शिक्षा, साहित्य, कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देना होगा। फैशन ही सही लेकिन स्वदेशी मोह हमारा मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। खादी एवम सूती कपड़े का प्रचलन स्वदेशी उत्पाद के प्रति जागरूकता का ज्वलंत उदाहरण है। स्थानीय बाजार में स्वदेशी ब्रांड्स के उत्पादों और सेवाओं को समर्थन देना और बढ़ावा देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन सभी पहलों के साथ, स्वदेशी ब्रांड्स को उत्पादों और सेवाओं के लिए अधिक विश्वसनीय, उपयुक्त और रचनात्मक समाधान प्रदान करने के लिए प्रयास करना होगा।

स्वदेशी सोच देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान करती है क्योंकि यह उत्पादन, रोजगार, और आय को स्थानीय स्तर पर बढ़ाती है। स्वदेशी उत्पादन और सेवाओं का समर्थन करने से देश में निजी और सार्वजनिक क्षेत्र का विकास होता है, जिससे सार्वजनिक उत्पादन और सेवाओं की गुणवत्ता भी बढ़ती है। इसके अलावा, स्वदेशी सोच भ्रष्टाचार को कम करने में भी मदद कर सकती है, क्योंकि स्थानीय उत्पादन और सेवाओं को समर्थन करने से विभाजन और अन्य संगठनात्मक असंतोष कम होता है।

स्वदेशी हमारे राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम का मूल-मंत्र था, कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं। उन्नीसवीं सदी में दादा भाई नौरोजी की 'ड्रेन थ्योरी' हो या रमेशचंद्र दत्त की लिखी 'भारत का आर्थिक इतिहास' या सखाराम गणेश देउस्कर लिखित 'देशेर कथा' जैसी पुस्तकें हो, सभी के केंद्र में औपनिवेशिक शासन-तंत्र द्वारा देसी संसाधनों का दोहन व देशी धन-संपदा के विलायत में पलायन को रोकना मुख्य सरोकार थे। आधुनिक हिंदी साहित्य के जनक माने जाने वाले भारतेंदु हरिश्चंद्र ने अपने लेखन से स्वदेशी की अलख जगाई। 1905 का बंग-भंग विरोधी आंदोलन भी स्वदेशी की भावना से ओतप्रोत था जब बंगाल में विदेशी वस्तुओं की होली जलाई गई और उनके बहिष्कार पर बल दिया गया। इस स्वदेशी भाव को राष्ट्रीय स्तर पर बहुआयामी स्वरूप प्रदान किया महात्मा गांधी ने 1920 में असहयोग आंदोलन आरंभ करके। उन्होंने इसे न केवल विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार तथा उनके अग्निदाह तक सीमित रखा, बल्कि उद्योग-शिल्प, भाषा, शिक्षा, वेश-भूषा आदि सब पर स्वदेशी का रंग चस्पा कर दिया।

स्वदेशी ब्रांड्स के सामने अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के प्रति लोगों का विश्वास और विचारशीलता बढ़ाने हेतु स्वदेशी ब्रांड्स को अपने उत्पादों और सेवाओं की उच्च गुणवत्ता और प्रदर्शन को संदर्भित करना होगा। लोगों को स्वदेशी ब्रांड्स के उत्पादों के सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों को समझाना चाहिए। स्वदेशी ब्रांड्स को अपने ब्रांड इमेज और विश्वसनीयता को मजबूत करने के लिए प्रयास करना होगा।

स्वदेशी वस्तुओं के मोह को बढ़ाने हेतु लोगों को स्वदेशी उत्पादों के बारे में जागरूक करें, उनके गुणवत्ता, स्थानीय उत्पादन और पर्यावरणीय लाभों के बारे में बताएं। स्वदेशी उत्पादों का समर्थन करने के लिए लोगों को प्रेरित करें, विशेष रूप से स्थानीय व्यवसायों को समर्थन दें। स्वदेशी उत्पादों की अधिक उपलब्धता सुनिश्चित करें, यह ऑनलाइन या अधिक स्थानीय दुकानों में उपलब्ध हो सकता है। स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करने से देश की समृद्धि और आत्मनिर्भरता में योगदान के महत्व को समझाएं। स्वदेशी ब्रांड्स को बढ़ावा देने के लिए उनका ब्रांड इमेज और विश्वसनीयता को मजबूत करें। स्वदेशी उत्पादों के लिए स्थानीय बाजारों और दुकानों में यात्रा करें, और अपने समर्थन का एक विशेष रूप उन्हें दिखाएं। इन तरीकों का अनुसरण करके, स्वदेशी उत्पादों के मोह को बढ़ा सकते हैं और देश के स्थानीय अर्थव्यवस्था को समर्थन दे सकते हैं।

ग्रामीण हाट और हस्तशिल्प स्थानीय स्तर पर स्वदेशी उत्पादों के विकास और प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये उत्पादकों को सीधे बाजार तक पहुँचने का माध्यम प्रदान करते हैं और स्थानीय विकास को समर्थन देते हैं। ग्रामीण हाट और हस्तशिल्प स्थानीय कला, शिल्प, और संस्कृति को प्रमोट करते हैं, जिससे उनकी अर्थात्मकता बढ़ती है। ये हाट और हस्तशिल्प क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं, विशेष रूप से महिलाओं और गरीब वर्ग के लोगों के लिए। ये ग्रामीण हाट और हस्तशिल्प स्थानीय उत्पादकों के उत्पादों को बाजार में प्रसारित करने का माध्यम होते हैं। ये हाट और हस्तशिल्प स्थानीय शिल्पकला, बुनाई, और अन्य परंपरागत कलाओं को बचाव और संरक्षण का माध्यम भी बनाते हैं। स्थानीय समुदाय के आर्थिक विकास में सहायक होते हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों का उत्थान होता है।

इस प्रकार, ग्रामीण हाट और हस्तशिल्प स्थानीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और स्वदेशी उत्पादों के प्रसार और समर्थन में मदद करते हैं। स्वदेश सोच को केवल एक दिखावा मानना गलत हो सकता है। हालांकि, कुछ लोग इसे सिर्फ आधुनिक एवं कुछ अलग दिख सके इसका माध्यम मानते हैं, लेकिन असल में, स्वदेश सोच एक विचारशीलता और सामाजिक परिवर्तन की दिशा है। यह उत्पादन, वित्तीय स्वावलंबन, और स्थानीय समुदायों के विकास को समर्थन करता है। इसका उदाहरण उत्पादों की स्थानीय खरीदारी, स्थानीय उत्पादन को प्रोत्साहित करना, और विदेशी निवेशों के साथ समर्थन का एकीकरण हो सकता है। इसलिए, स्वदेश सोच वास्तव में सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन की अवधारणा है, जो समृद्धि और समाज की उन्नित की दिशा में मदद कर सकती है।

स्वदेशी सोच में खादी का महत्वपूर्ण योगदान है। खादी एक परंपरागत भारतीय वस्त्र है जो देश की स्वतंत्रता संठाम के समय महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खादी का उत्पादन देश के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार का स्त्रोत बनाता है और स्थानीय विकास को समर्थन करता है।

खादी के उत्पादन में श्रमिकों की संख्या बहुत बडी होती है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। यह उत्पादन भी परंपरागत और स्थानीय वस्त्रों का उत्पादन प्रोत्साहित करता है, जो स्थानीय बाजारों को समृद्ध करता है। इसके अलावा, खादी के उत्पादन में विदेशी निवेशों की कमी होती है, जिससे देश की आत्मनिर्भरता को मजबूती मिलती है। खादी उत्पादन और उपभोक्ता के बीच संबंध भी स्थापित करता है, जो राष्ट्रीय एकता और गर्व को बढ़ाता है। इस तरह, खादी स्वदेशी सोच के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक, और सांस्कृतिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान करती है।

स्वदेशी मानसिकता और आधुनिक फैशन का संगम आधुनिक जीवनशैली में एक महत्वपूर्ण दिशा है। आज के समय में, लोग अपने स्थानीय वस्त्र, शैली, और विरासत को महत्व देते हैं, जो स्वदेशी मानसिकता को प्रोत्साहित करता है। आधुनिक फैशन में स्थानीय अनुभूति, परंपरा, और कला को शामिल किया जाता है। यह लोगों को अपनी संस्कृति के प्रति गर्व महसूस कराता है और स्थानीय कलाओं को प्रोत्साहित करता है। स्वदेशी मानसिकता के साथ, लोग अपने स्थानीय उत्पादों को पसंद और समर्थन करने के लिए प्रेरित होते हैं, जिसमें स्थानीय वस्त्र, उपहार, और आभूषण शामिल हो सकते हैं। इस तरह, स्वदेशी मानसिकता और आधुनिक फैशन दोनों को ही एक मंत्र बना सकते हैं, जो स्थानीय समुदायों को समृद्धि और समाज में गर्व का अहसास कराते हैं।

–अविनाश जोशी,
स्वतन्त्र पत्रकार एवं लेखक

कोडमदेसर तालाब में कम पानी व गर्मी के कारण हजारों मछलियां मरी

अधिकारियों के निर्देश पर पंचायत ने मरी हुई मछलियों को जमींदोज करने का काम शुरू किया

बीकानेर, (निसं)। यहां कोडमदेसर तालाब में कम पानी व गर्मी के कारण हजारों मछलियां मर गई। मौके पर पहुंचे अधिकारियों के निर्देश पर ग्राम पंचायत ने मरी हुई मछलियों को जमींदोज करने का काम शुरू कर दिया है।

श्रीकोलायत उपखण्ड क्षेत्र के प्रसिद्ध भैरूनाथ मंदिर कोडमदेसर स्थित तालाब में पिछले दो दिनों से मछलियों के मरने का सिलसिला चल रहा है, जिससे तालाब की सतह पर मृत मछलियां नजर आ रही है। मरी मछलियों के कारण गांव में फैली बदबू से परेशान ग्रामीणों ने सरपंच प्रतिनिधि जेठाराम कुम्हार को मामले की जानकारी दी।

मौके पर पहुंचे कुम्हार ने मौका देख एसडीएम राजेंद्र कुमार को जानकारी दी। इसके बाद कोलायत विकास अधिकारी वीरपाल सिंह, सहायक विकास अधिकारी दिलीप सिंह बीका व भवानी सिंह मौके पर पहुंचे तथा मामले की जानकारी ली।

> ■ **कोलायत विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा मामले की जानकारी ली, वहीं मत्स्य विभाग के क्षेत्रीय विकास अधिकारी व उनकी टीम मौके पर पहुंची**

दोपहर को मत्स्य विभाग के क्षेत्रीय विकास अधिकारी पूर्णाराम प्रजापत व उनकी टीम मौके पर पहुंची। प्रजापत ने कहा कि कम पानी व गर्मी मछलियों के मरने का कारण है। उन्होंने मृत मछलियों को तालाब से बाहर निकलवाकर मिट्टी में गाढ़ने के निर्देश दिए।

साथ ही तालाब में चूना डालने की बात कही, जिससे पानी साफ हो सके। इस दौरान ग्राम विकास अधिकारी सुनील सुथार, कालूदास, शिवदास सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

सरपंच प्रतिनिधि कुम्हार ने बताया कि तालाब में हजारों की संख्या में मछलियां मरी हुई है। मछलियों को तालाब से बाहर निकालने के लिए दो से तीन दिन लग जाएंगे। इसके लिए पंचायत स्तर पर जेसीबी तथा मजदूरों से काम शुरू करवा दिया है। सरोवर से थोड़ी दूरी पर गड्ढा खोदकर मछलियां दफनाने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

गांव उवार की सड़क पिछले 10 साल से बदहाल हालत में

भरतपुर, (निसं)। गांव उवार की सड़क पिछले 10 साल से बदहाल हालत में है। इस और प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

राहुल उवार के नेतृत्व में गांव उवार में युवाओं के साथ खराब पड़ी सड़क को बनवाने के लिए सड़क पर विरोध किया। राहुल उवार ने कहा है कि मैंने काफी बार इस सड़क के लिए शासन-प्रशासन को ज्ञापन एवं विरोध दर्ज कराकर अवगत कराया है लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि अभी तक इस सड़क का बनने का नाम नहीं है। राहुल उवार ने कहा कि जिला प्रशासन ने होने वाली अग्निवीर भर्ती के लिए तैयारी करना शुरू कर दिया है। लेकिन बड़े दुर्भाग्य की बात है एक महिना भी पूरा नहीं है फिजिकल की तैयारी के लिए युवा इस टूटी-फूटी सड़क पर दौड़ते हैं तो युवा चोटिल होते हैं। राहुल उवार ने बताया कि अगर युवा

गांव उवार में युवाओं ने खराब पड़ी सड़क को बनवाने के लिए सड़क पर विरोध किया।

हाईवे की सड़क पर दौड़ने जाते हैं तो परेशान होते है। कई युवा रेस करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर चुके हैं। राहुल उवार ने कहा कि ग्रामीणों को भरतपुर जाने के लिए इस लिंक रोड से ही गुजरना होता है और आसपास के गांव के लोग भी भरतपुर के लिए इसी रोड से ज्यादातर निकलते हैं तो वह भी कई बार चोटिल हुए हैं और आए दिन एक्सीडेंट होते रहते हैं।

> ■ **कई बार इस सड़क के लिए शासन-प्रशासन को ज्ञापन दिया, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है**

राहुल उवार ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर यह सड़क जल्दी से जल्दी नहीं बनती है तो बड़े पैमाने पर शासन और प्रशासन का विरोध करेंगे और सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन दर्ज कराएंगे। राहुल उवार ने क्षेत्रीय विधायक से भी निवेदन किया है कि जल्द से जल्द इस रोड की ओर ध्यान दिया जाए। इस उवार पंचायत ने काफी अच्छी मतों से आपको जीत दिलाई है। इस मौके पर प्रमोद उवार, लोकेश, जीतु, कालू, भूपेंद्र, वेदवीर, द्र, कान्हा आदि मौजूद रहे।

राशिफल शुक्रवार 28 जून, 2024

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र दिन 10:11 तक, सौभाग्य योग रात्रि 9:38 तक, बव करण सांय 4:28 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-वृष, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग दिन 10:11 तक है। राजयोग दिन 10:11 से सांय 4:28 तक है। आज कालाष्टमी, पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर सूर्योदय से 7:22 तक, लाभ-अमृत 7:22 से 10:47 तक, शुभ 12:30 से 2:12 तक, चर 5:38 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:40, सूर्यास्त 7:20

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। आज स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखें।

वृष
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृश्चिक
परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अतिथियों के कारण दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

धनु
घर-परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी और स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। खान-पान का ध्यान रखें।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में धार्मि कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। आज मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

जिले के 2.20 लाख लाभार्थियों के बैंक खातों में बढ़ी हुई पेंशन राशि हस्तांतरित

बीकानेर, (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को झुंझुनूं में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के प्रदेशभर के 88 लाख से अधिक लाभार्थियों के बैंक खातों में बढ़ी हुई पेंशन राशि हस्तांतरित की।

शर्मा ने बड़ी सौगात देते हुए डीबीटी के माध्यम से 1037 करोड़ रूपए से अधिक राशि हस्तांतरित की। इस दौरान जिले के 2.20 लाख लाभार्थियों के बैंक खातों में 25.35 करोड़ रूपए प्राप्त हुए। इस दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत सहित अनेक विशिष्टजन मौजूद रहे।

जिला स्तरीय समारोह रविन्द्र रंगमंच पर हुआ। जहां जिलेभर के पांच सौ से अधिक लाभार्थी मौजूद थे। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जिले की लाभार्थी कौशल्या सुथार से संवाद किया। श्रीमती सुथार ने मुख्यमंत्री का आभार जताया और कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं से उनके परिवार को संबल मिला है। पेंशन की बढ़ी हुई राशि उनके लिए सहारा बनेगी। मुख्यमंत्री ने सुथार को शुभकामनाएं दी।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत, महापौर सुशीला कंवर राजपुरोहित, डॉ. सत्यप्रकाश आचार्य और विजय आचार्य ने अपने विचार व्यक्त किए और केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया। वक्ताओं ने बताया कि मुख्यमंत्री की संवेदनशील पहल से सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत 1 अप्रैल से एक हजार रूपए से बढ़ाकर 1150 रूपए प्रति पेंशनर प्रति माह बढ़ी हुई पेंशन राशि दी जायेगी।

इस दौरान कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहन लाल, उप महापौर राजेन्द्र पंवार, ओम सोनगरा, मोहन सुराणा, श्यामसुंदर चौधरी, नरेश नायक, अशोक प्रजापत, कमल आचार्य, हनुमान सिंह चावड़ा, विनोद कोरल, भारती अरोड़ा, देवी लाल मेघवाल, कुंभनाथ सिद्ध, हनुमान चावड़ा, चंद्र मोहन जोशी, अशोक प्रजापत, सीआर चौधरी, गोपाल कूकना, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक डॉ. अरविंद अचार्य, सुरेन्द्र कुमार सहित बड़ी संख्या में लाभार्थी, जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संजय पुरोहित ने किया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक एल.डी. पवार ने बताया कि जिले के 2 लाख 20 हजार 512 पेंशन धारकों को इसका लाभ मिलेगा। इसमें मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान पेंशन योजना के 33 हजार 766, मुख्यमंत्री वृद्धजन सम्मान पेंशन योजना के 1 लाख 37 हजार 561, मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन सम्मान पेंशन योजना के तहत 15 हजार 836, सामाजिक सुरक्षा लघु एवं सीमांत वृद्धजन कृषक सम्मान योजना के 848, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के 23 हजार 846, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के 7 हजार 945 और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय नि:शक्तजन पेंशन योजना के 710 लाभार्थी सम्मिलित हैं।

श्रीगंगानगर। पंचायत विकास सूचकांक में डेटा सत्यापन के लिये जिला स्तरीय एवं निगरानी समिति की बैठक गुरूवार को जिला कलेक्टर लोकबंधु की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। जिला कलेक्टर ने पंचायत विकास सूचकांक पोर्टल की विभागवार डाटा की समीक्षा करते हुए पोर्टल पर अपलोड किये गये डाटा की अपने स्तर पर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिये।

बैठक में जिला परिषद सीईओ मृदुल सिंह, सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला, सुमित्रा बिश्नोई, रामेश्वर लाल, सीडीईओ पन्नालाल कड़ेला, पीएचईडी एसई आशीष गुप्ता, मोहनलाल अरोड़ा, डॉ. नरेश गुप्ता, डॉ. सतीश कुमार शर्मा, हरबंश सिंह, मोहित कुमार, राजेन्द्र प्रसाद, राजेश कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बीकानेर में रविन्द्र रंगमंच में सामाजिक सुरक्षा पेंशन कार्यक्रम में भाग लेते शहरवासी।

- सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत 1 अप्रैल से एक हजार रूपए से बढ़ाकर 1150 रूपए प्रति पेंशनर प्रति माह बढ़ी हुई पेंशन राशि दी जायेगी
- केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में लाभार्थियों को जानकारी दी

तीन नये कानूनों पर संगोष्ठी आज

बीकानेर, (कासं)। तीन नए कानूनों- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के संबंध में शुक्रवार को दोपहर 3 बजे रविद्र रंगमंच में संगोष्ठी का आयोजन किया जायेगा।

जिला मजिस्ट्रेट नम्रता वृष्णि ने बताया कि संगोष्ठी के दौरान कानूनों के संबंध में न्यायिक, प्रशासनिक अधिकारियों, विश्वविद्यालय और महाविद्यालय के व्याख्याता, अधिवक्ता, बुद्धिजीवियों, लोक अभियोजकों और आमजन के साथ परिचर्चा की जायेगी। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (नगर) इस कार्यक्रम के प्रभारी अधिकारी होंगे तथा उप विधि परामर्शी कार्यक्रम के सहायक प्रभारी नियुक्त किए गए हैं।

सभी उपखंड क्षेत्रों में संबंधित उपखंड अधिकारी कार्यक्रम के प्रभारी होंगे। उन्होंने बताया कि सभी उपखंड अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में मास्टर ट्रेनर्स के साथ समन्वय स्थापित कर संगोष्ठी आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। इस संगोष्ठी में नवीन कानूनों के विधिक प्रावधानों के संबंध में जानकारी दी जायेगी। जिला मजिस्ट्रेट वृष्णि ने बताया कि जिला स्तर पर अभियोजन अधिकारी गजेंद्र सिंह और संजीव पुरोहित को मास्टर ट्रेनर नियुक्त किया गया है।

वहीं लूणकरनसर उपखंड के लिए अभियोजन अधिकारी दिलीप कुमार सहारण, खाजूवाला के लिए अनिल कुमार विश्नोई, श्रीडूंगरगढ़ के लिए सपन कुमार, नोखा के लिए विजय कुमार तेजस्वी, कोलायत के लिए सहायक अभियोजन अधिकारी प्रमोद कुमार थोरी तथा छतरगढ़ के लिए महेन्द्र कुमार को मास्टर ट्रेनर नियुक्त किया गया है।

सार-समाचार

'जीने की राह आसान बनाते हैं गुरू'

मासिक सत्संग श्रृंखला में स्वामी विमर्शानन्दगिरि महाराज ने प्रवचन दिए।

बीकानेर, (कासं)। जयनारायण व्यास नगर में स्थित श्रीसर्वसिद्धेश्वर महादेव मन्दिर के सत्संग हाल में मासिक सत्संग श्रृंखला में शिवबाड़ी के अधिष्ठाता स्वामी विमर्शानन्दगिरि महाराज ने प्रवचन दिया। सत्संग में उपस्थित साधकों से स्वामी विमर्शानन्दगिरि महाराज ने कहा कि ईश्वर ने हम सभी पर असीम अनुकम्पा की है जिसके कारण भारत की पावन धरती पर हमको जन्म लेने का अवसर प्रदान किया। यह भूमि ऋषि-मुनियों की तपोस्थली है, देवभूमि है। यहां गुरू-शिष्य परम्परा अनादिकाल से सतत् प्रवाहित हो रही है। हमारे जीवन में गीता, गुरू और गाय महत्वपूर्ण स्थान है। जहां एक ओर गीता में जीवन-जीने की कला के बारे में सूक्ष्मता से बताया गया है तो वहीं दूसरी ओर गुरू हमें मार्गदर्शन देते हैं। मन, मस्तिष्क पर पड़े अज्ञानता के आवरण को हटा कर जीवन-मार्ग में ज्ञान की रोशनी भर देते हैं ताकि हम सद्मार्ग पर चलते हुए सद्कर्म करते रहें। मन्दिर प्रन्यास के सचिव नलिन सारवाल में बताया कि इस अवसर पर हरनारायण खत्री, सुरेश मित्तल, नारायण सिंह खींची, दर्शनलाल, श्रीमती दया सारवाल, चोरुलाल, सतपाल, दिनेश मित्तल, नरेश गुरेजा, पवन मित्तल, इंजीनियर एम.के. गुप्ता सहित अनेक साधक उपस्थित थे।

कृषि व उद्यानिकी तकनीकी पर चर्चा

कृषि मासिक तकनीकी कार्यशाला को अतिरिक्त निदेशक (कृषि) विस्तार डॉ सुरेन्द्र सिंह शेखावत ने संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अनुसंधान केन्द्र में कृषि अनुसंधान विस्तार संवर्ग की तकनीकी कार्यशाला का आयोजन अतिरिक्त निदेशक (कृषि) विस्तार डॉ सुरेन्द्र सिंह शेखावत और विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ. एस. आर. यादव की अध्यक्षता में हुआ। मासिक तकनीकी कार्यशाला में खण्ड बीकानेर के कृषि, उद्यानिकी, आत्मा के वरिष्ठ अधिकारी व विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक व केवीके प्रभारियों ने भाग लिया। मासिक तकनीकी कार्यशाला में जून में की गई कृषि क्रियाओं की प्रगति पर समीक्षा और जुलाई में कृषकों द्वारा की जाने वाली कृषि व उद्यानिकी तकनीकी पर चर्चा की गई। मई-जून में हीटवेव से विभिन्न फसलों व फलों के उत्पादन व गुणवत्ता पर पड़ने वाले संभावित प्रभाव का विश्लेषण व व्यापक कार्ययोजना बनाकर अनुसंधान की आवश्यकता जताई गई। आगामी खरीफ सीजन के मध्यनजर विभिन्न फसलों की पैकेज ऑफ प्रेक्टिसेज पर चर्चा हुई। परिचर्चा में कृषि वैज्ञानिक डॉ. राजेन्द्र राठौड़, डॉ. एस. आर. मीणा, डॉ. एस. पी. सिंह, डॉ. हनुमान देशवाल, डॉ. बी. डी. एस. नाथावत, संयुक्त निदेशक कृषि कैलाश चौधरी, डॉ. दयाशंकर शर्मा, डॉ. जगदेव सिंह, उप निदेशक यशवन्ती, राजेश कुमार गोदारा, दीपक, कपिला, अमर सिंह, प्रेमाराम, राजूराम डोगीवाल, सुभाष बिशनोई, कुलदीप शर्मा, भैराराम गोदारा, प्रदीप चौधरी, कृषि अधिकारी मुकेश गहलोत, ओमप्रकाश तर्ड, जोधराज, ममता, महेन्द्र प्रताप, मेघराज, सोमेश तंवर आदि मौजूद थे।

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव 29 को

बीकानेर, (कासं)। मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव 29 जून को प्रदेश के सभी जिलों में मनाया जायेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में नवनियुक्त लगभग 20 हजार अभ्यर्थियों को संबोधित करेंगे। इस दौरान इन्हें वेलकम किट दी जायेगी। रोजगार विभाग के सहायक निदेशक हरगोबिंद मित्तल ने बताया कि जिले के 776 लाभार्थियों को दूरभाष, ई-मेल व एसएमएस के माध्यम से आमंत्रित किया गया है। मित्तल ने बताया कि जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम रविन्द्र रंगमंच पर आयोजित किया जायेगा। इसे वर्चुअल माध्यम से राज्य स्तरीय कार्यक्रम से जोड़ा जायेगा। कार्यक्रम में भाग लेने वाले युवाओं का कार्यक्रम स्थल पर पंजीकरण किया जायेगा। उन्होंने बताया कि जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की और युवाओं के बैठने, पेयजल, जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करने, कार्यक्रम स्थल पर वीडियो वॉल लगाने, प्रचार प्रसार, यातायात व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति, साफ-सफाई, मेडिकल टीम और कानून व्यवस्था सहित सभी कार्यों के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है। अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) दुलीचंद मीना कार्यक्रम के ओवरऑल प्रभारी होंगे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए समय पर तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

उमस भरी गर्मी के बाद बीकाणा में शाम को रिमझिम बारिश

बीकानेर, (कासं)। उमस व तपन वाली गर्मी को झेल रहे बीकाणा के लोगों को बीती रात को हुई बरसात के बाद थोड़ी राहत जरूर मिली हैं। किंतु कहते हैं कि थोड़ा है थोड़े की और जरूरत है तर्ज पर अभी भी लोगों की निगाहें आसमान पर टिकी है।

विशेषकर भूमिपुत्र टकटकी लगाये आसमान को निहार रहे है। हालांकि बीती रात को बीकानेर समेत ग्रामीण अंचल में कहीं रिमझिम तो कहीं ठीक-ठाक बरसात हुई है। जिसकी वजह से निचले हिस्सों में पानी भर गया।

मौसम पल-पल में अपने रंग बदल रहा है। बीते दिन पहले धूप व उमसभरी गर्मी और उसके बाद शाम होते-होते आंधी और उसके बाद रिमझिम बरसात ने बीकाणा को भिगो दिया। जिसकी वजह से वातावरण शीतल हो गया। हालांकि वातावरण में भी उमस बरकरार रही। किंतु बाहर हवा में नमी की वजह से ठंडी बनी रही। जिसकी वजह से लोगों को गर्मी से राहत मिली। गुरूवार को भी वातावरण में नमी की मात्रा 59 फीसदी रही। रह-रहकर आसमान में बादल आ जा रहे थे। जिसकी वजह से धूप-छांव का खेल चलता रहा।

मौसम विभाग के मुताबिक गुरूवार को अधिकतम तापमान 36 व न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रहा। जबकि 19 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चल रही है। मौसम विभाग व मौसम के विशेषज्ञों की माने तो हवा के रूख में परिवर्तन के साथ ही यदि मौसम के मिजाज इसी प्रकार के रहे तो आज फिर बीकाणा में बरसात होने की संभावना है।

उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों से लगातार गर्मी से तंग कर रहा मौसम में तीन रंग में नजर आया। दिन की शुरूआत ही बूंदाबांदी से हुई। दोपहर में उमस रही तो शाम को आंधी चलने से हल्की राहत मिली। गौरतलब है कि पिछले कई दिनों से हीटवेव चलने एवं तेज धूप निकलने से लोग गर्मी से उकता गए थे। बारिश के लोग ऊपर देख कर प्रार्थना तक करने लगे। प्रार्थनाओं का कितना असर पड़ा यह तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन बुधवार को मौसम ने एक ही दिन में तीन रंग जरूर दिखा दिए। बुधवार तड़के करीब साढ़े चार बजे छतों पर सो रहे लोगों को बूंदाबांदी ने नींद में से उठाया। आकाश में बादलों का जमघट लगा था।

- बीती रात को बीकानेर समेत ग्रामीण अंचल में कहीं रिमझिम तो कहीं ठीक-ठाक बरसात हुई

अंतरिम जमानत पर रिहा हार्डकोर अपराधी फरार

बीकानेर, (कासं)। हाई सिक्योरिटी जेल से अंतरिम जमानत पर रिहा हुआ हार्डकोर अपराधी मोडाराम सरेंडर करने के लिए वापस जेल नहीं पहुंचा। ऐसे में जेल प्रशासन ने उसको फरार घोषित करते हुए न्यायालय को अवगत कराया है।

जेल अधीक्षक पारस जांगिड़ के मुताबिक हाई सिक्योरिटी जेल में विचाराधीन बंदी मोडाराम पुत्र तेजाराम शरेरां पुलिस थाना नापासर का रहने वाला है। न्यायालय की ओर से उसको पत्नी के इलाज तथा ऑपरेशन करवाने के लिए 30 दिन की अंतरिम जमानत मई माह में दी गई थी। उसके बाद मोडाराम की प्रार्थना पर न्यायालय ने इस अवधि को 15 दिन और बढ़ा दिया था। अंतरिम जमानत की अवधि समाप्त होने के बावजूद आरोपी मोडाराम सरेंडर करने के लिए वापस जेल नहीं पहुंचा। जेल प्रशासन ने जेल मुख्यालय व न्यायालय को अवगत करा दिया है।

ई.सी.बी. में 600 सीटों पर मिलेगा प्रवेश

बीकानेर, (कासं)। बीटीयू में 480 और ईसीबी में 600 सीटों पर प्रवेश मिलेगा। एक तरफ जहां कॉलेजों में स्नातक प्रथम सेमस्टर के लिए प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। वहीं दूसरी तरफ इंजीनियरिंग कॉलेजों में भी बीटेक के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो जायेगी।

विद्यार्थियों को किसी भी तरह की समस्या न हो, इसको लेकर हेल्प डेस्क का भी गठन किया गया है। इंजीनियरिंग कॉलेज बीकानेर (ईसीबी) के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नवीन शर्मा ने बताया राज्य सरकार की ओर से इस वर्ष रीप-2024 (राजस्थान इंजीनियरिंग एडमिशन प्रोसेस) के जरिये प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी।

इसकी जानकारी रीप-2024 की वेबसाइट के साथ ही ईसीबी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध करवाई गई है। डॉ. शर्मा ने बताया कि 27 जून से प्रारंभ होने वाली इस प्रक्रिया में अभ्यर्थियों को 500 रूपए शुल्क के साथ ओटीपी आधारित आवेदन करना होगा। शुल्क जमा करवाने कि अंतिम तिथि 15 जुलाई रखी गई है। ऑनलाइन आवेदन जमा कराने की तथा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 17 जुलाई है। जेईई मेंस में न्यूनतम 20 परसेंटाइल प्राप्त अभ्यर्थियों को एडमिशन में प्रथम वरीयता मिलेगी। वहीं कक्षा 12 वीं के प्राप्त अंकों के आधार पर बची हुई सीटों पर एडमिशन होंगे।

- बी.टी.यू. में 480 सीटों पर प्रवेश मिलेगा
- ऑनलाइन आवेदन जमा कराने की तथा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 17 जुलाई है

पैर गंवाने से परेशान युवक ने फांसी लगाई

बीकानेर, (कासं)। कुछ अर्सा पहले एक हादसे में पैर गंवा देने से परेशान व तनावग्रस्त युवक ने फांसी लगाकर अपनी जान दी।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सत्तासर गांव की रोही स्थित खेत में 38 वर्षीय श्रवण सिंह पुत्र सुगन सिंह राजपूत ने फांसी का फंदा बनाकर उस झूल गया। बताया जा रहा है कि युवक ने एक दुर्घटना में अपना एक पैर गंवा दिया था। उसके बाद वह हमेशा तनाव में रहता था। इससे तंग व परेशान होकर बीती रात को युवक ने आखिरकार ऐसा कदम उठा लिया।

बाइक चोर पकड़ा : श्रीडूंगरगढ़ थाना पुलिस को एक बाइक चोरी के आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हाथ लगी है। पुलिस को आरोपी से कई और वारदातों के खुलने की संभावना है। दरअसल पिछले वर्ष कस्बे की गोपाल गौशाला के निकट से एक मोटरसाइकिल चोरी हुई थी।

इसी चोरी की वारदात की जांच करने पर पुलिस को बाइक चोरी के आरोपी धीरदेसर चोटियान निवासी हीरालाल नायक को गिरफ्तार करने में सफलता हाथ लगी है।

- कुछ अर्सा पहले एक हादसे में पैर गंवा देने से परेशान व तनावग्रस्त युवक ने फांसी लगाकर जान दी

दीवार गिरने से मजदूर की मौत

बीकानेर, (कासं)। शहर के सदर थाना क्षेत्र स्थित प्रतिष्ठित डेयरी संचालक मोदी डेयरी के निर्माणाधीन मकान की दीवार आज अचानक गिर गई। इस हादसे में एक मजदूर की दबने से मौत हो गई। जबकि पांच जने घायल हो गये है।

घायलों को पीबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जानकारी के अनुसार सादुलगंज स्थित मोदी डेयरी के पास ही संचालक का मकान बन रहा है। जिसमें अडंर ग्राउड में काम चल रहा था। जहां 6-7 मजदूर काम कर रहे थे तभी अचानक दीवार का एक हिस्सा गिर गया। हादसे में 6 मजदूर दब गये। इनमें आम्बासर निवासी छगनलाल मेघवाल की मौत हो गई और जेठाराम, पूनम, झुमरराम, मांगीलाल, जेठमल उदासर घायल हो गये। जिन्हें पीबीएम अस्पताल पहुंचाया गया।

सवा नौ करोड़ में तैयार होगा ई-बसों का डिपो, प्रस्ताव को मंजूरी

बीकानेर, (कासं)। शहर में नगरीय परिवहन सेवा के लिए ई-बसों का संचालन होगा। ई-बसों के डिपो निर्माण सहित इलेक्ट्रिकल कार्य के प्रस्ताव भेजे जा चुके हैं। नगर निगम की ओर से ई-बस डिपो के सिविल कार्य के लिए भेजे गए 9 करोड़ 26 लाख रूपए के प्रस्ताव को भारत सरकार की एनजीं इफिशियेंसी सर्विसेज लिमिटेड (सीईएसएल) की प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट (पीएमयू) की ओर से सैद्धांतिक मंजूदी दे दी गई है।

वहीं निगम की ओर से ई-बस डिपो में होने वाले इलेक्ट्रिकल कार्य के प्रस्ताव को भी भेजा जा चुका है, जिसकी सैद्धांतिक स्वीकृति मिलनी शेष है। शहर में 50 ई बसों के संचालन की स्वीकृति मिली हुई है। एमजीएसयू के सामने 3 एकड़ जमीन पर ई -बस डिपो का निर्माण होगा।

निगम अधिशासी अभियंता पवन बंसल के अनुसार पीएमयू को सिविल वर्क से संबंधित 9 करोड़ 26 लाख 10 हजार रूपए का प्रस्ताव भेजा गया। इसमें सर्वे, साइट क्लीयरेंस, बाउण्ड्री वॉल सुरक्षा व फेंसिंग, ई बस डिपो में बस पार्किंग, एडमिन एवं वर्कशॉप बिल्डिंग, पानी सप्लाई और ड्रेनेज कार्य, रेन वाटर हार्वेस्टिंग कार्य, फायर फाइटिंग और ट्यूबवैल, इयूएंट ट्रीटमेंट प्लांट सहित विभिन्न तरह के सिविल कार्य शामिल हैं।

ई-बस डिपो में बसों की वॉशिंग के पानी को ट्रीट कर उसको पुन: उपयोग लायक बनाने के लिए इलयूएंट ट्रीटमेंट प्लांट भी बनेगा। यह करीब 24 लाख रूपए की लागत से बनेगा। वहीं ई बस डिपो में बसों को चार्ज करने के लिए 10 चार्जर लगेंगे। 33 केवी का फीडर लगेगा। 10 डीसी चार्जर और 8 ट्रांसफार्मर लगेंगे।

ललित ओझा, संभागीय अधीक्षण अभियंता, नगर निगमे बीकानेर का कहना है कि ई-बस डिपो के निर्माण के लिए नगर निगम की ओर से सिविल कार्य के लिए 9 करोड़ 26 लाख रुपए के प्रस्ताव को पीएमयू को भेजा गया था। इस प्रस्ताव को सैद्धांतिक रूप से स्वीकृति मिल गई है। यह स्वीकृति सीईएसएल के पीएमयू की ओर से दी गई है।

राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अत्यंत समृद्ध : लखावत

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत ने गुरूवार को राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी का निरीक्षण कर विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली।

इस अवसर पर लखावत ने कहा कि राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति बहुत समृद्ध है। इसके उन्नयन-संरक्षण के लिये गंभीरता से समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बीकानेर का इतिहास अत्यंत गौरवपूर्ण है। बीकानेर में राव बीकाजी पेनोरमा का भव्य निर्माण किया जायेगा। इस पेनोरमा में बीकानेर के इतिहास, संस्कृति, साहित्य आदि की तथ्यात्मक व प्रासंगिक जानकारी आमजन को उपलब्ध हो सके। इसके लिये साहित्यकार, पत्रकार, इतिहासकार अपने सुझाव देवें।

यह सुनिश्चित किया जायेगा कि इस संबंध में कोई भी महत्वपूर्ण जानकारी शेष ना रहे। लखावत ने महाकवि पृथ्वीराज राठौड़, अमरसिंह राठौड़ के व्यक्तित्व-कृतित्व पर शोध कार्य की आवश्यकता भी जताई। अकादमी सचिव शरद केवलिया ने अकादमी पुस्तकालय-वाचनालय, अकादमी पत्रिका जागती जोत व अन्य साहित्यिक गतिविधियों की जानकारी दी।

इस अवसर पर पृथ्वीराज रतनू, राजेन्द्र जोशी, कमल रंगा, सुधा आचार्य, राजाराम स्वर्णकार, डॉ. गौरीशंकर प्रजापत, डॉ. नमामी शंकर आचार्य, डॉ. नरसिंह बिनाणी, डॉ. नितिन गोयल, जुगल किशोर पुरोहित, कुलदीप देवल, केशव जोशी, श्रीनिवास थानवी, कानसिंह, मनोज मोदी, राम अवतार तिवाड़ी उपस्थित थे। इस दौरान शरद केवलिया व सुधा आचार्य ने अपनी पुस्तकें लखावत को भेंट की। इससे पूर्व लखावत ने राजस्थान राज्य अभिलेखागार व राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान का भी अवलोकन किया।

फोटो-तीन-ए-राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत ने राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी का निरीक्षण किया।

- बीकानेर में राव बीकाजी पेनोरमा का भव्य निर्माण किया जायेगा

बिजली चोरी व छीजत पर कंपनी की लगाम नहीं : सुथार

बीकानेर, (कासं)। बिजली चोरी और छीजत का ग्राफ लगातार बढ़ने से बिजली कंपनियां घाटे के कगार पर पहुंच गई है। उपभोक्ताओं के साथ हो रहे दोहरे व्यवहार के चलते भी सरकार भी कठघरे में है। इस मामले को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता चौरूलाल सुथार ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को पत्र प्रेषित किया है।

सुथार ने अवगत कराया कि अभी हाल ही में विद्युत उपभोक्ताओं से 54 पैसे प्रति यूनिट फ्यूल सरचार्ज के मद में बढ़ोतरी की जाकर बिजली की भयंकर कमी और महंगी दरों की मार झेल रहे प्रदेश के करीब 60 लाख बिजली उपभोक्तओं पर अब 181.5 करोड़ का अतिरिक्त भार डालने की तैयारी की जा रही है। यह राशि गत महीनों में लगाये गए फ्यूल सरचार्ज से अतिरिक्त होंगी जो 'स्पेशल फ्यूल सरचार्ज' मद में लगाई जाकर वसूली जायेगी। यह बिजली उत्पादन कंपनी अडानी पावर पर कोल इंडिया की ओर से लगे इवेक्यूएएसन फेसिलिटी चार्ज का नतीजा है। जो राजस्थान का बिजली उपभोक्ता भुगतेगा।

सुथार ने कहा कि प्रदेश की बिजली कंपनियां विभागीय कुप्रबंधन व भ्रष्टाचार का अड्डा बन गई हैं। ये बिजली कंपनियां बिजली चोरी व छीजत रोकने में बिल्कुल ही असफल रही है। प्रदेश की जितनी प्राइवेट कंपनियां है उनको प्रदेश में बना बनाया नेटवर्क मिल गया है तथा कंपनियां बनने से प्रदेश में रोजगार नाम की कोई जगह नहीं रही।

सुथार ने अवगत कराया कि पहले से ही विद्युत के बिल भारी दरों से जारी किए जा रहे है जिनमें विद्युत खर्च, फिक्सड/डिमांड चार्ज, फ्यूल सरचार्ज, एलेक्टरीसिटी ड्यूटी, अरबन सेस के मदों में भारी भरकम चार्ज वसूला जा रहा है। अब ऊपर से 54 पैसे फ्यूल सरचार्ज व इसके अतिरिक्त फ्यूल सरचार्ज वसूलने की तैयारी की जा रही है जो एक तरह से कोढ़ में खाज साबित होगा। पहले से ही महंगी बिजली की मार झेल रहा मध्यम वर्ग, किसान वर्ग व बी.पी.एल. वर्ग और अधिक मार झेलने के लिए मजबूर किये जा रहे है, जो न्याय संगत नहीं है।

- इस मामले को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता चौरूलाल सुथार ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा

राजसमंद में ढाई इंच से ज्यादा बरसात होने से सड़कें जलमग्न हुई

लगातार एक घंटे हुई तेज मूसलाधार बारिश से मौसम में ठंडक घुल गई

राजसमंद, (निसं)। जिले में मानसून ने दस्तक दे दी है, जहां एक दिन पहले बुधवार को लोग तेज गर्मी व उमस से परेशान थे। वहीं बुधवार रात और गुरूवार को हुई बारिश ने लोगों को राहत दे दी। जिलेभर में गुरूवार को अलसुबह से ही आसमान में हल्के बादलों के बीच धूप की आवाजाही का दौर जारी रहा। जिससे लोग तेज उमस व गर्मी से परेशान रहे। वहीं दोपहर के बाद अचानक मौसम में परिवर्तन होने के कारण तेज हवाओं के साथ तेज मेघ गर्जन होना शुरू हो गया जिसके बाद तेज मूसलाधार बारीश हुई। लगातार एक घंटे हुई तेज मूसलाधार बारीश से मौसम में ठंडक घुल गई और मौसम सुहाना हो गया।

जिला मुख्यालय के उपनगर धोइंदा में घर पर लगे सोलर पैनल पर आकाशीय बिजली गिर गई।

गुरूवार को दिन के तापमान में 4 डिग्री बढ़ोतरी होने से लोगों को तेज गर्मी व भारी उमस सताने लगी लेकिन दोपहर के बाद हुई मूसलाधार बारिश ने राहत दे दी। तेज बारिश के कारण आसपास क्षेत्र के खेतों में पानी भरा गया। वहीं शहर की सड़कें भी जलमग्न हो गई और नालियों के भरने से किचड़ सड़कों पर फैल गया जिसने नगर परिषद की स्वच्छता की पोल खोल कर रख दी। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अधिकतम तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी के साथ 34 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जबकि न्यूनतम तापमान में 3 डिग्री की कमी के साथ 20 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। साथ ही 38 एमएम बारिश दर्ज की गई।

घर पर लगे सोलर पैनल पर गिरी बिजली :- जिला मुख्यालय के उपनगर धोइंदा स्थित एडवोकेट नरेंद्र पालीवाल के घर पर लगे सोलर पैनल पर दोपहर 2 से 3 बजे के करीब तेज गर्जना के साथ बिजली कड़की और जोर से घर पर आकाशीय बिजली गिर गई। जिससे घर में लाखों का नुकसान हो गया। तेज बिजली गिरने के कारण घर के घरेलू उपकरण टीवी, फ्रिज, पंखे, एसी आदि अन्य उपकरण जल गए।

ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी व स. कर्मचारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी भरतपुर इकाई द्वारा कार्रवाई करते हुये डॉ. कृष्णदत्त शर्मा खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं राकेश कुमार सैनी सहायक कर्मचारी कार्यालय खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी कामां, जिला डीग को परिवादी से 25 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

- **परिवादी के नर्सिंग होम में कमी निकाल कर उसे सील करने एवं उसके विरूद्ध थाने में मुकदमा दर्ज कराने की धमकी दी**
- **परिवादी से एक लाख रुपये की रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा था, 25 हजार रुपये रिश्वत ली**

एसीबी ने डॉ. कृष्णदत्त शर्मा खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं राकेश कुमार सैनी सहायक कर्मचारी को गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी की भरतपुर इकाई को एसीबी हैल्पलाईन के माध्यम से परिवादी द्वारा एक शिकायत इस आशय की दी गई कि उसके नर्सिंग होम में कमी निकाल कर उसे सील करने एवं उसके विरूद्ध थाने में मुकदमा दर्ज कराने की धमकी देकर आरोपी डॉ. कृष्णदत्त शर्मा खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कामां, जिला डीग एवं अन्य द्वारा एक लाख रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है।

जिस पर एसीबी जयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस कालूराम रावत के सुपरवीजन में एसीबी भरतपुर इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित सिंह के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर उनके द्वारा मय टीम के ट्रेप कार्रवाई करते हुए आरोपी डॉ. कृष्णदत्त शर्मा खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कामां, जिला डीग एवं राकेश कुमार सैनी सहायक कर्मचारी कार्यालय खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कामां, जिला डीग को परिवादी से 25 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि आरोपियों द्वारा शिकायत से पूर्व 45 हजार रुपये एवं शिकायत के सत्यापन के दौरान भी 10 हजार रुपये रिश्वत के रूप में परिवादी से वसूल कर लिये थे।

जोधपुर में मानसून ने दस्तक दी, नाले में डूबने से युवक की मौत

युवक को नाले से निकाल हॉस्पिटल में भर्ती करवाया, डॉक्टर ने मृत घोषित किया

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में पहली बरसात में ही नालों की पोल खुल गई है। शहर में गुरुवार शाम हुई बरसात के दौरान एक युवक नाले में डूब गया। उसे नाले से निकालकर मथुरादास माथुर हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामला शहर के एयरपोर्ट रोड पर खुला नाले का है। युवक के डूबने की सूचना पर एयरपोर्ट थाना पुलिस एसीपी ईस्ट विरेंद्र सिंह पहुंचे। वहीं कलेक्टर गौरव अग्रवाल व नगर निगम दक्षिण आयुक्त भी अस्पताल पहुंची।

एयरपोर्ट थाना अधिकारी हनुमान सिंह ने बताया कि युवक 22 वर्षीय छगाराम पुत्र नरपत राम सुवालिया शेरगढ़ का रहने वाला है। वह एयरपोर्ट रोड पर किराए के मकान में रहता था। बीए सैकेंड ईयर का स्टूडेंड था और यहां प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहा था। जानकारी के अनुसार जोधपुर में गुरुवार शाम होते होते मानसून ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। हवा के साथ पूर्व-दक्षिण से आए काले बादल तेजी से बरसना शुरू हो चुके हैं। ऐसे में जोधपुर के भीतरी शहर की गलियों में बरसाती पानी का तेज बहाव शुरू हो गया है। शहर के चांदपोल, नोचौकिया आसोप की पोल, कटला बाजार में पानी का बहाव काफी तेज हो गया। इधर, तेज बारिश के चलते शास्त्री नगर थाने से पहले हनवंत स्कूल के सामने नाले की दीवार टूट गई। हालांकि शहर के बाहरी क्षेत्रों में मामूली बूंदाबांदी होकर रह गई।

गुरुवार दोपहर तक जिले का मौसम पूरी तरह से साफ था और तेज धूप पड़ रही थी। दोपहर बाद हल्की हवा के साथ बादलों ने अपना डेरा डालना शुरू कर दिया और बारिश होने लगी, जिससे तापमान में गिरावट महसूस की गई है। जिले में दोपहर का पारा 38 डिग्री महसूस किया। मौसम विभाग की माने तो धीरे-धीरे जिले में बादल और भी गहरे छाएंगे। इसका असर तापमान पर साफ नजर आएगा। रात का तापमान 31 डिग्री रहने वाला है। इससे लोगों को गर्मी से काफी हद तक राहत मिलेगी। जोधपुर में मानसून की बारिश के लिए दो से तीन दिन का इंतजार करना पड़ेगा। इसके बाद जिले में राहत की बूंदें बरसेगी।

उदयपुर के बागोलिया दो इंच बरसात हुई

उदयपुर, (कासं)। लेकसिटी में गुरूवार सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। इससे पहले बुधवार देर रात शहर सहित आसपास के क्षेत्र में जमकर मेघ बरसे।

रात को करीब एक घंटे तक हुई तेज बारिश के साथ हवाएं भी चली। देर रात बारिश के दौरान वाहन चालकों को गंतव्य तक पहुंचने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि देर रात हुई बारिश के बाद रात भर ठंडक रही, लेकिन गुरूवार सुबह फिर से आसमान में बादल छाने से भारी उमस हो गई। सिंचाई विभाग के अनुसार बागोलिया बांध में 52 मिलीमीटर बारिश, गोगुंदा में 18, केजड़ में 25, मादड़ी में 17, नाई में 21, स्वरूपसागर में 13, सेमारी में 40, उदयपुर शहर में 10 तथा उदयसागर में 14 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

उदयपुर शहर और आसपास के क्षेत्र में तेज गर्जन के साथ हुई बारिश के बाद कई जगहों पर बिजली गुल हो गई। बिजली के नहीं होने से लोग परेशान दिखाई दिए। एक तरफ बिजली कटौती ओर दूसरी तरफ बढ़ती उमस ने लोगों को परेशान कर दिया। शहर में कुछ इलाके ऐसे भी थी जहां पर बिजली गुल होने के बाद पानी भर गया। इससे कुछ लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बुधवार देर हुई रात तेज बारिश के बाद ग्रामीण इलाकों में खेतों में फसल की बुवाई का कार्य शुरू हो गया हैं।

- **उदयपुर शहर और आसपास क्षेत्र में तेज गर्जन के साथ हुई बारिश से बिजली गुल हुई**
- **बुधवार देर रात हुई तेज बारिश के बाद ग्रामीण इलाकों में खेतों में फसल बुवाई का कार्य शुरू**

फालना में आरपीएफ के तीन अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

पकड़े गये निरीक्षक, उप निरीक्षक और सहायक निरीक्षक के घर की तलाशी ली

पाली, (नि.सं.)। एसीबी मुख्यालय के निर्देशन पर पाली आदित्य इकाई द्वारा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की पाली की टीम ने बुधवार दैर रात को फालना में आरपीएफ के तीन अधिकारियों निरीक्षक, उप निरीक्षक और सहायक निरीक्षक को 65 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा। एसीबी की कार्रवाई देर रात तक चलती रही। साथ ही पकड़े गए तीन तीनों आरोपियों के घरों पर रात करीब तीन बजे तक सर्च ऑपरेशन स्थानीय पुलिस के सहयोग से चलाया गया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि एसीबी की पाली आदित्य इकाई को पारिवारिक द्वारा शिकायत दी गई कि आरपीएफ थाना फालना में दर्ज ऑनलाइन टिकट मामले में उसकी दुकान से ले गए लैपटॉप को अन्य दस्तावेज वापस करने एवं जांच में मदद करने की एवज में आरोपी कृपाल सिंह निरीक्षक, डिंपल बैरवा उप निरीक्षक, रमेश कुमार सहायक उप निरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल आरपीएफ फालना द्वारा दो लाख रुपए की रिश्वत की मांग की जा रही है एवं बार-बार परेशान किया जा रहा है। एसीबी जोधपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस हरेन्द्र महावर के सुपरविजन में एसीबी पाली द्वितीय इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक खींवसिंह के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया। कृपालसिंह निरीक्षक, डिम्पल उपनिरीक्षक एवं रमेश कुमार सहायक उपनिरीक्षक को परिवादी से 65 हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। जब एसीबी ने शिकायत का सत्यापन करवाया था तब आरोपी रमेश कुमार द्वारा परिवादी से 35 हजार रुपए रिश्वत के रूप में वसूल कर लिए थे।

Rajasthan State Beverages Corporation Limited
(A Government of Rajasthan Undertaking)
5th Floor, CoERRA Bhawan, Near Aranya Bhawan, Jaipur Pin-302004
(Ph. 0141-2744231, Fax – 0141-2744237, Email - ed.rsbcl@rajasthan.gov.in, CIN-U15511RJ2005SGC020336)

NIB No. 04/2024-25/2693 Dated : 24/ 06 / 2024

NOTICE INVITING e-BIDs

e-Bids for **Selection of Franchisee of RSBCL for Setting up and Operations of BIO Wholesale Vends in Rajasthan** are invited from interested bidders upto 6.00 pm on 18-07-2024. Other particulars of the bid may be downloaded from the procurement portal https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in of the state and https://excise.rajasthan.gov.in.

UBN No.- BCL2425SLOB00004

Raj.Samwad/C/24/1340 Executive Director

राज्य पशु ऊंट की तस्करी मामले में एक गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। लोहावट पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान सरहद देणोक में राज्य पशु ऊंटों की तस्करी के लिए चोरी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पुलिस ने 10 ऊंट बरामद कर एक ट्रक व हाइड्रो को जब्त किया।

फलोदी पुलिस अधीक्षक पूजा अवाना ने बताया कि जिले के थानाधिकारियों को वांछित एवं फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने के विशेष निर्देश दिए हुए हैं। इसमें एएसपी विक्रमसिंह भाटी, वृत्ताधिकारी शंकरलाल छाबा के निर्देशन में लोहावट थानाधिकारी शिवराज सिंह भाटी के नेतृत्व में टीम ने रात्रि गश्त के दौरान सूचनानुसार कार्रवाई करते हुए सरहद देणोक में ऊंटों की तस्करी के लिए चोरी करने के आरोप में एक आरोपी सारणपुर पुलिस थाना कुतुबसेर जिला सारणपुर उत्तरप्रदेश निवासी दिलसाद पुत्र वाजिद खां को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से तस्करी के लिए चुराए गए 10 ऊंट बरामद किए गए तथा चोरी व तस्करी में प्रयुक्त एक ट्रक व हाइड्रो जब्त किया।

सूरसागर उपद्रव मामला : प्रभारी मंत्री मदन दिलावर ने दौरा किया

जोधपुर, (कासं)। प्रदेश के शिक्षा मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री मदन दिलावर अपने जोधपुर प्रवास के दौरान सूरसागर क्षेत्र में पहुंचे तथा पिछले दिनों हुए तनाव के मामले में फीडबैक लिया। उन्होंने पुलिस प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई का फीडबैक लेने के साथ ही भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से जानकारी ली।

सूरसागर विधायक देवेन्द्र जोशी के अलावा भाजपा के कार्यकर्ताओं से मदन दिलावर ने फीडबैक लिया। बार-बार क्षेत्र में शांतिभंग होने को लेकर फीडबैक भी लिया। दिलावर ने शांतिभंग होने के कारणों के बारे में चर्चा करने के साथ ही पुलिस प्रशासन के अधिकारियों से भी चर्चा की। मदन दिलावर इस दौरान इस हादसे में घायल हुई महिला के निवास पर भी पहुंचे। हादसे में एक महिला की आंख में चोट लग गई थी जिसके निवास पर पहुंचकर मदन दिलावर ने परिवारजनों से मुलाकात की।

दिलावर ने कहा कि परिवारजनों से मुलाकात की जिसमें महिला की आंख को ज्यादा नुकसान हुआ है, जो भी अपराधी होगा उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। साथ ही उन्होंने इस क्षेत्र में अतिक्रमण करने वालो पर भी शिकंजा कसने की बात कही।

- **जो भी अपराधी होगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी : मदन दिलावर**
- **पुलिस प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई का फीडबैक लेने सहित भाजपा नेताओं से जानकारी ली**

कार्यालय अधिशाषी अभियंता
सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड-बाली (राज.)
निविदा सूचना संख्या-02 वर्ष 2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से विभिन्न कार्यो के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर सांर विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार केा एए, ए, श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेंडरिंग प्रक्रिया द्वारा ओनलाईन निविदायें प्राप्त करने हेतु आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित वेबसाइटट www.dipr.rajasthan.gov.in व https://sppp.rajasthan.gov.in व https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता हैं। अन्य विभागों में पंजीकृत केवल 'ए' एवं 'एए' श्रेणी संवेदक ही निविदा में भाग लेने के पात्र होंगे।

निविदा के NIB Code हैं- PWD2425A0357

निविदा के हैं-

UBN NO.- 1. UBN NO.-PWD2425WSOB01326, 2. PWD2425WSOB01327, 3. PWD2425WSOB01328, 4. PWD2425WSOB01329, 5. PWD2425WSOB01330, 6. PWD2425WSOB01331, 7. PWD2425WSOB01332

(फतेहसिंह)
अधिशाषी अभियंता,
DIPR/C/4947/2024 सा.नि.वि. खण्ड-बाली

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड छबड़ा
क्रमांक-289 दिनांक - 21.06.2024
निविदा सूचना संख्या 01/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों 'एए', ''ए'', ''बी'' एवं ''सी'' श्रेणी एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर सांर विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के ''एए'' ''ए' श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp व http://www.pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in एव http://sppp.raj.nic.in परं देखा जा सकता है।

NIB Code- PWD24250358

UBN NO.- 1. PWD2425WSRC01333, 2. PWD2425WSRC01334, 3. PWD2425WSRC01335, 4. PWD2425WSRC01336

(नरेन्द्र सिंह)
अधिशाषी अभियन्ता
DIPR/C/4943/2024 सा.नि.वि. खण्ड छबडा

पूरक परीक्षा, मुख्य परीक्षा व आवेदन की तिथियां घोषित

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने पूरक परीक्षा 2024, मुख्य परीक्षा 2025 एवं इनके लिए आवेदनों की तिथियां घोषित कर दी हैं। बोर्ड की सप्लीमेंट्री परीक्षा के प्रेक्टिकल 25 जुलाई एवं सैद्धांतिक परीक्षा एक अगस्त से शुरू होगी।

इसी तरह बोर्ड मुख्य परीक्षा 2025 के तहत सीनियर सैकण्डरी की परीक्षा 20 फरवरी एवं सैकण्डरी परीक्षा 27 फरवरी से आयोजित करेगा। इनके आवेदन की तिथियां भी निर्धारित कर दी गई हैं। बोर्ड सचिव कैलाश चन्द्र शर्मा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रशासक महेश चन्द्र शर्मा के निर्देशानुसार परीक्षा तिथियां निर्धारित की गई हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 की पूरक परीक्षा (प्रायोगिक) 25 जुलाई से एवं पूरक परीक्षा (सैद्धान्तिक) एक अगस्त से प्रारम्भ होगी।

पूरक परीक्षार्थ आवेदन करने की अंतिम तिथि ऑनलाइन पूरक परीक्षा शुल्क के लिए सामान्य परीक्षा शुल्क एक से 10 जुलाई तक एवं एक अतिरिक्त परीक्षा शुल्क सहित 11 से 18 जुलाई तक होगी। असाधारण परीक्षा शुल्क 1500 रूपये शास्ति, नियमित परीक्षार्थी शुल्क 600 रूपये कुल 2100 रूपये तथा स्वयंपाठी परीक्षार्थी शुल्क 650 रूपये, एक परीक्षा शुल्क सहित कुल 2150 रूपये है। परीक्षा प्रारम्भ होने तक शुल्क केवल परीक्षा केन्द्र पर डीडी से जमा होगा।

साक्षात्कार के लिए सफल अभ्यर्थियों की सूची जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा मिलिट्री साइंस तथा म्यूजिक (वॉयलन) विषय की परीक्षा के फलस्वरूप साक्षात्कार के लिए सफल अभ्यर्थियों की सूची जारी की गई है। इसमें म्यूजिक (वॉयलन) के 2 पदों के विरुद्ध 6 अभ्यर्थियों एवं मिलिट्री साइंस के 1 पद के विरुद्ध 3 अभ्यर्थियों को सम्मिलित किया गया है। इन विषयों की परीक्षा का आयोजन सहायक आचार्य, पुस्तकालयाध्यक्ष एवं शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक (कॉलेज शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2023 के अंतर्गत 31 मार्च 2024 को किया गया था। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त परीक्षान्तर्गत तृतीय प्रश्न-पत्र (जनरल स्टडीज ऑफ राजस्थान) की परीक्षा का आयोजन 7 जनवरी 2024 को किया गया था।

दो ट्रकों की भिड़ंत के बाद आग लगी

बीकानेर, (निसं)। भारतमाला सड़क पर गुरुवार को दो ट्रकों की भिड़ंत हो गई। बताया जा रहा है कि भिड़ंत के बाद एक ट्रक में आग लग गई, जिससे केबिन में फंसा एक चालक जिंदा जल गया। जबकि हादसे में तीन जने झुलस गए। इन तीनों को पुलिस ने पीबीएम अस्पताल पहुंचाया जहां इनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि जामनगर-अमृतसर हाइवे पर जैतसर के निकट एक ट्रक में तकनीकी खराबी आ गई थी। जिसको ट्रक का चालक व अन्य दुरुस्त करने की कोशिश में जुटे हुए थे। इसी दौरान पीछे से आए ट्रक ने वहां खड़े ट्रक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद दोनों ट्रकों में आग लग गई। हादसे में एक ट्रक का चालक अन्दर फंस गया जिसकी वजह से वह जिंदा जल गया। इस हादसे में मौके पर मौजूद तीन अन्य लोग भी झुलस गए।

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग
प्रथम, स्वास्थ्य भवन, भीनमाल रोड, जालौर
क्रमांक- अ.अ./चि एवं स्वा./2024-25/564-575 दिनांक-24.06.2024
ई-निविदा सूचना संख्या 02/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खण्ड के अन्तर्गत विभिन्न चिकित्सालयों पर रू. 613.00 लाख के 11 सिविल कार्यो हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनो/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्माण कार्य हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से संबंधित विवरण डीआईपीआर की वेबसाईट www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वैबसाईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है। NIB NO. NRH2425A0173

1. NRH2425WSOB00320, 2. NRH2425WSOB00321, 3. NRH2425WSOB00322, 4. NRH2425WSOB00323, 5. NRH2425WSOB00324, 6. NRH2425WSOB00325, 7. NRH2425WSOB00326, 8. NRH2425WSOB00327, 9. NRH2425WSOB00328, 10. NRH2425WSOB00329, 11. NRH2425WSOB00330

(रणवीर सिंह कछवाहा)
अधिशाषी अभियंता
DIPR/C/4994/2024 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, जालोर

विद्युत करंट से एक ही परिवार के छह बच्चे झुलसे

इलाज के दौरान एक बच्ची की मौत, गंभीर हालत में दो मासूम जयपुर रैफर

करौली, (निसं)। सपोटरा उपखंड के बूकना गांव में गुरूवार प्रात: हाईटेंशन लाइन के कारण हुए हादसे में एक ही परिवार के छह बच्चे बुरी तरह झुलस गए। इलाज के दौरान एक बच्ची की मौत हो गई। गंभीर हालत में दो मासूमों को जयपुर रैफर किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बूकना गांव में एक हाईटेंशन लाइन टूटकर नजदीक के ट्रांसफार्मर पर गिर गई। इस कारण समीप ही एक घर में हाई वोल्टेज के कारण करंट फैल गया, जहां जमीन पर सो रही पांच लड़की और दो लड़के करंट की चपेट में आ गए। इस दौरान मौके पर चीख पुकार मच गई और मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। परिजन झुलसे बच्चों को सपोटरा के अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां इलाज के दौरान एक बच्ची प्रिया महावर (16) पुत्री जितेंद्र महावर की मौत हो गई। वहीं संध्या (7), सोनम (12) अन्नू (7), आयुष (6) वर्ष गंभीर रूप से झुलस गये जिन्हें गंभीर अवस्था में करौली अस्पताल रैफर कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद विद्युत विभाग व उपखंड प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

घायल बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया।

वहीं करौली दौरे पर आये जिला प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेडम, जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना, सपोटरा विधायक हंसराज मीना, भाजपा जिला अध्यक्ष बृजलाल डिकोलिया आदि के साथ पीड़ित परिवार के घर पहुंचे जहां उन्हें ढांडस बंधाते हुए सांत्वना दी।

- **हाईटेंशन लाइन टूटकर नजदीक के ट्रांसफार्मर पर गिर गई थी**
- **इस कारण समीप ही एक घर में हाई वोल्टेज के कारण करंट फैल गया**

राजस्थान सरकार
कार्यालय निदेशक, पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, राजस्थान, जयपुर
(दूरभाष नं. 0141-2820360 email-dirarchraj@gmail.com
क्रमांक- फु.सं./स्मा./तक./मावठा दक्षिण पार्किंग/2024/8487 दिनांक-24.06.2024
ई-बिड सूचना

मावठा दक्षिण आमेर महल परिसर, आमेर में पार्किंग स्थल के लिए दो वर्ष हेतु पार्किंग ठेका कार्य हेतु अनुभवी फर्मो से ऑनलाईन बिड दो अलग-अलग प्रस्तावों में (तकनीकी एवं वित्तीय प्रस्ताव के रूप में) आमंत्रित की जाती है।

पार्किंग स्थल	बिड लागत (राशि रूपये)	बिड फीस (राशि रूपये)	बिड प्रतिभूति राशि (राशि रूपये)	बिड प्रोसेसिंग फीस (राशि रूपये)	बिड प्रपत्र डाउनलोड/ अपलोड करने की अवधि	तकनीकी बिड ऑनलाईन खोलने की दिनांक
मावठा दक्षिण, आमेर महल, आमेर	1,05,00,000	2,000	2,10,000	2,000	दिनांक 03.07.2024 प्रात 10 बजे से दिनांक 22.07.2024 को सांय 5.00 बजे तक	23.07.2024 प्रात 11.00 बजे

Bid UBN No. (1) AMD2425SLOB00010
Detailed bid document can be viewed or/and download from websites http://museumsrajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in
DIPR/C/4963/2024 Director

होटल ''ताज आमेर'' पर बुलडोजर चलाने की तैयारी में जे.डी.ए. और वन विभाग?

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर-दिल्ली बाइपास पर चिमनपुरा गांव में बने होटल ''ताज आमेर'' की बिल्डिंग पर जल्द ही बुलडोजर चलाने की तैयारी है। होटल के खिलाफ वन विभाग और जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की ओर से बड़ी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

सूत्रों की माने तो गत 22 फरवरी 2024 को राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति की 78वीं बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में जयपुर-दिल्ली बाइपास पर इको सेंसेटिव जोन में बने कान्हा होटल एंड स्पा प्राइवेट लिमिटेड (होटल ताज आमेर) को इको सेंसेटिव जोन में माना गया। बैठक में बिल्डिंग निर्माण को ध्वस्त कर हटाने का फैसला किया गया है। इसके बाद 18 जून को इको सेंसेटिव जोन मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक हुई। बैठक में निर्णय की पालना को लेकर जेडीए को कार्रवाई के लिए कहा गया।

- **बताया जा रहा है कि 22 फरवरी 2024 को आयोजित राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति की 78वीं बैठक में जयपुर-दिल्ली बाइपास पर बने कान्हा होटल एंड स्पा प्राइवेट लिमिटेड (होटल ताज आमेर) को इको सेंसेटिव जोन में मानते हुए बिल्डिंग निर्माण को ध्वस्त करने का फैसला लिया गया था**
- **वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि, स्थायी समिति की ओर से होटल के निर्माण को मंजूरी न देने का निर्णय लेने के बाद इको सेंसेटिव जोन मॉनिटरिंग कमेटी ने जेडीए से (होटल) बिल्डिंग के निर्माण को हटाने के लिए कहा है। जिस पर आगामी कार्रवाई जेडीए की ओर से की जानी है।**

सूत्रों के मुताबिक वन विभाग ने ही पहले आमेर तहसील के चिमनपुरा गांव के खसरा संख्या 54, 55 और 56 में 0.0845 हैक्टेयर क्षेत्र में कान्हा होटल्स एंड स्पा प्राइवेट लिमिटेड की परियोजना के निर्माण का प्रस्ताव भेजा था। इसमें लग्जरी होटल ग्रुप ताज समूह को लीज पर दिया गया था, यह नाहरगढ़ वन्यजीव अभयारण्य की सीमा से 95 मीटर की दूरी पर स्थित है। ऐसे में अब इसे हटाने की तैयारी शुरू की जा रही है।

बता दें कि होटल की बिल्डिंग का निर्माण कुछ साल पहले हुआ था। इसकी शुरुआत साल 2023 में शुरू हुआ। इसके बाद इको सेंसेटिव जोन में निर्माण के खिलाफ शिकायत मिलने पर राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड ने बैठक आयोजित की थी।

सूत्रों का कहना है कि, इको सेंसेटिव जोन क्षेत्र की सीमा के एक किलोमीटर के अंदर कोई भी नया वाणिज्यिक होटल और रिसॉर्ट बनाने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। यहां सिर्फ इको-टूरिज्म गतिविधियों के लिए छोटे अस्थायी ढांचों का निर्माण हो सकता है। ऐसे में वन इको सेंसेटिव जोन में बनी ताज आमेर होटल पूरी तरीके से अवैध मानी जा रही है। होटल का निर्माण पहले एनबीडब्ल्यूएल से वन्यजीव मंजूरी हासिल किए बिना ईएसजेड के भीतर किया हुआ बताया जा रहा है।

वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि, स्थायी समिति की ओर से होटल के निर्माण को मंजूरी न देने का निर्णय लेने के बाद इको सेंसेटिव जोन मॉनिटरिंग कमेटी ने जेडीए से (होटल) बिल्डिंग के निर्माण को हटाने के लिए कहा है। जिस पर आगामी कार्रवाई जेडीए की ओर से की जाएगी।

वहीं दूसरी ओर इस पूरे मामले पर होटल प्रशासन द्वारा किसी तरह के निर्णय के बारे में कोई सूचना नहीं मिलने की बात कही जा रही है।

सचिवालय कर्मी टीम भावना से काम करें : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को शासन सचिवालय में राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित किया।

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सचिवालय राजस्थान की जनता की भावनाओं, इच्छाओं और उम्मीदों का मुख्य केन्द्र है। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों, कार्यक्रमों और निर्णयों को सफलतापूर्वक धरातल पर उतारने में यहां के अधिकारी-कर्मचारियों की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि राजस्थान को आगे बढ़ाने के लिए सभी टीम भावना के साथ कार्य करें। अधिकारी-कर्मचारी प्रदेश में अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाने और मदद करने की भावना से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें।

शर्मा गुरूवार को शासन सचिवालय में राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नवगठित कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारियों को शपथ दिलाई और पद की जिम्मेदारियों को सफलतापूर्वक निभाने के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नवगठित कार्यकारिणी की ओर से कर्मचारियों की जो मांगें रखी गई हैं उस पर राज्य सरकार सकारात्मक विचार करेगी। इससे पूर्व शर्मा ने सचिवालय परिसर में राष्ट्रिपता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां कार्य करने वालों के लिए यह गौरव की बात होनी चाहिए कि वह सचिवालय का अहम हिस्सा है। हमारी सरकार कर्मचारी कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है। वर्ष 2024-25 में राजस्थान सचिवालय सेवा की विभागीय पदोन्नित समिति की बैठक निर्धारित समय पर आयोजित कर 92 अधिकारियों को पदोन्नित दी गई।

शर्मा ने कहा कि सचिवालय में आधारभूत ढांचों के विकास कार्यों से अधिकारी व कर्मचारी स्वच्छ एवं सुगम कार्यस्थल पर काम कर पाएंगे। इसी क्रम में यहां बहुमंजिला मुख्य सचिव ब्लॉक, नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक के निर्माण के लिए 275 करोड़ रुपये की स्वीकृतियां जारी कर दी गई हैं। 70 करोड़ की लागत से नॉर्थ ब्लॉक का निर्माण कार्य प्रगतिरत है। सचिवालय परिसर स्थित मुख्य भवन, खाद्य भवन और उत्तरी-पश्चिमी भवन को पूरी तरह वातानुकूलित बनाया जाएगा। इन भवनों में वीआरवी संयंत्र स्थापित करने के लिए 16 करोड़ 86 लाख रुपये की स्वीकृति जारी की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकारी नौकरी सिर्फ एक नौकरी नहीं है, बल्कि यह समाज के लिए योगदान देने का एक अवसर है। यह वह जिम्मेदारी है, जिसके निर्वहन से आप हजारों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारी एवं अधिकारियों को जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देनी चाहिए और उनका जल्द से जल्द समाधान करने का प्रयास करना चाहिए।शर्मा ने कहा कि राज्य कार्य में तेजी लाने के लिए शासन सचिवालय के सभी विभाग ई-फाइलिंग के जरिये पेपरलेस वर्क की दिशा में प्रशंसनीय कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सकारात्मक दृष्टिकोण से नवाचारों को अपनाना चाहिए। जिससे कार्यकुशलता में और अधिक वृद्धि होगी।

श्रीमहावीरजी में पैनोरमा बनाये जाने की घोषणा का आभार जताया

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी की प्रबंधकारिणी कमेटी के पदाधिकारियों ने श्री महावीर जी में पैनोरमा बनाये जाने की घोषणा का आभार जताने गुरुवार को शासन सचिवालय में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी से भेंट की। शिष्ट मंडल में प्रबंधकारिणी कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल सहित अन्य लोग मौजूद थे।

जयपुर, (का.सं.)। दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी की प्रबंधकारिणी कमेटी के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा श्री महावीर जी में पैनोरमा बनाये जाने की घोषणा के क्रम में आभार जताने एवं पैनोरमा की रुपरेखा की विस्तृत जानकारी देने के लिए गुरुवार को शासन सचिवालय में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी से भेंट की। इस मौके पर कमेटी के शिष्ट मंडल ने गुलदस्ता भेट कर राज्य सरकार, पर्यटन विभाग एवं राजस्थान धरोहर प्राधिकरण का आभार व्यक्त किया।

उप मुख्यमंत्री ने श्री महावीर जी ट्रस्ट द्वारा पर्यटन विभाग को पेनोरमा बनाने हेतु भूमि उपलब्ध करवाने के निर्णय को स्वागत योग्य बताते हुए कमेटी पदाधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के लिए प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने शीघ्र ही बजट में इसकी घोषणा करने का आश्वासन दिया। शिष्ट मंडल में प्रबंधकारिणी कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, कोषाध्यक्ष विवेक काला, सदस्य सुधीर कासलीवाल, प्रशासनिक समन्वयक भारत भूषण जैन, आर्किटेक्ट आयूष कासलीवाल और तुषार सोगानी शामिल थे।

जयपुर में मानसून की दस्तक

- **जयपुर में सुबह घंटो तक रिमझिम बारिश का दौर जारी रहा**

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर में गुरुवार को मानसून पहुंचा। इससे अब बारिश की गतिविधियों में तेजी आ जाएगी। जयपुर में सुबह कई घंटों तक रिमझिम बारिश हुई। इसके बाद सूरज की बादलों के बीच से आंख मिचौली देखने को मिली। बारिश के चलते जयपुर के दिन और रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। जयपुर के दिन के तापमान में करीब 3 ओर रात के तापमान में करीब 2 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। जयपुर का अधिकतम तापमान 35 और न्यूनतम तापमान 25.7 डिग्री दर्ज किया गया।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि जयपुर में मानसून ने दस्तक दे दी है। आगामी दिनों में जयपुर में बारिश की गतिविधियों में बढ़ोत्तरी दर्ज की जाएगी। 29 जून से 2 जुलाई के दौरान जयपुर में भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है।

राजस्थान में सक्रिय मानसून ने तीन दिन में 15 से अधिक जिलों को कवर कर लिया है। इन जिलों में मध्यम से भारी बारिश का दौर शुरू हो चुका है। गुरुवार को प्रदेश के डेढ़ दर्जन शहरों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। 29 जून से 2 जुलाई के दौरान जयपुर-भरतपुर संभाग में भारी से अतिभारी बारिश होने के आसार हैं। बीते 24 घंटे में भरतपुर, अजमेर, कोटा संभाग में सबसे ज्यादा बारिश दर्ज की गई। जयपुर संभाग में अलग-अलग जगहों पर मेघगर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जें की बारिश दर्ज की गई।

जिला रसद अधिकारी ने किया उचित मूल्य दुकानों का निरीक्षण

जिला रसद अधिकारी, जयपुर ग्रामीण अनुराधा गोगिया ने बस्सी उपखण्ड की उचित मूल्य की दुकानों का औचक निरीक्षण किया।

जयपुर, (का.सं.)। जिला रसद अधिकारी, जयपुर ग्रामीण अनुराधा गोगिया ने गुरुवार को बस्सी उपखण्ड की उचित मूल्य की दुकानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान गोगिया ने उचित मूल्य दुकानदार को सभी पात्र परिवारों की ई-केवाईसी करने तथा माह मई 2024 का गेहूं वंचित परिवारों को देने के निर्देश प्रदान किये।

निरीक्षण के दौरान कम ई-केवाईसी करने वाले उचित मूल्य दुकानदारों को नोटिस जारी किए गए। श्रीमती गोगिया ने बताया कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा माह मई 2024 खाद्य सुरक्षा योजना के वितरण की अवधि 30 जून 2024 तक बढ़ाई गई है। ऐसे चयनित पात्र उपभोक्ता जिनके द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजनान्तर्गत का गेहूं प्राप्त नहीं किया है वे अपने नजदीकी उचित मूल्य दुकान से राशन कार्ड, आधार कार्ड उचित मूल्य दुकानदार को प्रस्तुत कर माह मई एवं जून 2024 की राशन सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों की अनुपालना में जयपुर ग्रामीण के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में चयनित पात्र 6 लाख परिवारों को 30 जून 2024 तक ई-केवाईसी करवाना अनिवार्य है। जिला रसद अधिकारी की कार्यवाही के दौरान प्रवर्तन अधिकारी कल्याण सहाय करोल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

सी.एच.सी. जोबनेर में दी सोनोग्राफी मशीन

जयपुर। कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा से भाजपा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने सीएचसी जोबनेर, झोटवाड़ा में सोनोग्राफी मशीन की सौगात दी। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीके शीर्ष मार्गदर्शन में झोटवाड़ा के राजकीय चिकित्सालयों में चिकित्सा सेवा लगातार सुदृढ़ हो रही है। अब जोबनेर के राजकीय चिकित्सालय में मरीजों की जांच के लिए सोनोग्राफी मशीन उपलब्ध है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ की इस सौगात का जनता ने आभार जताया।

मिश्र से दिया कुमारी की शिष्टाचार भेंट

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र से राजभवन में गुरुवार को प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

दिया कुमारी से नीदरलेंड की राजदूत की भेंट

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी से भारत में नीदरलैंड की राजदूत मारिसा जेराड्र्स, राजनीतिक मामलों के द्वितीय सचिव जोस्ट वान ओस्टरब्रुगेन, सांस्कृतिक अधिकारी श्वेता कौशिक ने शिष्टाचार मुलाकात की।

ट्रांसपोर्ट नगर सुरंग में स्टेयरिंग फेल होने पर लो फ्लोर बस ने बाइक सवार को कुचला

जयपुर। राजधानी जयपुर ट्रांसपोर्ट नगर स्थित टनल के पास के गुरुवार सुबह चलती लो-फ्लोर बस का स्टेयरिंग फेल हो गई। इससे बस ने एक बाइक सवार के दोनों पैरों को कुचल दिया। इसके बाद बस रेलिंग से टकराई और रुक गई। बस में सवार 6 लोगों को चोट आई। इसमें बस का परिचालक भी शामिल है। घायल बाइक सवार को 108 की सहायता से एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

हादसे के बाद दुर्घटना थाना ईस्ट के हेड कांस्टेबल विजय सिंह मौके पर पहुंचे। विजय सिंह ने बताया कि बाइक सवार की पहचान चैतराम (24) पुत्र ख्यालीराम निवासी दौसा के रूप में हुई है। उसके दोनों पैरों के ऊपर से बस निकल गई। उसे 108 की मदद से ट्रोमा सेंटर में भर्ती कराया गया। घायल के परिजनों को सूचना दे दी है। बस में सवार परिचालक सहित 6 लोगों के चोट आई है। जिन्हें का प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई हैं। बस में सवार लोगों ने बताया कि टनल में घुसते ही बस स्टेयरिंग फेल होने से बेकाबू हो गई थी। बस आगे चल रहे बाइक सवार के जा टकराई। इस दौरान बाइक सवार नीचे गिरा।

सूने मकान से जेवर चोरी

जयपुर। राजधानी के हरमाड़ा इलाके में एक विला से 18 लाख के सोने-चांदी के गहने-बर्तन चोरी का मामला सामने आया है। परिवार रिश्तेदार से मिलने के लिए गया था। बदमाशों ने गेट तोड़कर विला में वारदात को अंजाम दिया। हरमाड़ा थाना पुलिस ने टीम की मदद से सबूत जुटाकर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि राजावास के ईडन गार्डन निवासी रमेश चन्द माहेश्वरी (74) के विला में चोरी हुई। वह शाम करीब 7 बजे पत्नी के साथ सिविल लाइन अपने भाई से मिलने घर गए थे। पीछे से चोरों ने सूने विला को चोरी के लिए निशाना बनाया। विला के दो गेट तोड़कर बदमाश अंदर घुसे। अलमारी के लॉकर में रखे सोने-चांदी के गहने और बर्तन चोरी कर ले गए।

घर छोड़कर निकाला दसवीं का छात्र लखनऊ में मिला

जयपुर। बिंदायका थाना इलाके में एक 10वीं क्लास का छात्र मां को मोबाइल पर मैसेज छोड़कर घर से भाग निकला। पुलिस ने पीछा कर नाबालिग को लखनऊ से ढूंढ निकाला। नाबालिग को पुलिस टीम लखनऊ से जयपुर लेकर आई और परिजनों को सौंप दिया।

थानाधिकारी भजन लाल ने बताया कि बिंदायका निवासी एक व्यक्ति ने 15 साल के बेटे के घर छोड़कर जाने का मामला दर्ज करवाया था। उनका नाबालिग बेटा 10वीं क्लास में पढ़ाई करता है। सोमवार दोपहर को परिवार के सदस्य घर पर सो रहे थे। दोपहर करीब 4 बजे वह घर से बिना बताए उनका मोबाइल लेकर चला गया। करीब एक घंटे बाद अपनी मम्मी के मोबाइल पर मैसेज किया। लिखा- मुझे मत ढूंढना मैं बेंगलुरु किसी भैया के साथ जा रहा हूं। नाबालिग स्कूल स्टूडेंट के घर छोड़कर जाने को लेकर पिता ने बिंदायका थाना पुलिस को बताया। पिता ने संदेह जताया कि नाबालिग बेटा साइबर क्रिमिनल गैंग के जाल में फंस गया है। बिंदायका थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को लेकर तुरंत नाबालिग की तलाश शुरू की। पिता के साथ ले गए मोबाइल की लोकेशन निकलवाई गई। पुलिस टीम मोबाइल लोकेशन के आधार पर नाबालिग का पीछा करते हुए उत्तर प्रदेश जा पहुंची। पुलिस टीम ने नाबालिग को लखनऊ के बाजार से ढूंढ निकाला।

गंगाराम मूलचंदानी मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष नियुक्त

गंगाराम मूलचंदानी

अशोक गुप्ता

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने सेवानिवृत न्यायाधीश गंगाराम मूलचंदानी को राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष और भारतीय पुलिस सेवा के सेवानिवृत अधिकारी अशोक गुप्ता को सदस्य के रूप में नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं।

राज्यपाल ने राजस्थान मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993, (मानवाधिकार संरक्षण, (संशोधन) अधिनियम 2019 अधिनियम संरक्षण 19, 2019 द्वारा संशोधित) की धारा 22 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इन दोनों को पद धारण करने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि अथवा 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो के लिए यह नियुक्ति की है।

आर.यू. की सेंट्रल लाइब्रेरी में फॉल सीलिंग गिरी

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय की सेंट्रल लाइब्रेरी में गुरुवार सुबह अचानक फॉल सीलिंग गिर गई। जिस वक्त ये हादसा हुआ उस वक्त लाइब्रेरी में काफी संख्या में छात्र-छात्राएं पढ़ रहे थे। अचानक फॉल सीलिंग छात्रों की टेबल पर आकर गिरी जिससे घबरा कर छात्र बाहर की ओर भागे। इस दौरान एक छात्र को मामूली चोटें भी आई। इसके बाद फॉल सीलिंग का एक बड़ा हिस्सा भी गिरा जिससे टेबल टूट गई। गनीमत ये रही की इस हादसे में किसी को गंभीर चोट नहीं आई।

- **गनीमत ये रही की हादसे में किसी को गंभीर चोट नहीं आई**
- **छात्र-छात्राओं ने लाइब्रेरी के बाहर विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की**

घबराए हुए छात्र छात्राओं ने लाइब्रेरी के बाहर आकर विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। छात्र छात्राओं का कहना है कि यह लाइब्रेरी जर्जर हो चुकी है। प्रशासन को इसके रखरखाव का ख्याल रखना चाहिए। गौरतलब है कि राजस्थान विश्वविद्यालय में नई लाइब्रेरी बन चुकी है। नवंबर 2022 में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत नई लाइब्रेरी का उद्घाटन भी कर चुके हैं, लेकिन नई लाइब्रेरी में अभी तक अध्ययन का कार्य शुरू नहीं हो सका है। मजबूरी में छात्र छात्राओं को पुरानी लाइब्रेरी में ही अध्ययन करना पड़ रहा है।

कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई इकाई के अध्यक्ष महेश चौधरी ने कहा कि छात्र अपनी जान जोखिम में डालकर लाइब्रेरी में पढने को मजबूर हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन को जल्द से जल्द इसकी मरम्मत करानी चाहिए।

जयपुर में दक्षिण अफ्रीका और नाइजीरिया के दो युवक कोकीन बेचते पकड़े

प्रताप नगर इलाके की श्रीराम कॉलोनी में पुलिस ने एक अपार्टमेंट में दबिश मारकर दोनों विदेशी युवकों को तस्करी करते हुए पकड़ा

जयपुर। कमिश्नरेट पुलिस ने प्रताप नगर इलाके में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अंतरराष्ट्रीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। दक्षिण अफ्रीका का रहने वाला माइकल और नाइजीरिया का रहने वाला इमैनुअल को पुलिस ने डिटेन किया।

प्रारम्भिक पूछताछ के बाद आरोपी के फ्लैट की तलाशी के दौरान पुलिस को 116 ग्राम कोकीन मिली। इस कोकीन की बाजार कीमत करीब 2 करोड़ रुपए हैं। आरोपी कॉलेज और स्कूलों के आस-पास नशीला पदार्थ बेचते थे। आरोपी पिछले आठ माह से जयपुर में रह रहे है और लगातार मादक पदार्थ बेचने का काम कर रहे थे। आरोपी यहां पर रहकर स्कूल कॉलेज स्टूडेंट और होटलों में फोन आने पर सप्लाई करने जाते है। गिरफ्तार आरोपियों के वीजा की अवधि भी खत्म हो चुकी है। डीसीपी ईस्ट कावेन्द्र सागर ने बताया कि डीएसटी ईस्ट की टीम को मादक पदार्थ की तस्करी और सेवन करने वालों पर कार्रवाई के आदेश दिए थे। इस पर डीएसटी ईस्ट के प्रभारी लक्ष्मी नारायण के सुपरवीजन में एक टीम पिछले कुछ समय से ऐसे लोगों की तलाश में थी जो लोग प्रताप नगर, जगतपुरा स्थित कॉलेज को बच्चों तक नशीला पदार्थ पहुंचा रहे थे।

जयपुर के प्रताप नगर इलाके में पुलिस ने दो विदेशी युवकों को मादक पदार्थों की तस्करी करते गिरफ्तार किया।

कोकीन के साथ मोबाइल और लेपटॉप भी मिले

इस पर कल पुलिस को टिप मिली जिस पर डीएसटी प्रभारी अपनी टीम को लेकर प्रताप नगर पहुंचे।

- **आरोपियों के पास से 11 मोबाइल फोन, एक लेपटॉप और 45 हजार रुपए नगद मिले**
- **आरोपी पिछले आठ माह से जयपुर में लगातार मादक पदार्थ बेचने का काम कर रहे थे**
- **आरोपी स्कूल-कॉलेज के स्टूडेंट और होटलों में फोन आने पर सप्लाई करने जाते थे।**
- **गिरफ्तार आरोपियों के वीजा की अवधि भी खत्म हो चुकी है।**

जहां पर प्रताप नगर थाना पुलिस का जाप्ता साथ में लेकर श्रीराम विहार कॉलोनी में एक अपार्टमेंट में दबिश दी गई। इस दौरान पुलिस टीम को मौके से दक्षिण अफ्रीका निवासी माइकल और नाइजीरिया निवासी इमैनुअल मिले।

इन दोनों विदेशियों से जब गहनता से पूछताछ की गई। इन लोगों ने तस्करी करना और सेवन करना कबूल किया।

जिस पर इन के फ्लैट की तलाशी के दौरान पुलिस को 116 ग्राम मादक पदार्थ कोकीन बरामद हुई। इसकी बाजार कीमत करीब 2 करोड़ रुपए है। इनके पास से 11 मोबाइल फोन, एक लेपटॉप और 45 हजार रुपए नगद मिले। दोनों को आज कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया।

आगजनी से बचाव व प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के आपदा प्रबंधन शाखा की ओर से गुरुवार को स्वास्थ्य भवन में चिकित्सालयों, कार्यालय एवं घर पर आपातकालीन स्थितियों में आगजनी जैसी घटनाओं से बचाव एवं प्रबंधन के प्रशिक्षण के लिए मॉक ड्रिल आयोजित की गई। सहायक अग्निशमन अधिकारी सुरेश कुमार यादव के नेतृत्व में प्रशिक्षक सावरमल ने स्वास्थ्य भवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आग से बचाव के तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

मनरेगा में काम नहीं मिलने से परेशान नरेगा मजदूर धरने पर बैठे

श्रीगंगानगर, (कासं)। मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद द्वारा दिये गये निर्देशानुसार गुरूवार को पंचायत समिति पदमपुर के विकास अधिकारी रजत यादव ने 56 एलएनपी में धरने पर बैठे मनरेगा श्रमिकों से समझाइश कर उनकी समस्याओं का निराकरण किया।

यादव ने बताया कि पूरनचन्द दुग्गल, छोटूराम वर्मा सहायक विकास अधिकारी पंचायत समिति पदमपुर सहित ग्राम पंचायत जीवनदेसर में भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र में चक 27 एमएल (साजनवाला) व चक 56 एलएनपी के धरने पर बैठे मनरेगा श्रमिकों की मौके पर पहुंचकर समस्याओं का निराकरण किया गया। श्रमिकों ने बताया कि उन्हें मनरेगा का कार्य नहीं मिल रहा है। गांव के पास ही मनरेगा योजनान्तर्गत कार्य स्वीकृत करवाये जाए ताकि श्रमिकों के 100 दिवस इसी वित्तीय वर्ष में पूर्ण हो सके। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं में शुभ शक्ति, छात्रवृति एवं खाद्य सुरक्षा इत्यादि का लाभ मिल सके।

मौके पर ही ग्राम विकास अधिकारी सोहन लाल एवं कनिष्ठ सहायक दीपक राज मीणा से श्रमिकों के फार्म मनरेगा रोजगार हेतु भरवाये गये। ग्राम पंचायत के गांव 56 एलएनपी, 58 एलएनपी, 27 एमएल, जीवनदेसर इत्यादि गांवों के नजदीक ही मनरेगा में कार्य स्वीकृति हेतु प्रस्ताव तैयार करवाये गये। कार्य स्वीकृति उपरान्त 15 दिवस के अन्दर श्रमिकों को नियमानुसार रोजगार उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया गया।

सादुलशहर। ग्राम पंचायत बहरामपुरा बोदला (कालवासिया) में गत चार माह से बंद पड़े मनरेगा कार्य शुरू करवाने सहित विभिन्न जन समस्याओं को लेकर पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत बुधवार को पंचायत समिति परिसर में ग्राम पंचायत सरपंच प्रमेन्द्र खीचड़ के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीणों व मनरेगा श्रमिकों की ओर से धरना लगाया व रोष-प्रदर्शन किया।

धरने की सूचना मिलते ही पंचायत समिति की साधारण सभा की बैठक से उठकर एसडीएम शिवा चौधरी, तहसीलदार मुकुल टाक, पुलिस थाना अधिकारी सुमेर सिंह इंदा आदि धरना स्थल पर पहुंचे व धरनार्थियों की मांगों की सुनवाई की। सरपंच प्रमेन्द्र खीचड़ ने अधिकारियों को बताया कि गत चार माह से ग्राम पंचायत क्षेत्र में मनरेगा कार्य बंद पड़े हैं। जबकि अन्य ग्राम पंचायतों में मनरेगा कार्य चल रहे हैं। गांव में मनरेगा बंद होने से श्रमिकों के समक्ष आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

पंचायत समिति पदमपुर के विकास अधिकारी रजत यादव ने 56 एलएनपी में धरने पर बैठे मनरेगा श्रमिकों से समझाइश कर उनकी समस्याओं का निराकरण किया।

■ मौके पर ही ग्राम विकास अधिकारी सोहन लाल एवं कनिष्ठ सहायक दीपक राज मीणा से श्रमिकों के फार्म मनरेगा रोजगार के लिए भरवाये गये

इसके अलावा गांव में लगातार अघोषित विद्युत कट बंद करने, ग्राम पंचायत क्षेत्र के अधीन गांव चक धौला व आसपास की ढाणियों में गत एक पखवाड़े से बंद पेयजल आपूर्ति सुचारू करने व ग्राम पंचायत में सामान्य मद के अधूरे पड़े बंद कार्यों को शीघ्र शुरू करने की मांग रखी।

एसडीएम ने धरनार्थियों को आश्वस्त किया कि ग्राम पंचायत में 1 जुलाई से मनरेगा कार्य शुरू करवा दिए जायेंगे। विद्युत कटौती व पेयजल आपूर्ति के संबंध में उच्चाधिकारियों को अवगत करवाकर समस्या का समाधान करवा दिया जायेगा। धरनार्थियों की ओर से अधिकारियों को सौंपे गए ज्ञापन में करीब एक सौ से अधिक ग्रामीणों व मनरेगा श्रमिकों के हस्ताक्षर हैं।

मैजेस्टिक एक्सपो का शुभारंभ

बीकानेर, (कासं)। महिलाओं के गृह, लघु एवं कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने, उन्हें एक प्लेटफार्म उपलब्ध करवाने के उद्देश्य को लेकर लम्बे समय से लघु उद्योग भारती प्रयत्नशील है। इसे निरन्तरता प्रदान करने के लिए समय-समय पर प्रदर्शनी कर जनता का ध्यानाकर्षण भी करती है। दसवीं मेजेस्टिक एक्सपो का आयोजन 28 जून से रविन्द्र रंगमंच के सामने स्थित कपिल धारा में किया जायेगा।

इस संबंध में आयोजनकर्ता राखी चौरड़िया ने जेएनवी कॉलोनी स्थित कैफियो में एक प्रेसवार्ता का आयोजन कर तीन दिन तक चलने वाली प्रदर्शनी की जानकारी दी। राखी चौरड़िया ने बताया कि मेजेस्टिक एक्सपो का शुभारंभ 28 जून को शाम 5.30 बजे शहर के गणमान्यजनों की गरिमामय उपस्थिति में समारोह पूर्वक किया जायेगा। साथ ही फूड कोर्ट, बच्चों के झूले, लाइव म्यूजिक जैसे मनोरंजन प्रदान करने वाले कार्यक्रम भी आयोजित किए जायेंगे।

एक्सपो में 90 से अधिक दुकानें सजेंगी जहां बीकानेर सहित देशभर के उत्पादन प्रदर्शन के साथ विक्रय किए जायेंगे। अभी तक 60 स्टाल बुक हो चुकी है। प्रदर्शनी का समय दोपहर 3 बजे से रात 11 बजे तक प्रतिदिन रहेगा।

वहीं लघु उद्योग भारती बीकानेर चैप्टर के उपाध्यक्ष राजेश गोयल ने बताया कि संस्था के माध्यम से कमजोर तबके की महिलाओं के हुनर को निखारने, उद्यम को बढ़ाने का काम किया जा रहा है।

सार-समाचार

अपना घर आश्रम में फल बांटे

सीए सदस्यों व विद्यार्थियों ने अपना आश्रम में फल वितरित किए।

बीकानेर, (कासं)। दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया की बीकानेर ब्रांच के अध्यक्ष जसवंत सिंह बैद ने बताया कि सीए दिवस के अंतर्गत आज रानी बाजार स्थित अपना घर आश्रम में जाकर नर सेवा नारायण सेवा का भाव रखते हुए प्रतिवर्ष की भांति भी इस साल भी फल वितरित किए। ब्रांच अध्यक्ष ने कहा कि हमें तन मन धन से प्रत्येक व्यक्ति की सेवा करनी चाहिए जिससे मन को शांति मिले। फल वितरण में ब्रांच सचिव सीए अभय शर्मा, सीकासा अध्यक्ष सीए राहुल पचीसीया व अन्य सीए सदस्य विद्यार्थी भी इस सेवा भाव में शामिल हुए।

पशुओं की बीमारी पर जानकारी दी

श्रीगंगानगर, (कासं)। पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर के अंतर्गत कार्यरत पशु विज्ञान केंद्र, सूरतगढ़ एवं आत्मा परियोजना श्रीगंगानगर के संयुक्त तत्वावधान में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। केंद्र प्रभारी अधिकारी डॉ. मैना कुमारी ने श्रीगंगानगर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए पशुपालकों एवं पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। पशु विज्ञान केंद्र और राजुवास द्वारा आयोजित किये जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा पशुपालन के क्षेत्र में नवाचारों के बारे में जानकारी दी। केंद्र के डॉ. मनीष कुमार सेन ने पशुओं में वैज्ञानिक आहार व्यवस्था, कृमिनाशक दवा एवं विभिन्न प्रकार की बीमारियां जैसे खुरपका-मुंहपका, गलघोटू, लंगड़ा बुखार, ब्रूसेलोसिस, रेबीज इत्यादि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। सेवानिवृत सहायक कृषि अधिकारी पृथ्वी सिंह सरसुआ, सहायक कृषि अधिकारी महेंद्र कुलड़ीया ने किसानों को खरीफ फसलों में कीट व रोग प्रबंधन के बारे में बताया। सहायक कृषि अधिकारी भीमराज जाखड़ ने किसानों को प्राकृतिक खेती के बारे में बताया तथा जिसमें जीवामृत बीजामृत बनाने की विधियों की जानकारी दी। कॉलेज व्याख्याता सुभाष जाट ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य व पोषक तत्व प्रबंधन की जानकारी दी। सहायक कृषि अधिकारी मुकंद भट्टी, भीमसेन, कृषि पर्यवेक्षक सुनील कुमार, विकास कुमार, मोनिका सारस्वत, दीपा फुटेला मौजूद थे। कार्यक्रम में कुल 100 पशुपालकों में भाग लिया।

आओ स्कूल चले ट्रेलर लांच

बीकानेर, (कासं)। गरीब दबके के बच्चों को स्कूल के लिये प्रेरित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार के स्कूल चलों अभियान से प्रेरित होकर वन स्टेप रिकॉर्ड टीम की ओर से एक एलबम के ट्रेलर को लॉच किया गया है। जिसकी लॉचिंग अतिरिक्त आयुक्त प्रशासन महेन्द्र कुमार,सहायक आयुक्त सुखराम, नर्सिंग टीचर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रदेश उपाध्यक्ष डूंगरराम,जय जोशी व पार्षद सुनील गेदर ने किया। इस मौके पर एलबम की जानकारी देते हुए कंपनी के डायरेक्टर व सिंगर बंटी चांवरिया ने बताया कि बीकानेर के अनेक स्थानों पर इसकी शूटिंग की गई है। जिसमें स्थानीय कलाकारों ने फिल्मांकन किया है। आओ स्कूल चले की थीम पर बनाएं गये इस एलबम में म्यूजिक अर्जुन तेजी ने दिया है। वहीं लेरिक्स बंटी चांवरिया की है। चांवरिया ने कहा कि शिक्षा का स्तर बढ़े और हर बच्चे को शिक्षा का अधिकार के तहत शिक्षा मिलें। जिसमें न जाति न ही धर्म आड़े आता है। सर्वधर्म सद्भाव की भावना के साथ स्थानीय कलाकारों ने इस एलबम का निर्माण किया है। इस मौके पर सभी अतिथियों ने एलबम के पोस्टर का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में एलबम में काम करने वाले बच्चों व कलाकारों का सम्मान भी किया गया। उन्होंने बताया कि पूरा एलबम की लांचिग 12 जुलाई को की जायेगी।

शिक्षक सम्मान समारोह 7 को

बीकानेर, (कासं)। शिक्षक संघ एलीमेन्ट्री सैकेण्डरी टीचर एसोसिएशन (रेसटा) द्वारा कॅरियर गाइडेंस व मेधावी विद्यार्थियों को विद्यार्थी गौरव सम्मान व शिक्षकों को शिक्षक रत्न सम्मान से सम्मानित करने हेतु सम्मान समारोह का आयोजन 7 जुलाई को जिला मुख्यालय बीकानेर पर किया जायेगा। समारोह में स्मृति चिन्ह व मेडल देकर सम्मानित किया जायेगा। जिलाध्यक्ष सीता राम डूडी व जिला महामंत्री पवन शर्मा ने बताया की कार्यक्रम में अतिथियों में बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास, श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक,जयपुर आईपीएस किशन सहाय, एसबीआई के उप महाप्रबंधक अरविंद कुमार भट्ट, सहायक महाप्रबंधक नीरज कुमार, सहायक आयकर आयुक्त आईआरएस अरविंद कुमार मीना,सहायक आयुक्त,केन्द्र वस्तु एवं सेवाकर, आईआरएस भूपेंद्र छीपा, उप शासन सचिव, कृषि एवं पंचायत राज विभाग,जयपुर अशोक कुमार मीणा, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) बीकानेर, डॉ. डी.सी. मीणा,आयुक्त नगर निगम अशोक असीजा,डूंगर कॉलेज प्राचार्य डॉ. इंद्रसिंह राजपुरोहित,मुख्य प्रबंधक एसबीआई महेन्द्र मीना शिरकत करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के प्रदेशाध्यक्ष मोहरसिंह सलावद करेंगे। सम्मान समारोह में कैरियर गाइडेंस के रूप समारोह में क्षेत्रीय निदेशक, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय,कोटा, बलवान सिंह सैनी, सहायक निदेशक, पेंशन विभाग, बीकानेर डॉ. राहुल गोठवाल, सीबीईओ बज्जू डॉ.रामगोपाल शर्मा, राजकीय पोलेटेक्निक महाविद्यालय के प्रवक्ता डॉ.वाईवी माथुर, डूंगर कॉलेज के आचार्य डॉ.शमिंद्र सक्सेना, एनएसपी महाविधालय के प्राचार्य डॉ.प्रशांत बिस्सा, निदेशक सिंथेसिस जेठमल सुथार, पीबीएम अस्पताल के सीएमओ डॉ.एल.के. कपिल शामिल होंगे।

बीकानेर में गैस पाइपलाइन योजना की फाइल अटकी

बीकानेर, (कासं)। जिले में ढाई साल पहले स्वीकृत गैस पाइपलाइन की योजना राजनीतिक इच्छा शक्ति के अभाव में सिरे नहीं चढ़ी।

गौरतलब है कि पाइपलाइन से घरों तक गैस योजना ढाई साल पहले केन्द्र सरकार ने बीकानेर में गैस पाइप लाइन का प्रोजेक्ट स्वीकृत किया। तब गृहणियों को लगा कि वह दिन दूर नहीं जब रसोई में सिलेंडर का झंझट समाप्त होगा। साल 2022 में केन्द्र सरकार से प्रोजेक्ट स्वीकृत होने के बाद शुरूआती दो साल तो कम्पनी ने खुद ही दिलचस्पी नहीं दिखाई। इसकी एक वजह केन्द्र में भाजपा की सरकार और प्रदेश में कांग्रेस की सरकार का होना भी रहा। राज्य सरकार से जुड़े विभाग आवश्यक कार्रवाई में सहयोग नहीं कर रहे थे।

अब दिसम्बर 2023 में विधानसभा चुनाव के बाद प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद हलचल शुरू हुई। कम्पनी ने प्लांट के लिए भूखण्ड खरीदा और इस पर प्लांट लगाने के लिए एक फर्म से अनुबंध भी कर लिया। परन्तु इसके बाद जिला प्रशासन, नगर निगम और रीको ने इस प्रोजेक्ट से जुड़ी फाइल अटका दी।

■ तीन महीने से अनुमति के लिए कम्पनी प्रतिनिधि रीको अधिकारियों के यहां चक्कर काट रहे हैं

बीकानेर को गैसपाइप लाइन से रसोई गैस और उद्योगों को ईंधन गैस उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार के नेचुरल गैस रेगुलेटरी बोर्ड ने हिंदुस्तान नेचुरल गैस कम्पनी के साथ 25 साल का अनुबंध किया है। कम्पनी को लिक्विड रूप में पेट्रोलियम गैस को यहां प्लांट में भंडारित कर उसे गैस में परिवर्तित कर पाइपलाइन से गैस की आपूर्ति घरों, उद्योगों और पेट्रोल पम्पों को करनी है।

कम्पनी ने करणी इंडस्ट्रियल एरिया में प्लांट लगाने के लिए भूखण्ड खरीद लिया है। इसमें एलएनजी टर्मिनल स्थापित किया जायेगा। यहां पर लिक्विड प्रोफाइल में आने वाली पेट्रोलियम गैस को एलएनपी, पीएनजी और सीएनजी में बदलकर पाइप से आपूर्ति की जायेगी।

एलएनजी टर्मिनल और पाइप लाइन के लिए एनओसी की फाइल जिला प्रशासन के पास लम्बे समय से पड़ी है। सूत्रों ने बताया कि जिला प्रशासन ने छह विभागों से रिपोर्ट मांगी गई। अभी तक चार विभागों ने सकारात्मक रिपोर्ट दी है। परन्तु नगर निगम से फायर एनओसी के लिए दो महीने से ज्यादा समय से फाइल अटका रखी है। तीन महीने से अनुमति के लिए कम्पनी के प्रतिनिधि रीको के अधिकारियों के यहां चक्कर काट रहे हैं।

मंजू नैण गोदारा, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र बीकानेर का कहना है कि गैस पाइपलाइन का प्रोजेक्ट काफी समय से लम्बित है। उद्योगों को इससे बड़ा फायदा होगा। इसके लिए संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर एनओसी आदि के लिए प्रयास कर रहे हैं। कम्पनी को भी जल्दी से जल्दी काम आगे बढ़ाने के लिए कहा है।

सात पुलिस टीमों ने दी दबिश

श्रीगंगानगर, (कासं)। सीमा क्षेत्र में समाजकंटकों की गतिविधियों की रोकथाम के लिए जिला पुलिस की सात टीमों ने सुबह-सवेरे शहर में एक साथ कई जगह छापे मारे। इसमें करीब 100 अधिकारी व पुलिस जवान शामिल थे।

पुलिस अधीक्षक गौरव यादव ने बताया कि समाजकंटक ड्रग्स व शराब तस्करी, ड्रग्स का व्यापार करने एवं लूट, डकैती, हत्या एवं चेन स्नेचिंग आदि अपराध करने की फिराक में रहते हैं। इसी प्रकार अन्य राज्यों के व स्थानीय तस्कर अन्तरराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र से ड्रोन से अवैध मादक पदार्थ व हथियार तस्करी की घटनाओं को अंजाम देते हैं। अन्य राज्य के तस्कर जिले में प्रवेश कर पीजी, होटल, धर्मशाला, सराय, धार्मिक स्थलों अन्य स्थानों या अपने परिचितों के पास रूककर अवैध मादक पदार्थ, हथियार तस्करी एवं अन्य आपराधिक घटनाओं को अंजाम देकर वापस चले जाते हैं।

जिले में ऐसे अपराधियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी करने के लिए बुधवार को सीओ सिटी बी. आदित्य नेतृत्व में तड़के 5 बजे करीब 100 अधिकारियों-कर्मचारियों की 07 टीमों ने शहर में स्थित अपार्टमेंट मे दबिश दी।

'किसान गुलाबी सुण्डी का प्रबंधन प्रारंभ करें'

हनुमानगढ़, (कासं)। गत वर्ष जिले में बीटी कपास में गुलाबी सुण्डी की गंभीर समस्या आई थी। इससे कपास का उत्पादन प्रभावित हुआ था। इसी कारण विभाग की ओर से लगातार जागरूक किए जाने के बावजूद भी बीटी कपास का बुवाई क्षेत्र लगभग 40 प्रतिशत ही रही है। इस बीच गुलाबी सुंडी आने के संकेत मिलने लगे हैं।

इसे देखते हुए विभाग द्वारा फरवरी माह से ही लगातार गुलाबी सुण्डी प्रबन्धन उपायों की जानकारी दी जा रही है। गत वर्ष के गुलाबी सुण्डी कीट की प्यूपा अवस्था को नष्ट करके जीवन चक्र को बाधित करने के लिये बनच्छटी प्रबन्धन के बारे में बताया गया है। जिस पर बहुत सारे कृषकों द्वारा बनछटी प्रबन्धन किया गया है। फिर भी कुछेक कृषकों द्वारा बनछटी प्रबन्धन पर ध्यान नहीं दिये जाने और विभाग द्वारा अगेती बुवाई नहीं करने की समय-समय पर जारी चेतावनी के बावजूद भी कुछ क्षेत्रों में कृषकों द्वारा कपास फसल की अगेती बुवाई की गई।

इस अगेती बुवाई की गई फसल में सिंचाई पानी की पर्याप्त उपलब्धता और समय पर सिंचाई होने के बावजूद भी अत्यधिक गर्मी के कारण पौधों में फूल निकले। कुछेक खेतों में गुलाबी सुण्डी का प्रकोप देखा गया है। सोशल मीडिया पर चल रही वीडियो से किसानों को नहीं घबराने की सलाह दी गई है।

■ कृषि विभाग ने किसानों को दी चेतावनी, गुलाबी सुंडी से कपास का उत्पादन हो सकता है प्रभावित

विभाग की सलाह है कि अगेती बुवाई की गई फसल में किसान गुलाबी सुण्डी प्रबन्धन प्रारभ करें। सप्ताह का एक दिन निश्चित करके साप्ताहिक अन्तराल पर कीटनाशी रसायनों का छिड़काव करें। गुलाबी सुण्डी ग्रसित रोजेटेड फूल, टिण्डे अगर है तो उन्हें तोड़कर नष्ट कर देवें जिससे इस कीट का जीवन चक्र बाधित होगा। समय पर बुवाई की गई फसल में इसका प्रकोप नहीं हो।

ओल्ड पेंशन योजना में जी.पी.एफ. खाता की मांग

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान विद्युत कर्मचारी अभियंता एवं अधिकारी संयुक्त संघर्ष समिति बीकानेर व्रत के द्वारा अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा विभाग) राजस्थान सरकार को अधीक्षण अभियंता, बीकानेर व्रत के माध्यम द्वारा पुरानी पेंशन योजना के अंतर्गत जीपीएफ खाता आवंटित करने व सीपीएफ बंद करने हेतु आज ज्ञापन दिया गया।

ज्ञापन में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गौरीशंकर व्यास, प्रदेश सचिव शिवदत्त गौड़, जिला मंत्री दीपक चतुर्वेदी, जिला अध्यक्ष विद्युत श्रमिक संघ नवीन स्वामी, जिला महामंत्री रामदेव सांखला, देवेश सोनी, राजेंद्र मीणा,ललित स्वामी, दिनेश मोदी, महेंद्र पन्नू सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

सांख्यिकी दिवस 29 को : श्रीगंगानगर में प्रोफेसर प्रशांत चंद महालनोबिस के आर्थिक नियोजन एवं सांख्यिकी विकास के क्षेत्र में दिये गये योगदान के उपलक्ष में उनके जन्म दिवस 29 जून पर 18 वें सांख्यिकी दिवस समारोह का आयोजन जिला परिषद सभागार में प्रात: 10.30 बजे आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा किया जायेगा। आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के उपनिदेशक मोहनलाल ने बताया कि उक्त समारोह यूज ऑफ डाटा फॉर डिसीजन मेकिंग की थीम पर किया जायेगा।

घर में डीजल डाल आग लगाई

बीकानेर, (कासं)। गंगाशहर थाना क्षेत्र की जसोदा कॉलोनी स्थित एक घर में डीजल डाल कर आग लगाने, जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने परिवादिया की रिपोर्ट पर दो नामजद सहित अन्य जनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार परिवादिया जसोदा कॉलोनी निवासी निर्मला सोनी (40) पत्नी राजाराम सोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि पलाना निवासी अभिषेक जाट पुत्र भंवर जाट, मनोज जाट व अन्य जने मुंह पर रूमाल बांधकर रात करीब डेढ बजे उसके घर पर आये और डीजल डालकर आग लगा दी।

10 लाख पौधे तैयार, बारिश होते ही वितरण शुरू होगा

हनुमानगढ़, (कासं)। जिले में मानसून सीजन को देखते हुए वन विभाग ने करीब दस लाख पौधे तैयार किए हैं। बरसात होते ही वितरण का कार्य शुरू किया जायेगा।

हर वर्ष हजारों की संख्या में पौधे लगाने में जितनी ऊर्जा वन विभाग खर्च करता है, उसकी तुलना में वन तस्कर भी उतने ही सक्रिय हो रहे हैं। जिले की बात करें तो 2022-23 में कुल 80 प्रकरण अवैध लकडियों के परिवहन के सामने आए। इन मामलों में वन विभाग ने 1844500 रुपए का जुर्माना वसूल किया। इसी तरह 2023-24 में 126 प्रकरण सामने आए हैं। इसमें 3266200 रुपए जुर्माने के रूप में वसूल किए हैं। इस तरह दो बरसों में कुल 206 प्रकरणों में 5111000 रुपए जुर्माना वसूला गया है। जिले में दो दिन पहले 390 क्विंटल लकडियों से भरे 11 वाहनों को सीज करने की कार्रवाई की गई। इन दिनों वन विभाग ने सघन जांच अभियान शुरू कर रखा है। नोहर क्षेत्र में 1 ट्रक एवं दो पिकअप कुल तीन वाहनों में 140 क्विंटल लकड़ी एवं रावतसर में 7 पिकअप एवं 1 ट्रेक्टर रेहड़ा वाहनों में 250 क्विंटल लकडियों सहित वाहन सीज किए हैं।

■ हर साल पौधे लगाये जाते हैं लेकिन तस्कर काट ले जाते हैं

धर्मपाल कस्वां, निरीक्षक, वन विभाग हनुमानगढ़ का कहना है कि जिले में वन अपराध के तहत 11 कैटेगिरी निर्धारित है। इसमें अवैध लकडियों के परिवहन के मामले लगातार सामने आने पर विभाग स्तर पर वाहन सीज करके जुर्माना लगा रहे हैं।

पुण्यतिथि पर पूर्व न्यासी स्व. माणकचन्द जावा को याद कर श्रद्धांजलि दी

बीकानेर, (कासं)। शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पूर्व न्यासी स्व. माणकचन्द जावा की 8 वीं पुण्यतिथि पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए शहर जिला अध्यक्ष यशपाल गहलोत ने स्व. जावा को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि स्व. माणकचन्द जावा गरीब तबके के लोगों के मसीहा थे। उन्होंने नगर विकास न्यास में न्यासी रहते हुए कैम्प लगवाकर जात पात से ऊपर उठकर सभी गरीबों को स्टेट ग्रान्ट के पट्ट दिलवायें। इस अवसर पर मकसूद अहमद पूर्व महापौर व अध्यक्ष नगर विकास न्यास ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि मुझे भी स्व. माणकचन्द जावा के साथ काम करने का मौका मिला था। स्व. जावा साफ एवं स्वच्छ छवि व व्यक्तिव के धनी थे। उन्होंने जीवन में हमेशा गरीबों के उत्थान के लिए काम किया। कांग्रेस नेता गुलाम मुस्तफा बाबू भाई ने स्व. जावा को समाज का सच्चा हितैषी व कर्म योद्धा बताया।

स्व. माणकचन्द जावा के पुत्र वरिष्ठ पार्षद नगर निगम एवं पार्टी के जिला उपाध्यक्ष नन्दलाल जावा ने कहा कि मेरे पिता के आशीर्वाद से उनके पदचिन्हों पर चलते हुए पार्टी में सच्चे सिपाही की तरह कार्य करते हुए सामाजिक क्षेत्र से मजदूर एवं गरीब तबके के लोगों को लाभ दिलाने में भरपूर सहयोग हमेशा से कर रहा हूं। इस

पूर्व न्यासी माणकचंद जावा की पुण्यतिथि पर शहर कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा को शहर कांठोस अध्यक्ष यशपाल गहलोत ने संबोधित किया।

■ डॉ बी.डी. कल्ला ने जयपुर से मोबाइल फोन से श्रद्धांजलि सभा को संबोधित किया

के परिणाम स्वरूप मैं दूसरी बार पार्षद बना हूं। पार्षद जावा ने युवाओं से शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढकर समाज को सुदृढ करने को कहा।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री डॉ बी.डी. कल्ला ने जयपुर से मोबाइल माइक्रोफोन से श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए कहा कि स्व. माणवचंद जावा जैसे निष्ठावान कार्यकर्ता बनने की जरूरत है। स्व. जावा ने अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्तियों को सरकारी लाभ दिलवाया एवं शिक्षा के क्षेत्र में समाज कल्याण छात्रावास खुलवाया। वाल्मीकि बस्ती में सरकारी स्कूल को सीनियर हायर सैकण्डरी कराया था।

एन.सी.सी. कैडेट्स को ड्रिल तथा हथियार प्रशिक्षण दिया

बीकानेर, (कासं)। कमान अधिकारी कर्नल जॉनी थॉमस 7 वीं। राजस्थान बटालियन एनसीसी बीकानेर के तत्वावधान में दस दिवसीय वार्षिक सयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 19 से 28 जून तक तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर मे आयोजित किया जा रहा है। जिसमे बीकनेर, सरदारशाहर, संगरिया, हनुमानगढ, नोहर, श्रीडूंगरगढ, नोखा व रावलामण्डी के 14 एएनओ 510 एनसीसी कैडेट्स भाग ले रहे हैं। शिविर में नौवें दिवस की शुरूआत कैडेटों द्वारा पीटी व योगाभ्यास से की गई।

उसके बाद डिप्टी कैम्प कमाण्डेट ले. कर्नल मनदीप सिंह निज्जर के निर्देशन में एनसीसी कैडेटों ड्रिल तथा हथियार प्रशिक्षण दिया गया व प्रिथल सेना कैम्प द्वितीय कि लिए कैडेटों का चयन किया गया। इसके बाद कैडेटों का ड्रिल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सांयकालीन सत्र में खेलकूद प्रतियोगिता के तहत बालिका वर्ग में खो-खो तथा बालक वर्ग में वॉलीवाल मैच का आयोजन किया गया। जिसमें कैम्प कमाडेंट कर्नल जॉनी थॉमस ने खेल मेदान में उपस्थित रहकर बालक बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया।

मैच विजेता टीम के एनसीसी कैडेटों को मैडल देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद कैडेटों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि तकनीकी विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति प्रोफेसर अजय कुमार शर्मा डूंगर कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल दिग्विजय सिंह मौजूद थे।

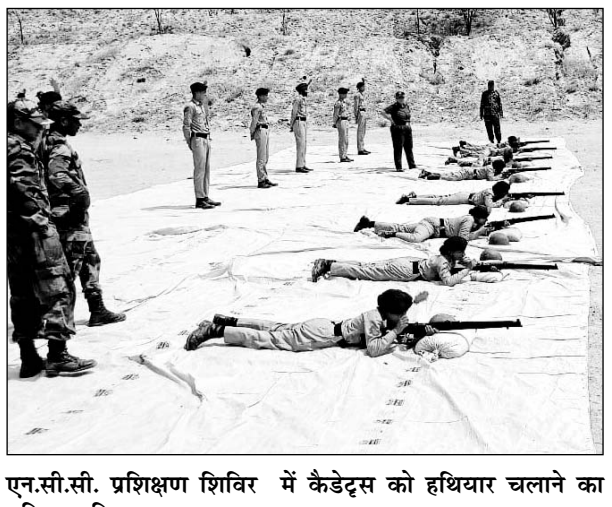

एन.सी.सी. प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स को हथियार चलाने का प्रशिक्षण दिया।

इन हालात में बल्लेबाजी करना चुनौतीपूर्ण था। किस्मत ने हमारा साथ दिया कि हम साझेदारी निभा सके। हमने अच्छा खेला और रणनीति पर बखूबी अमल किया। हम सही जगहों पर गेंद डालने पर ही फोकस कर रहे थे।

- एडेन मार्क्रम

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान, अपनी जीत पर कहा।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

पीटी उषा

पीटी उषा एक ऐसी ही महिला एथलीट है, जिन्होंने अपने देश का नाम रोशन किया और देश की हजारों-लाखों महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनीं। आज यानी की 27 जून को पीटी उषा अपना 59वां जन्मदिन मना रहे हैं। वह ओलंपिक के फाइनल में पहुंचने वाली पहली महिला एथलीट बनीं। उन्होंने अपने संघर्षों का सामना करते हुए अपना करियर चुना और महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। साल 1980 में उनके अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरूआत हुई। पाकिस्तान ओपन नेशनल मीट में पीटी उषा ने चार स्वर्ण पदक अपने नाम कर देश का नाम ऊंचा किया।

क्या आप जानते हैं ?... भारत की ओर से डब्लूटीए टूर्नामेंट जीतने वाली पहली खिलाड़ी सानिया मिर्जा है। सानिया ने फरवरी, 2005 में हैदराबाद टूर्नामेंट जीतते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

भारत ने दिया इंग्लैंड को 172 रनों का लक्ष्य

रोहित ने 57 व सूर्यकुमार ने 47 रन की पारी खेली, इंग्लैंड ने 6 ओवर में 39 रन पर 3 विकेट गंवाये

गयाना 27 जून। कप्तान रोहित शर्मा (57) और सूर्यकुमार यादव (47) की शानदार पारियों के दम पर भारत ने गुरुवार को टी-20 विश्वकप के दूसरे सेमीफाइनल के वर्षा बाधित मैच में इंग्लैंड को जीत के लिये 172 रनों का लक्ष्य दिया है। इंग्लैंड ने 6 ओवर में तीन विकेट के 39 रन बना लिए हैं। मोइन अली क्रीज पर हैं। 5वें ओवर में जसप्रीत बुमराह ने फिल सॉल्ट को बोल्ड कर दिया। अक्षर पटेल ने अपनी पहली बॉल पर जोस बटलर को विकेटकीपर पंत के हाथों कैच कराया।

आज यहां इंग्लैंड के कप्तान जॉस बटलर ने टॉस जीतकर भारत को बल्लेबाजी का न्यौता दिया। बल्लेबाजी करने उतरी भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ओवर में सलामी बल्लेबाजी विराट कोहली (9) का विकेट खो दिया। इसके बाद ऋषभ पंत भी (4) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव ने पारी को संभाला। टीम का स्कोर जब आठ ओवर में दो विकेट पर 65 रन था तो बारिश शुरु हो गई। बारिश के बाद कप्तान रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव ने शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा किया।

14वें ओवर में आदिल रशीद ने रोहित शर्मा को आउट कर इंग्लैंड को तीसरी सफलता दिलाई। रोहित ने 39 गेंदों में छह चौके और दो छक्के लगाते हुये (57) रनों की पारी खेली। इसके बाद 16वें ओवर में जोफ्रा आर्चर ने सूर्यकुमार यादव को क्रिस जॉर्डन के हाथों कैच आउट करा दिया। सूर्यकुमार ने 36 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुये (47) रन बनाये। हार्दिक पांड्या ने 13 गेंदों में (23), अक्षर पटेल छह गेंदों में (10) रन बनाकर आउट हुये। शिवम दुबे शून्य पर आउट हुये। रवींद्र जडेजा नौ गेंदों में (17) और अर्शदीप सिंह (1) रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 171 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। इंग्लैंड की ओर से क्रिस जॉर्डन को तीन विकेट मिले। रीस टॉप्ली, जोफ्रा आर्चर,सैम करन और आदिल रशीद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

भारत 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है : राष्ट्रपति

नयी दिल्ली, 27 जून। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को कहा कि युवाओं को खेलों में भी आगे बढ़ने के नए अवसर मिल रहे और भारत 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। राष्ट्रपति ने आज संसद के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा, मेरी सरकार के प्रभावी प्रयासों का परिणाम है कि भारत के युवा खिलाड़ी वैश्विक मंचों पर रिकॉर्ड संख्या में मेडल्स जीत रहे हैं। कुछ ही दिनों बाद पेरिस ओलंपिक भी शुरू होने जा रहा है। उन्होंने आगे कहा, ओलंपिक्स में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले हर खिलाड़ी पर हमें गर्व है।

दक्षिण अफ्रीका फाइनल में, तीन दशक का सूखा खत्म

दक्षिण अफ्रीका ने अफगानिस्तान को नौ विकेट से रौंदा, पहली बार आईसीसी इवेंट के फाइनल में जगह बनाई

टरूबा, 27 जून। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन और उसके बाद रीजा हेंड्रिक्स नाबाद (29) तथा कप्तान एडन मारक्रम नाबाद (23) रनों की शानदार पारियों के दम पर दक्षिण अफ्रीका टी-20 विश्वकप के पहले सेमीफाइनल में मुकाबले में अफगानिस्तान को नौ विकेट से हराकर पहली बार फाइनल में पहुंच गई है।

इसके साथ ही दक्षिण अफ्रीका ने तीन दशकों के लम्बे इंतजार के बाद आईसीसी के किसी भी इवेंट में पहली बार फाइनल में जगह बनाई है। त्रिनिदाद के ब्रायन लारा स्टेडियम में खेल गये सेमीफाइनल में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और उसका कोई भी बल्लेबाजी दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों के आगे नहीं टिक सका। केवल अजमतउल्लाह उमरजई ने सर्वाधिक (10) रन बनाये। शेष कोई भी बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सका। दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने अफगानिस्तान की पूरी टीम को 11.5 ओवर में 56 रन पर समेट दिया। यह टी-20 विश्वकप सेमीफाइनल मैच में ऑल आउट होने का किसी टीम का सबसे न्यूनतम स्कोर है।

दक्षिण अफ्रीका की ओर से मार्को यानसन और तबरेज शम्सी ने तीन-तीन विकेट लिये। कगिसो रबाडा और एनरिक नॉर्टजे ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। 57 रनों के छोटे लक्ष्य को दक्षिण अफ्रीका ने 8.5 ओवर में एक विकेट पर 60 रन बनाकर नौ विकेट से जीत लिया। इसी के साथ ही दक्षिण अफ्रीका टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका को पहला झटका फजलहक फारुकी ने क्विंटन डिकॉक को बोल्ड कर दिया।

क्विंटन डिकॉक (5) रन बनाये। रीजा हेंड्रिक्स ने 25 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए नाबाद (29) तथा कप्तान एडन मारक्रम ने 21 गेंदों में चार चौकों की मदद से नाबाद (23) रनों की पारी खेली। अफगानिस्तान की ओर फजलहक फारूकी को एक विकेट मिला। दक्षिण अफ्रीका फाइनल में भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

कोई भी इस पिच पर सेमीफाइनल मैच नहीं खेलना चाहेगा : जोनाथन ट्रॉट

अफगानिस्तान के कोच ट्रॉट ने पिच की आलोचना की

टरूबा, 27 जून। अफगानिस्तान के कोच जोनाथन ट्रॉट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां टी20 विश्व कप सेमीफाइनल के लिए इस्तेमाल की गई पिच की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह के बड़े मुकाबले के लिए यह उपयुक्त नहीं थी। इस पिच से तेज गेंदबाजों को मूवमेंट मिल रहा था और इसमें अनिश्चित उछाल दी थी। अफगानिस्तान की टीम इस पिच पर केवल 56 रन बनाकर आउट हो गई जो टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में न्यूनतम स्कोर है। दक्षिण अफ्रीका ने भले ही लक्ष्य 8.5 ओवर में हासिल कर दिया लेकिन उसके बल्लेबाजों को भी संघर्ष करना पड़ा।

ट्रॉट ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''मैं खुद को परेशानी में नहीं डालना चाहता और मैंअंगूर खट्टे हैं जैसा मामला भी नहीं बनना चाहता लेकिन यह उस तरह की पिच नहीं थी जिस पर कोई विश्व कप का सेमीफाइनल खेलना चाहेगा।'' इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि इस पिच ने बल्लेबाजी को पूरी तरह से खेल से बाहर कर दिया। उन्होंने कहा,''मुकाबला बराबरी का होना चाहिए। मैं ऐसा नहीं कह रहा हूं कि यह सपाट होनी चाहिए जिसमें स्पिन या सीम मूवमेंट न हो। मेरे कहने का मतलब है कि आपको बल्लेबाजों की भी चिंता होनी चाहिए। बल्लेबाजों को अपने पांव के मूवमेंट पर विश्वास होना चाहिए और उन्हें अपने कौशल का उपयोग करने में सक्षम होना चाहिए।''

यूरो कप : जॉर्जिया ने रोनाल्डो की पुर्तगाल को हराकर किया बड़ा उलटफेर

2-0 से हराकर मचाई खलबली

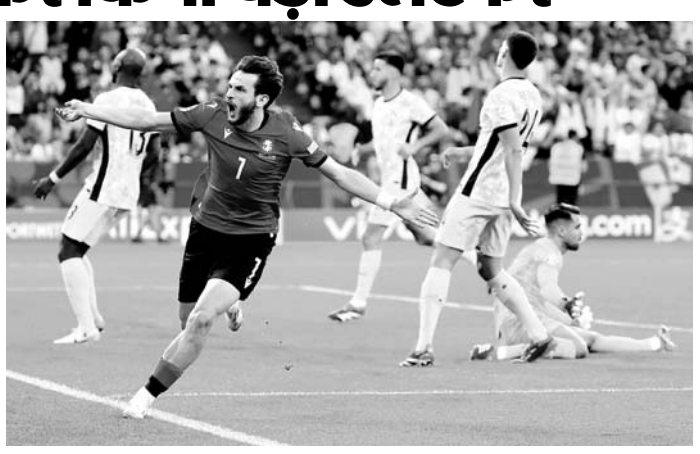

नई दिल्ली, 27 जून। मैच से पहले क्रिस्टियानो रोनाल्डो से हुई बातचीत ने ख्विचा कवारात्सखेलिया को इतना प्रेरित किया कि उनकी टीम जॉर्जिया ने यूरोपीय फुटबॉल चैम्पियनशिप का बड़ा उलटफेर करते हुए रोनाल्डो की पुर्तगाल को 2 . 0 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई। रोनाल्डो के प्रशंसक जॉर्जिया के सात नंबर जर्सी वाले कवारात्सखेलिया ने मैच से ठीक पहले अपने पसंदीदा खिलाड़ी से बात की। उन्हें रोनाल्डो की शर्ट भी तोहफे में मिली और इसी खिलाड़ी ने मैच में पहला गोल दाग दिया।

रोनाल्डो अभी तक इस टूर्नामेंट में एक भी गोल नहीं कर सके हैं। जॉर्जिया को नॉकआउट में पहुंचने के लिये यह मैच हर हालत में जीतना था। उसने 93वें सेकंड में बढत बना ली जब जार्जेस एम के पास पर कवारात्सखेलिया ने गेंद गोल के भीतर डाला। दूसरा गोल 57वें मिनट में जॉर्जेस मिकाउतात्जे ने दागा। पुर्तगाल ग्रुप एफ से पहले ही क्वालीफाई कर चुका है जबकि जॉर्जिया तीसरी सर्वश्रेष्ठ टीम के रूप में पहुंचा। अब उसका सामना स्पेन से होगा जबकि पुर्तगाल की टक्कर स्लोवेनिया से होगी।

राउंड ऑफ 16 के लिए बेल्जियम ने किया क्वालीफाई -बेल्जियम ने यूक्रेन से गोलरहित ड्रॉ खेलने के बाद यूरोपीय फुटबॉल चैम्पियनशिप के अंतिम 16 में प्रवेश कर लिया जबकि यूक्रेन चार अंक लेकर बाहर होने वाली ग्रुप की पहली टीम बन गई। बेल्जियम का सामना अब सोमवार को डसेलडोर्फ में अंतिम 16 के मुकाबले में फ्रांस और काइलियान एमबाप्पे से होगा। ग्रुप ई में सभी टीमों के चार अंक रहे लेकिन बेहतर गोल औसत के आधार पर रोमानिया शीर्ष, बेल्जियम दूसरे और स्लोवाकिया तीसरे स्थान पर रहा।

अफगानिस्तान को नए स्थान पर अभ्यास करने का समय नहीं मिला : माइकल वान

टरूबा, 27 जून। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के पहले सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका से बुरी तरह से हारकर अफगानिस्तान बाहर हो गई। साउथ अफ्रीका पहले बार वर्ल्ड कप के फाइनल में खेलेगी, जबकि अफगानिस्तान का फाइनल खेलने का सपना टूट गया है। अब अफगानिस्तान की इस करारी हार पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और कमेंटेटर माइकल वान ने सवाल कढ़ कर दिए हैं।

माइकल वान ने ट्वीट कर अफगानिस्तान की इस हार को आईसीसी की लापरवाही से जोड़ा है। माइकल वॉन ने बताया कि त्रिनिदाद की यात्रा के दौरान अफगानिस्तान को उड़ान में देरी का सामना करना पड़ा, जिससे खिलाड़ियों को नेट्स पर कड़ी मेहनत करने और नए स्थान पर अभ्यास करने का समय नहीं मिला। अफगानिस्तान सोमवार को बांग्लादेश को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा था।

वहीं वॉन ने अपने पर लिखा कि, अफगानिस्तान की टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ सोमवार की रात मैच जीता। इसके बाद मंगलवार को उन्हें त्रिनिदाद के लिए उड़ान भरने में 4 घंटे की देरी हुई। नए स्थान पर अभ्यास का समय नहीं मिला।

वॉन ने एक बार फिर लिखा कि दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान को सुबह के खेल में गुयाना में खेलना चाहिए था, जबकि भारत और इंग्लैंड को रात में पहले सेमीफाइनल में भिड़ना चाहिए था। वान ने शेड्यूलिंग को भारत की ओर ध्यान केंद्रीत और दूसरों के लिए अनुचित बताया। उन्होंने आगे लिखा कि, निश्चित रूप से ये सेमी गुयाना वाला होना चाहिए था, लेकिन क्योंकि पूरा कार्यक्रम भारत पर केंद्रित है, इसलिए ये दूसरों के लिए बहुत अनुचित है।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ देश को पदक दिलाना मेरा लक्ष्य : मीराबाई चानू

नई दिल्ली, 27 जून। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने अगले महीने शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ देश को एक और पदक दिलाने का लक्ष्य रखा है। मीराबाई

पेरिस ओलंपिक का टिकट पक्का करने वाली भारत की इकलौती भारोत्तोलक है।49 किग्रा वजन वर्ग में प्रतिस्पर्धा करने वाली यह खिलाड़ी पदक के सपने को पूरा करने के लिए चोट से बचने पर ध्यान दे रही है। तीसरी बार ओलंपिक खेलों में भाग लेने की तैयारी कर रही मीराबाई ने साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण), आईओसी (भारतीय ओलंपिक संघ) और भारतीय भारोत्तोलक महासंघ (आईडब्ल्यूएलएफ) के सौजन्य से आयोजित ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में पटियाला से कहा, " पेरिस को लेकर रोमांचित हूं लेकिन थोड़ी घबराहट और तनाव भी है। पिछले तीन साल (तोक्यो ओलंपिक के बाद) में मेरे काफी प्रतिद्वंद्वी बदल गये हैं। भारत के लिए पदक जीतने का दबाव है लेकिन अगर मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रही तो देश के लिए पदक जीत सकती हूं।" मीराबाई चानू का स्नैच में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 88 किग्रा तथा क्लीन एवं जर्क में 119 किग्रा का है। वह चोटों से जूझती रही हैं और पीठ की समस्या तो हमेशा ही रहती है।

क्रिस सिल्वरवुड ने श्रीलंका के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दिया

कोलंबो, 27 जून। श्रीलंका के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड ने बृहस्पतिवार को टी20 विश्व कप में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद पद से इस्तीफा दे दिया। पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने ने भी सलाहकार कोच के पद से इस्तीफा दे दिया था। सिल्वरवुड ने एक बयान में कहा ,"अंतरराष्ट्रीय कोच होने का मतलब लंबे समय तक अपनों से दूर रहना है। अपने परिवार से सलाह लेने के बाद मैं भारी मन से घर लौटने और परिवार के साथ समय बिताने का फैसला ले रहा हूं।" उन्होंने कहा ,"श्रीलंका क्रिकेट का हिस्सा रहना मेरे लिये फख्र की बात रही है। मैं काफी अच्छी यादें लेकर जा रहा हूं।" श्रीलंकाई टीम टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई थी जो आईसीसी टूर्नामेंट में उसका सबसे खराब प्रदर्शन रहा है।

किरण पहल ने महिलाओं की 400 मीटर स्पर्धा में ओलंपिक कोटा हासिल

नई दिल्ली, 27 जून। गुरुवार को राष्ट्रीय अंतर राज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आगाज हो चुका है। जहां भारतीय महिला एथलीट किरण पहल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल कर लिया है। किरण ने सेमीफाइनल में 50.92 सेकंड का समय निकालकर महिलाओं की 400 मीटर स्पर्धा में पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया। बता दें कि, महिलाओं की 400 मीटर स्पर्धा में क्वालीफाइंग मार्क 50.95 सेकंड था जिससे किरण अगले महीने होने वाले ओलंपिक के लिए कोटा हासिल करने में सफल रही। यह इस सत्र में उनका सर्वश्रेष्ठ समय था और इसके साथ ही वह 51 सेकंड से कम समय में रेस पूरी करने वाली दूसरी भारतीय महिला भी बनीं। इस दौरान वह गुजरात की देवी अनिबा जाला से आगे रहीं जिन्होंने 53.44 सेकेंड के समय से दूसरा स्थान प्राप्त किया।

कोपा कप : नहीं रुक रहा वेनेजुएला का विजयी क्रम, मैक्सिको को दी मात

इंगलवुड, 27 जून। वेनेजुएला ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए मैक्सिको को 1-0 से हराकर कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुरक्षित की। मैच का एकमात्र गोल 57वें मिनट में सालोमोन रोंडोन ने पेनाल्टी किक पर किया। इस हार से मैक्सिको पर पहले दौर से बाहर होने का खतरा मंडराने लगा है। वेनेजुएला ने अपने पहले मैच में इक्वाडोर को 2-1 से पराजित किया था और उसका ग्रुप बी में शीर्ष दो टीम में रहना तय है। वह अपना अंतिम मैच रविवार को जमैका के विरुद्ध खेलेगा। जमैका की टीम पहले ही नॉकआउट चरण की दौड़ से बाहर हो चुकी है। मैक्सिको ने जमैका पर 1-0 की जीत के साथ शुरुआत की थी। उसके भी इक्वाडोर के बराबर तीन अंक हैं। मैक्सिको अपना अंतिम मैच रविवार को इक्वाडोर से खेलेगा और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए उसे इस मैच में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी।

गुकेश ने सुपरबेट क्लासिक शतरंज में डेक बोगडान-डेनिएलिन को हराया

बुखारेस्ट, 27 जून। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने यहां सुपरबेट क्लासिक शतरंज टूर्नामेंट के पहले दौर में रोमानिया के डेक बोगडान-डैनियल को हराकर सकारात्मक शुरुआत की। इस साल के आखिर में मौजूदा विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को चुनौती देने को तैयार गुकेश को इस मुकाबले के दौरान किस्मत का भी साथ मिला, जब उनकी गलती पर रोमानिया का खिलाड़ी फायदा उठाने में नाकाम रहा। गुकेश ने इसके बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की।

गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने के बाद पहली बार क्लासिकल शतरंज की किसी प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। इस टूर्नामेंट में चुनौती पेश कर रहे एक अन्य भारतीय आर प्रज्ञाननंदा ने कड़ी मेहनत की लेकिन उन्हें उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसात्तोरोव के खिलाफ कड़े मुकाबले में ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। अमेरिका के फैबियानो कारुआना भी शुरुआती दौर में जीत दर्ज करने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे। उन्होंने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को हराया। दस खिलाड़ियों के राउंड-रोबिन टूर्नामेंट में अन्य दो मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए। बोगडान-डैनियल ने 'निम्जो इंडियन डिफेंस' चाल के शुरुआत की जिसने मुकाबला बीच में जटिल बना दिया। रोमानिया के खिलाड़ी के पास गुकेश पर बढ़त बनाने का मौका था लेकिन उन्होंने प्यादा के मुकाबले अपने 'रूक (हाथी)' को गंवा दिया।

टूर्नामेंट से आत्मविश्वास लेकर जा रहे हैं, यह हमारे लिये आगाज है : राशिद खान

टरूबा, 27 जून।अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान दक्षिण अफ्रीका के हाथों टी20 विश्व कप के एकतरफा सेमीफाइनल में मिली हार से दुखी हैं लेकिन उन्होंने कहा कि यह उनकी टीम के लिये शुरूआत है और इस टूर्नामेंट से उन्हें किसी भी टीम को हराने का आत्मविश्वास मिला हैदक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले सेमीफाइनल में अपने न्यूनतम स्कोर 56 रन पर आउट होने के बाद अफगानिस्तान को नौ विकेट से पराजय झेलनी पड़ी। राशिद ने मैच के बाद कहा ," एक टीम के रूप में हमारे लिये यह कठिन था। हमने बेहतर प्रदर्शन किया होता लेकिन हालात ने हमारा साथ नहीं दिया। टी20 क्रिकेट यही है जिसमें आपको हर परिस्थिति के अनुरूप ढलना होता है।" उन्होंने कहा कि उनकी टीम ने इस टूर्नामेंट से बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने कहा ," हमारे लिये यह शुरूआत भर है। हमारे भीतर किसी भी टीम को हराने का आत्मविश्वास आ रहा है। हमे प्रक्रिया पर ध्यान देना है। हमने यहां से बहुत कुछ सीखा है।" राशिद ने कहा ," इस टूर्नामेंट से हम आत्मविश्वास लेकर जा रहे हैं। हमें पता है कि हमारे पास कौशल है लेकिन यहां हमने कठिन और दबाव भरे हालात में खेलना सीखा।" एक टीम के रूप में किन क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है , यह पूछने पर राशिद ने कहा ," कुछ सुधार तो करना होगा। खासकर मध्यक्रम की बल्लेबाजी में। अभी तक नतीजे अच्छे रहे हैं लेकिन हमें बल्लेबाजी में और मेहनत करनी होगी।"

मु.मंत्री भजनलाल ने डेढ घंटे तक बंद कमरे में भाजपा नेताओं से चर्चा की

मीटिंग को लेकर मीडिया में कयासबाजी चल रही है, किसी ने भी मीटिंग के इनपुट्स सार्वजनिक नहीं किए हैं

- **झुंझुनूं में हुई इस मीटिंग में जिले के प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी व अन्य कई भाजपा नेता मौजूद थे।**
- **समझा जाता है कि, मीटिंग में झुंझुनूं विधानसभा सीट के उपचुनाव के संबंध में चर्चा की गई।**

झुंझुनूं, 27 जून (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरूवार को झुंझुनूं के दौरे पर रहे। मु.मंत्री ने करीब डेढ़ घंटे तक झुंझुनूं जिले के भाजपा नेताओं के साथ जिले के विकास को लेकर, संगठन की मजबूती और आने वाले उप चुनावों को लेकर चर्चा की। बैठक में जिले के प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत के अलावा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी तथा संतोष अहलावत समेत अन्य कई भाजपा नेता मौजूद थे। बैठक के बाद उप चुनावों के बारे में मुख्यमंत्री ने और ना किसी ही मंत्री ने कोई चर्चा की। उन्होंने इतना जरूर कहा कि, प्रस्तावित बजट को लेकर सुझाव मांगे हैं। वहीं यमुना के पानी को लेकर प्रोग्रेस के बारे में जानकारी दी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का दौरा मुख्यम: झुंझुनूं में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत राशि वितरण के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल होने के लिए संदर्भ में था। लेकिन सियासी गलियारों में इस दौरे और कार्यक्रम को झुंझुनूं में प्रस्तावित विधानसभा उप चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। यह चर्चा उस वक्त और भी तेज हो गई जब मुख्यमंत्री ने हवाई पट्टी पर ही बंद कमरे में करीब डेढ़ घंटे तक भाजपा नेताओं के साथ बैठक की।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बताया कि यमुना नहर के पानी को लेकर सरकार गंभीर है। सर्वे का काम चल रहा है। वहीं जल्द ही हम जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया को शुरू करने वाले हैं। उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि, हमने यमुना का पानी शेखावाटी तक पहुंचाने का वादा किया है।

जो हर हाल में पूरा करेंगे। उन्होंने बताया कि, आज जो बैठक उन्होंने पार्टी नेताओं के साथ की है। उसमें प्रस्तावित बजट को लेकर सुझाव मांगे हैं। झुंझुनूं जिले के विकास को लेकर भी नेताओं ने सुझाव दिए हैं। जो ना केवल झुंझुनूं जिले को, बल्कि राजस्थान को विकास की गति देंगे। उन्होंने कहा कि, सरकार हर हाल में हर वर्ग का कल्याण करने और उन्हें मुख्य धारा में लाने के लिए कृत संकल्पित है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि, वे ऑनलाइन सुझाव सरकार को भेजें। ताकि अच्छे सुझावों को बजट में शामिल किया जा सके। बैठक में भाजपा प्रदेश महामंत्री संतोष अहलावत, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी, राष्ट्रीय परिषद सदस्य विश्वंभर पूनिया, जिला महामंत्री सरजीत चौधरी, डॉ. राजेश बाबल, विधायक विक्रम सिंह जाखल, विधायक इंजीनियर धर्मपाल गुर्जर, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, पूर्व विधायक जेपी चंदेलिया, देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाना, प्यारेलाल ढूकिया आदि मौजूद थे।

जिले के प्रभारी और सूबे के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि, पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों से आज मुख्यमंत्री ने चर्चा करते हुए आगामी बजट के लिए सुझाव मांगे हैं। हम चाहते है कि, झुंझुनूं की हर विधानसभा क्षेत्र की मांग पूरी हो और विकास के नए आयाम स्थापित हो सके। उन्होंने कहा कि, शौर्य उद्यान, पुलिस लाइन ओवरब्रिज, खेल यूनिवर्सिटी जैसे अधूरे प्रोजेक्ट है। उन्हें भी मुख्यमंत्री को बताया गया है। निसंदेह आने वाले दिनों में इन अधूरे प्रोजेक्टों को पूरा कराना प्राथमिकता रहेगी। अविनाश गहलोत ने भी यमुना नहर को लेकर चर्चा की और बताया कि 1994 में पहली बार तत्कालीन मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत ने ही यमुना के पानी को लेकर पत्र लिखा था। बीच के तीन दशकों में कांग्रेस का कोई नेता और कोई जनप्रतिनिधि इस मामले में नहीं बोला। लेकिन हमारी सरकार यमुना का पानी शेखावाटी में पहुंचाकर ही दम लेगी।

बैठक से बाहर आकर चाहे मुख्यमंत्री और मंत्री ने बजट के सुझावों के बारे में बात साझा की हो। लेकिन यह चर्चा भी जोरों पर है कि सीएम ने लोकसभा चुनावों में मिली हार से सबक लेने का पाठ सभी नेताओं को पढ़ाया और साफ शब्दों में कहा कि उप चुनावों में भी टिकट एक ही कार्यकर्ता को मिलेगा। लेकिन हमें एकजुटता के साथ चुनाव लड़कर झुंझुनूं की विधानसभा सीट में कमल खिलाना है। यही नहीं सीएम ने लोकसभा चुनावों में मिली हार के कारणों के बारे में भी बातचीत की। इस बारे में भी कुछ नेताओं ने अपने अपने तर्क दिए।

डिप्टी स्पीकर का पद टी.डी.पी. को मिलेगा?

नई दिल्ली, 27 जून। ओम बिरला एक बार फिर लोकसभा के स्पीकर बन गए हैं मगर डिप्टी स्पीकर का पद अभी भी खाली है। ऐसा बताया जा रहा है कि, इस बार डिप्टी स्पीकर की कुर्सी किसी विपक्षी नेता को नहीं बल्कि एन.डी.ए. अपने पास ही रख सकती है। ऐसा करके एन.डी.ए .अब तक चली आ रही परम्परा तोड़ देगी। वहीं एन.डी.ए. के इस रुख से भी सरकार और विपक्ष के बीच तकरार बढ़ने की संभावना है। ऐसा बताया जा रहा है कि, सरकार के पास भी ऐसा करने की मजबूरी है क्योंकि उसे

- **चर्चा है कि, एन.डी.ए. में सामंजस्य दिखाने के मकसद से तेलुगू देशम पार्टी (टी.डी.पी.) के हरीश बालयोगी को डिप्टी स्पीकर का पद दिया जा सकता है।**

अपने सहयोगी दलों को खुश करना है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जल्द ही एन.डी.ए. डिप्टी स्पीकर के पद पर आसीन होने वाले नाम का ऐलान कर सकती है। ऐसा बताया जा रहा है कि, सरकार के इस फैसले से विपक्ष एक बार फिर कड़ा रुख अपना सकता है। हालांकि, यह एनडीए नीत भाजपा सरकार की मजबूरी है, क्योंकि उसके लिए चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार जैसे सहयोगियों को खुश रखने का सवाल भी है।

'राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान मोदी को 73 बार व राहुल को 6 बार दिखाया गया'

जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट के जरिये संसद टी.वी. की कवरेज में विपक्ष को नज़रअंदाज करने का आरोप लगाया

- **राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि, राष्ट्रपति के, "मोदी सरकार लिखित" अभिभाषण को सुनकर ऐसा लगा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2024 के लोकसभा चुनाव के जनादेश को नकारने की कोशिश कर रहे हैं।**
- **खड़गे ने यह दावा भी किया कि, प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति से "झूठ बुलवाकर" अपनी वाहवाही करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि देश की जनता उन्हें नकार चुकी है।**

नई दिल्ली, 27 जून। विपक्ष ने बृहस्पतिवार को संसद की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा दिए गए अभिभाषण के बाद केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। विपक्षी नेताओं ने अभिभाषण को "सरकार द्वारा दी गई और झूठ पर आधारित पटकथा' करार दिया और कहा कि, सरकार को 1975 के आपातकाल के बजाय आज के "अघोषित आपातकाल" पर जवाब देना चाहिए। इसके अलावा, कांग्रेस ने आरोप लगाया कि, राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र को सबसे ज्यादा दिखाया गया जबकि राहुल गांधी का चेहरा बहुत कम बार दिखा।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गुरुवार को आरोप लगाया कि, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की तुलना में अधिक बार स्क्रीन पर दिखाया गया।

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "51 मिनट के राष्ट्रपति के संबोधन में किसको कितनी बार दिखाया गया?

नेता सदन नरेंद्र मोदी : 73 बार
नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी: 6 बार
सरकार: 108 बार
विपक्ष: 18 बार

बता दें कि, राष्ट्रपति मुर्मू ने बृहस्पतिवार को अपने अभिभाषण में 1975 में लागू आपातकाल का उल्लेख किया और इसे 'संविधान पर सीधे हमले का सबसे बड़ा एवं काला अध्याय' करार देते हुए कहा कि, ऐसे अनेक हमलों के बावजूद देश ने असंवैधानिक ताकतों पर विजय प्राप्त करके दिखाई। राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि, राष्ट्रपति के, "मोदी सरकार लिखित" अभिभाषण को सुनकर ऐसा लगा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2024 के लोकसभा चुनाव के जनादेश को नकारने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि, प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति से 'झूठ बुलवाकर' अपनी वाहवाही करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि देश की जनता उन्हें नकार चुकी है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारत के दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के सरकार के दावे पर निशाना साधा। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, "भारत के पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की कहानी बताई जा रही है... क्या उसने हमारे किसानों को समृद्ध बनाया है? अगर हम पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, तो इतने सारे युवा बेरोजगार क्यों हैं?

70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को मुफ्त इलाज मिलेगा

- **राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि, सरकार ने आयुष्मान भारत योजना के तहत मुफ्त इलाज योजना का दायरा बढ़ा दिया है।**

नई दिल्ली, 27 जून। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संसद भवन में अपने अभिभाषण में गुरुवार को कहा कि,, आयुष्मान भारत योजना के तहत मुफ्त इलाज का लाभ अब 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को भी मिलेगा। उन्होंने संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में अपने अभिभाषण में कहा कि, देश में 25 हजार जन औषधि केंद्रों को खोलने का काम भी तेजी से चल रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा, "सरकार 55 करोड़ लाभार्थियों को आयुष्मान भारत योजना के तहत मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध करवा रही है। अब इस क्षेत्र में सरकार एक और निर्णय लेने जा रही है। उनके मुताबकि, 'अब आयुष्मान भारत योजना के तहत मुफ्त इलाज का लाभ 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को भी मिलेगा।'

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जे.ए.वाय.) दुनिया की सबसे बड़ी सरकार की ओर से वित्तपोषित स्वास्थ्य बीमा योजना है। इसमें देश के 12 करोड़ निम्न आय वाले परिवारों को इलाज के लिए प्रति वर्ष प्रति परिवार पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जाता है।

मुर्मू ने कहा कि, भारत 'आयुष' (आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी) को बढ़ावा देकर एक स्वस्थ विश्व के निर्माण में मदद कर रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि, स्वच्छ भारत अभियान ने भी गरीबों के जीवन की गरिमा से लेकर उनके स्वास्थ्य तक को राष्ट्रीय महत्व का विषय बनाया है और पहली बार देश में करोड़ों गरीबों के लिए शौचालय बनाए गए।

उन्होंने कहा, 'ये प्रयास हमें आश्वस्त करते हैं कि, देश आज महात्मा गांधी के आदर्शों का सच्चे अर्थों में अनुसरण कर रहा है।'

महिला शिक्षक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मानते हुए वार्षिक वेतन वृद्धि, चयनित वेतनमान और वरिष्ठता आदि का लाभ दिया गया। इसे चुनौती देते हुए याचिका में कहा गया कि, याचिकाकर्ता की नियुक्ति स्वीकृत रिक्त पद पर फरवरी में हुई थी और उसने कार्य भी ग्रहण कर लिया था। इसके अलावा विभाग ने समान प्रकृति के मामलों में दूसरे शिक्षकों को उनकी प्रथम नियुक्ति तिथि से ही सेवा परिलाभ दिए हैं। ऐसे में याचिकाकर्ता को समानता के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। याचिकाकर्ता को सेवा परिलाभ देरी से देने के चलते वह वेतन, भत्ते और वरिष्ठता में अपने साथी शिक्षकों से पिछड गई। इसलिए उसे प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा परिलाभ दिए जाएं। मामले की सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को प्रथम नियुक्ति तिथि से सेवा परिलाभ देने को कहा है।

'राम मंदिर में पानी टपकने की रत्तीभर भी समस्या नहीं'

- **श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने कहा कि, मंदिर परिसर में बिजली फिटिंग का काम चल रहा है, फिटिंग पाइप के जरिये ही पानी मंदिर की फर्श पर गिरा हुआ दिखाई दिया था।**

नई दिल्ली, 26 जून (वार्ता)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने बुधवार को कहा कि, मंदिर के गर्भगृह में पानी रिसने की रत्तीभर भी समस्या नहीं है, पर बिजली की तारों की निर्माणाधीन कंड्यूट (पाइप) के रास्ते कुछ पानी भूतल पर जरूर दिखाई दिया था, जो कोई समस्या नहीं है।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में छत से पिछले दिनों कथित रूप से बारिश का पानी टपकने की चर्चाओं के बीच जारी बयान में राय ने कहा, जहाँ भगवान रामलला विराजमान है, वहाँ छत से एक भी बूंद पानी नहीं टपका है और न ही कही से पानी गर्भगृह में प्रवेश हुआ है।

बयान में यह भी कहा गया है कि, मंदिर भवन में अभी निर्माण कार्य चल रहे हैं और कुछ मंडपों की छतें अभी घुम्मट आदि का निर्माण न होने से वे खुले हैं जो मानचित्र के अनुसार कार्यपूर्ण होने पर ढक जाएंगे।

राय ने बयान में कहा, चूंकि प्रथम तल पर बिजली, वाटर प्रूफिंग एवं फ्लोरिंग का कार्य प्रगति पर है अत: सभी जंक्शन बॉक्सेज़ में पानी प्रवेश करने से वही पानी कंड्यूट के सहारे भूतल पर गिरा है। उसे देखने पर यह प्रतीत हो रहा था कि, पानी छत से टपक रहा है। जबकि यथार्थ में पानी कंड्यूट पाइप के सहारे भूतल पर निकल रहा था।

बयान में कहा गया है कि, पत्थर से बने मंदिर में बिजली के कन्ड्युट (पाइप) एवं जंक्शन बाक्स का कार्य पत्थर की छत के ऊपर होता है एवं कन्ड्युट को छत में छेद करके नीचे उतारा जाता है जिससे मंदिर के भूतल के छत की लाइटिंग होती है।

आडवाणी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की, जिसके बाद उन्हें एम्स ले जाया गया। एक सूत्र ने बताया, "लालकृष्ण आडवानी की हालत स्थिर है। यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी और जेरिएट्रिक मेडिसिन सहित विभिन्न विशेषज्ञता वाले डॉक्टरों की एक टीम उनकी स्थिति का मूल्यांकन कर रही है।"

उल्लेखनीय है कि, केंद्र में तीसरी बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनने के बाद भाजपा के तमाम नेता उनसे आशीर्वाद लेने पहुंचे थे। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार राजग के नेता चुने जाने के बाद आडवानी का आशीर्वाद लेने उनके आवास पर पहुंचे थे। उस समय उनका स्वास्थ्य ठीक था।

अमेरिका के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विफल रही है। इसका प्रतिकूल असर मुसलमानों, इसाइयों, सिख, दलितों, यहूदियों और आदिवासियों पर ज्यादा पड़ा हैं।"

उस विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा था कि यूएससीआईआरएफ को "एक पक्षपाती संगठन के रूप में पहचाना है जिसका अपना राजनीतिक एजेन्डा है।" प्रवक्ता ने कहा था कि यह संगठन भारत पर अपना एजेन्डा लगातार प्रकाशित करता रहता है, जो उसकी वार्षिक रिपोर्ट का एक हिस्सा हैं।" प्रवक्ता ने यह भी आरोप लगाया था कि यह संगठन भारत के चुनावों में दखलंदाजी करने का प्रयास कर रहा हैं।"

कोटा में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं मिला है। ऐसे में परिजनों के आने के बाद पूरे मामले की पड़ताल होगी।

हम जो वादा करते हैं उसको पूरा भी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- **कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, सीकर की संभागीय आयुक्त, आई.जी. सत्येन्द्र सिंह कलैक्टर चिन्मयी गोपाल व अन्य प्रमुख अधिकारी मौजूद थे।**

सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना में राशि को 1 हजार रूपए से बढ़ाकर 1150 रूपए किया है और इसमें चरणबद्ध रूप से वृद्धि की जाएगी। संकल्प पत्र के हर एक वादे को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा " हम पजो वादा करते हैं उसको पूरा भी करते हैं।" उन्होंने कहा कि, 88 लाख से अधिक पैंशनरों के बैंक खातों में 1037 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे हस्तांतरित की जा रही है। उन्होंने कहा कि, इन पैंशन योजनाओं में डिजिटल प्रक्रिया अपनाई जा रही है। जिससे आज पैंशनर्स को बिना किसी परेशानी के योजनाओं का लाभ सुनिश्चित हो रहा है। कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में राज्य सरकार निरंतर काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए लाभार्थियों से संवाद भी किया। लाभार्थियों ने योजना के तहत राशि बढ़ाए जाने पर मुख्यमंत्री का बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया। बीकानेर से मुख्यमंत्री एकल नारी पेंशन योजना की लाभार्थी कौशल्या ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि, पैंशन में की गई राशि बढ़ोतरी से हमें आर्थिक संबल मिला है। ब्यावर से मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन सम्मान पेंशन योजना के लाभार्थी रामरत्न ने कहा कि "पैंशन री राशि बढ़ावा वास्ते घण्णा हेत सूं.., घण्णा कोड सूं.., घण्णा मान सूं... आपरो आभार।"

जिले के प्रभारी मंत्री एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मंत्री अविनाश गहलोत ने सभा की तैयारियों का जायजा आधी रात को लिया।

कार्यक्रम में सीकर संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी, आई.जी. सत्येंद्र सिंह, कलेक्टर चिन्मयी गोपाल, एस.पी राजर्षि राज वर्मा, ए.एस.पी पुष्पेंद्र सिंह राठौड़, एडीएम रामरतन सौंकरिया, सीईओ अम्बालाल मीणा, अजमेर डिस्कॉम एस.ई महेश टीबड़ा, एस.डी.एम सुमन सोनल झुंझुनूं, बृजेश कुमार चिड़ावा, नगर परिषद आयुक्त अनिता खीचड़, सी.एम.एच.ओ. डॉ. छोटेलाल गुर्जर, बी.डी.के. अस्पताल पी.एम.ओ डॉ. संदीप पचार, डी.एस.ओ. कपिल झाझड़िया, मुख्यमंत्री सुरक्षा ए.एस.पी. राजेश गुप्ता, चिड़ावा डी.एस.पी. विकास धींधवाल, सिटी झुंझुनूं डी.एस.पी वीरेंद्र शर्मा, ग्रामीण झुंझुनूं डी.एस.पी. हरिसिंह धायल, बुहाना डी.एस.पी. नोपाराम भाकर, शहर कोतवाल पवन चौबे आदि मौजूद थे।

स्पीकर ओम बिड़ला के बाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संविधान ने हर चुनौती और हर परीक्षा को पास किया है।"

उन्होंने कहा, यहां तक कि संविधान निर्मित हो रहा था तब विश्व में कई ताकते थी जो भारत की विफलता की कामना कर रही थी। संवधिान के क्रियान्वयन के बाद भी इस पर कई बार हमला हुआ।"

उन्होंने कहा, "आज 27 जून है। वर्ष 1975 में 25 जून को आपातकाल लगा था जो कि संविधान पर प्रत्यक्ष हमले का सबसे बड़ा और डरावना उदाहरण है। तब पूरा देश इस पर नाराज़ था।"

राष्ट्रपति ने कहा गत चार दशकों में हमने कश्मीर में हड़तालों व शटडाउन के बीच कम वोटर टर्न आउट देखा था। भारत के शत्रु दुनिया भर में दुष्प्रचार कर रहे थे और इसे जम्मु कश्मीर का जनमत बताते थे पर इस बार कश्मीर की जनता ने देश के भीतर और बाहर के तत्वों को माकूल जवाब दिया है। उन्होंने 2024 के चुनाव नतीजों को एन.डी.ए. सरकार के सेवा व सुशासन पर जनता की मोहर बताया।

राष्ट्रपति ने विरोधात्मक सोच आर क्षुद्र स्वार्थों की निंदा की ओर कहा कि यह प्रवृत्तियाँ लोकतंत्र की मूल भावना को कमज़ोर करती है।"

उन्होंने कहा, संसदीय व्यवस्था इससे प्रभावित होती है। साथ ही देश की विकास यात्रा पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। अस्थिर सरकारों का दौर देश के कई वर्षों तक रहा है। कई सरकारें चाह कर भी ना तो सुधार कर पाईं और ना ही महत्वपूर्ण फैसले कर पाईं। भारत की जनता ने अपने निर्णायक जनादेश से यह स्थित बदल दी है।

उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व लोकतंत्र के जनक का सम्मान करता है।" भारत के लोगों ने हमेशा लोकतंत्र में पूर्ण आस्था का प्रदर्शन किया है। और चुनावी प्रक्रिया में उनका पूर्ण यकीन है। हमारे लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए हमें इस यकीन को बनाए रखना होगा। हमें समझना होगा कि लोकतांत्रिक संस्थान और चुनाव प्रक्रिया को आहत करने का अर्थ है कि जिस शाखा पर हम बैठे है उसी को काट देना हमारे लोकतंत्र की साख को कमज़ोर करने की हरेक कोशिश का हमें मिल कर विरोध करना होगा।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि ये ताकते देश में भी हैं और देश के बाहर से भी काम कर रही हैं ये ताकतें जनता को गुमराह करती हैं और गलत जानकारी फैलाती हैं। इस स्थिति अनियंत्रित नहीं छोड़ा जा सकता है। आज जब टैक्नॉलजी बहुत आगे बढ़ गई है। इसका दुरुपयोग मानवता के लिए घातक है। भारत ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी यह चिंता जाहिर की है और इसके लिए ग्लोबल फ्रेम वर्क का समर्थन किया है।" उन्होंने कहा, यह सदी भारत की सदी है।

कर्नाटक में उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने मुख्यमंत्री बनने के जोड़-तोड़ फिर शुरु किए

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री शिवकुमार अपना-अपना पक्ष रखने दिल्ली आए

- **कर्नाटक में कांग्रेस के सत्ता संघर्ष में उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार का पलड़ा भारी लग रहा है। इसे बैलेंस करने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया गुट के लोगों ने और ज्यादा डिप्टी सी.एम. बनाने की मांग तेज कर दी है।**
- **ज्ञातव्य है कि, शिवकुमार ने इसी शर्त पर सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ किया था कि, उपमुख्यमंत्री पद पर वो खुद अकेले ही काबिज रहेंगे।**
- **कर्नाटक कांग्रेस के सत्ता संघर्ष को उस समय और हवा मिली जब वोक्किलगा समुदाय के एक संत ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की मौजूदगी में कहा कि, वे पद से हट जाएं और डी.के. शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनने का मौका दें।**
- **इसी बीच कर्नाटक भाजपा ने कांग्रेस की इस फूट का लाभ उठाने की कोशिशें शुरु कर दी हैं। भाजपा नेताओं का कहना है कि, कर्नाटक में कांग्रेस सरकार जल्द ही गिर जाएगी।**

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जून। कर्नाटक कांग्रेस में नेतृत्व की कशमकश एक बार फिर शुरु हो गई है। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने के पक्ष में पूरा माहौल बन रहा है, लेकिन मुख्यमंत्री एस. सिद्धारमैया के निष्ठावान नेता भी उपमुख्यमंत्री पद लेने की फिर से मांग कर रहे हैं।

कर्नाटक कांग्रेस में, लोकसभा चुनावों के तुरन्त बाद सत्ता को लेकर आंतरिक संघर्ष पुन: शुरु हो गया है। यह कुछ ऐसा है जिसके लिए कांग्रेस हाईकमान को कुछ ना कुछ जरूर करना होगा और वह भी ऐसे समय में जबकि वह पूरे देश में पार्टी को पुर्नजीवित करने के लिए अपनी रणनीति में बदलाव की कोशिश कर रही है और खासतौर पर हिंदी भाषी प्रदेशों में उत्तर प्रदेश में लोकसभा की कुछ सीटें जीतने से प्रोत्साहित होकर।

सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री, दोनों ही पार्टी हाईकमान को अपना-अपना पक्ष समझाने के लिए दिल्ली जाने वाले हैं। स्थिति यहाँ तक पहुँच गई है कि, डी.के. शिवकुमार के इस सुझाव को नामंजूर करते हुए और उपमुख्यमंत्री बनाये जाने की मांग की है और यह बात उनके शुरुआत रूख के विपरीत है। शुरु में जब उन्होंने सिद्धारमैया के पक्ष में मुख्यमंत्री ना बनना स्वीकार किया था पर उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि वे ही एक मात्र उपमुख्यमंत्री होंगे।

यह माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री के नज़दीकी मंत्री अपनी पदोन्नति की कोशिश कर रहे हैं, इसके बावजूद कि नेतृत्व में परिवर्तन की मांग शिवकुमार की तरफ से की जा रही है। वोक्कालिगा समुदाय के एक संत ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से अनुरोध किया है कि वे अपनी कुर्सी छोड़कर डी.के. शिवकुमार को राज्य का अगला मुख्यमंत्री बनने का मौका दे। एक कार्यक्रम, जिसमें मुख्यमंत्री भी उपस्थित थे, वोक्कालिगा संत चन्द्रशेखर स्वामी जी ने कहा कि हर कोई मुख्यमंत्री बनकर सत्ता सुख भोग चुका है, लेकिन हमारे डी.के. शिवकुमार अब तक मुख्यमंत्री नहीं बने हैं। उन्होंने कहा था कि सिद्धारमैया पहले भी सत्ता में रहे हैं और उन्हें शिवकुमार के लिए स्थान खाली करना चाहिए।

इस बीच भाजपा ने कांग्रेस की अटपटी स्थिति से फायदा उठाने की कोशिश की। भाजपा विधायक अश्वत्थनारायण ने कहा कि "कांग्रेस में सत्ता संघर्ष चल रहा है। सुशासन नाम की कोई चीज़ नहीं है। भाजपा के अन्य नेता ने टिप्पणी की कि "ऐसे वक्त में जब राज्य आवश्यक वस्तुओं में महंगाई की मार से त्रस्त है, कांग्रेस आंतरिक संघर्ष में उलझी हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई सार्वजनिक रूप से कह रहे हैं कि कांग्रेस सरकार अपना कार्यकाल पूर्ण नहीं कर पाएगी और जल्दी ही गिर जाएगी।

तथापि, ना तो सिद्धारमैया और ना ही शिवकुमार ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन संबंधी किसी बातचीत से इन्कार किया है, लेकिन साथ ही यह भी कहा है कि "कोई कुछ भी कह सकता है, लेकिन अंतिम निर्णय पार्टी हाईकमान को ही लेना है।" इस बयान से यह समझा गया कि कोई आपसी समझ बन चुकी है और डी.के. शिवकुमार को ढाई साल बाद मुख्यमंत्री बना दिया जाएगा, लेकिन सिद्धारमैया के नज़दीकी मंत्री पुरजोर इन्कार करते है। दिल्ली में कांग्रेस के कुछ सीनियर नेताओं ने भी इसकी पुष्टि की है।

राज्य के मंत्री एम.बी. पाटिल ने यह घोषणा कर इस मुद्दे पर विराम दिया कि सिद्धारमैया अगले पांच वर्षों तक मुख्यमंत्री रहेंगे और दोनों नेताओं के बच सत्ता शेयरिंग को लेकर कोई समझौता प्रस्ताव नहीं है। "ए.आई.सी.सी. सचिव के.सी. वेणुगोपाल ने दिल्ली में आयोजित एक प्रैस मीट के दौरान सत्ता शेयरिंग को लेकर कुछ नहीं कहा। हालांकि उन्होंने कहा था कि सिद्धारमैया अपने पद पर बने रहेंगे और पाँच साल का अपना कार्यकाल पूर्ण करेंगे।

'क्या ओ.एम.आर. शीट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिकार तो जनता में निहित होते हैं न कि प्राइवेट संस्था में।

बैंच ने कोचिंग सैन्टर से कहा कि कोचिंग समाप्त होने के बाद उसका कोई लेना-देना नहीं रह जाता है, बैंच ने टिप्पणी में कहा "एक कोचिंग सैन्टर की तरफ से यह याचिका आर्टिकल 32 के तहत है। आपके कौनसे मौलिक अधिकार का उल्लंघन हुआ है? उनकी मुश्किल से ही कोई इसमें भूमिका है। आपकी सेवाएं यानि कोचिंग जब खत्म हो जाती हैं तो उसके बाद आपकी जिम्मेदारी व ड्यूटी पूरी हो जाती है।

वरिष्ठ वकील बसंत ने अवकाशकालीन बैंच से कहा कि कोचिंग सैन्टर के अतिरिक्त, याचिकाकर्ता सं. 2, 3, 4 और 5 अभ्यर्थी भी हैं जो नीट-यू.जी. 2024 में उपस्थित हुए थे। कोचिंग सैन्टर की भूमिका के बारे में वरिष्ठ वकील ने कहा कि "इन कारणों में से एक कारण कोचिंग सैन्टर का नैतिक दायित्व भी है।"

जस्टिस भट्टी ने तुरन्त कहा कि जो कोई काम केन्द्र सरकार करेगी, कोचिंग सैन्टर द्वारा भी उसका ध्यान रखा जाएगा।"

वरिष्ठ वकील बसंत ने कोर्ट से कहा कि याचिकाकर्ता विद्यार्थी (2 से 5 तक) जो कोर्ट के समक्ष हैं वो भी ओ.एम.आर. शीट्स प्राप्त करने वालों से है जो नीट-यू.जी. 2024 की परीक्षा में उपस्थित हुए थे परन्तु उन्हें अभी तक ओ.एम.आर. शीट्स उपलब्ध नहीं कराई गई है।

नीट-यू.जी. 2024 के परीक्षा परिणाम का रद्द करने की मांग को लेकर अनेक याचिकाकर्ताओं ने शीर्ष अदालत में याचिकाएं दाखिल की हैं और 5 मई को आयोजित उक्त परीक्षा का पेपर लीक होने तथा परीक्षा में अनियमितता बरतने का आरोप लगाते हुए दुबारा परीक्षा आयोजित कराने की मांग की है।

शीर्ष अदालत नीट-यू.जी. 2024 प्रवेश परीक्षा की काउन्सलिंग पर रोक लगाने की मांग को पहले ही अस्वीकार कर चुकी है जो कार्यक्रमानुसार 6 जुलाई 2024 से शुरु होने वाली है।

अठारहवीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पास धरने पर बैठेंगे।

इण्डिया पार्टियों के नेता संसद भवन परिसर में, कथित राजनीतिक प्रतिशोध, विपक्ष के विरुद्ध सी.बी.आई. व ई.डी. के दुरूपयोग आदि मुद्दों को लेकर गाँधी प्रतिमा के पास धरना देंगे। दिल्ली के मुख्यमंत्री तथा मंत्रियों की गिरफ्तारी, हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी और पश्चिम बंगाल में तीन मंत्रियों की गिरफ्तारी को भी धरने का मुद्दा बनाया जाएगा।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908